सूर्योदय 05.35AM | सूर्यास्त 05.44PM
चंद्रोदय 02.16PM | चंद्रास्त 01.27AM
भाद्रपद-शुक्ल पक्ष
सूर्य राशि : कन्या
तिथि: दशमी 08:00PM
नक्षत्र: उत्तराषढ़ा पूर्ण रात्रि तक
योग: शोभन 04:06PM
करण: तैतिल 06:58AM

वर्ष : 7 अंक: 304 मूल्य : 4 रू.
RNI No. -DELHIN/2019/78266
newsdesk@motherlandvoice.org
editor@motherlandvoice.org

मदरलैण्ड वॉइस

सोमवार, 21 सितम्बर 2026
राष्ट्र प्रेमियों का दैनिक समाचार पत्र
दिल्ली से प्रकाशित एवं जयपुर, लुधियाना, चंडीगढ़, पटना, रायपुर, देहरादून, शिमला में प्रसारित

भारतीय वायुसेना को मिले ऐसे खतरनाक फाइटर जेट कि पाकिस्तान के कई शहर आ गए इसकी जद में

नई दिल्ली,, एजेंसी। भारत ने शुक्रवार को स्वदेशी एयरोस्पेस क्षमता के क्षेत्र में तीन महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल कीं। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) ने भारतीय वायुसेना को एलसीए तेजस के एफओसी ट्विन सीटर ट्रेनर की अंतिम खेप और एचटीटी-40 बेसिक ट्रेनर विमान सौंपे। साथ ही, पवन हंस लिमिटेड को स्वदेशी रूप से डिजाइन और विकसित ध्रुव एनजी नागरिक हेलीकॉप्टर प्रदान किया गया, जिसे नागरिक उड्डयन महानिदेशालय से टाइप सर्टिफिकेशन भी मिला।

इस कार्यक्रम में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह मौजूद रहे, जिन्होंने एचएएल को भारत की एयरोस्पेस क्षमता निर्माण की यात्रा में एक महत्वपूर्ण स्तंभ बताया। उन्होंने कहा कि एचएएल ने विमान निर्माण, हेलीकॉप्टर विकास, रखरखाव, मरम्मत और एयरोस्पेस इंजीनियरिंग जैसे क्षेत्रों में महत्वपूर्ण क्षमताएं विकसित की हैं, और यह दिन भारत की स्वदेशी एयरोस्पेस क्षमता, तकनीकी आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। एलसीए एफओसी ट्रेनर की अंतिम खेप भारतीय वायुसेना को सौंपना देश के स्वदेशी सैन्य एयरोस्पेस क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। एलसीए तेजस एक 4.5 जेनरेशन का हल्का मल्टी-रोल फाइटर जेट है, जिसकी रेंज 3000 किलोमीटर है, जिसकी जद में पाकिस्तान के कई शहर आ सकते हैं। एचएएल द्वारा स्वदेशी रूप से निर्मित एचटीटी-40 बेसिक ट्रेनर विमान भी भारतीय वायुसेना को सौंपा गया। इसमें आधुनिक एविएशन सिस्टम और सुरक्षा सुविधाएं शामिल हैं, जो प्रशिक्षण की जरूरतों के अनुरूप हैं। इसके स्वदेशी निर्माण से बेसिक एयरक्राफ्ट ट्रेनिंग में विदेशी निर्भरता कम होगी और इसमें निर्यात की भी संभावनाएं हैं।

ध्रुव एनजी हेलीकॉप्टर के क्षेत्र में भी भारत ने एक अहम उपलब्धि हासिल की है। इसमें स्वदेशी शक्ति इंजन शामिल है, जिसे नागरिक उड्डयन महानिदेशालय से प्रमाणन मिला है। इसका उपयोग पहली बार समुद्र में तेल और गैस संबंधी अभियानों के लिए किया जाएगा, जिससे भारत की नागरिक एयरोस्पेस क्षमता को और मजबूती मिली है। रक्षा मंत्री ने एचएएल को डिजाइन, विकास, निर्माण, प्रमाणन, पूरे सेवा-काल के दौरान सहायता और ग्लोबल मार्केटिंग जैसे सभी क्षेत्रों में विश्वस्तरीय क्षमता प्रदर्शित करने वाले संगठन के रूप में विकसित करने का आह्वान किया।

स्वदेशी हेलीकॉप्टर का होगा इस्तेमाल

हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड ने एचटीटी-40 का स्वदेशी निर्माण किया है। इसकी सीरियल प्रोडक्शन का विमान भी वायुसेना को सौंपा गया। इसमें मॉडर्न एविएशन सिस्टम एंड सेफ्टी फीचर सुविधाएं शामिल हैं, जो प्रशिक्षण की जरूरतों के अनुरूप हैं। इसके स्वदेशी निर्माण से बेसिक एयरक्राफ्ट ट्रेनिंग के क्षेत्र में विदेशी निर्भरता कम करने में मदद मिलेगी। अपने आधुनिक सुविधाओं के कारण एचटीटी-40 में निर्यात की संभावनाएं भी हैं। पहली बार समुद्र में तेल और गैस संबंधी अभियानों के लिए तेल और प्राकृतिक गैस निगम द्वारा स्वदेशी हेलीकॉप्टर का इस्तेमाल किया जाएगा।

तेजी से बदल रहा युद्ध का स्वरूप: सिंह

स्वदेशी इंजन के सफल एकीकरण से भारत की नागरिक एयरोस्पेस क्षमता को और मजबूती मिली है। केंद्रीय रक्षा मंत्री ने कहा कि हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड को इसतरह के संगठन के रूप में विकसित करना होगा जो डिजाइन, विकास, निर्माण, सर्टिफिकेशन, पूरे सेवा-काल के दौरान सहायता और ग्लोबल मार्केटिंग जैसे सभी क्षेत्रों में विश्वस्तरीय क्षमता का प्रदर्शन करे।

सेमीकॉन इंडिया 2026 कॉन्फ्रेंस में 56 एमओयू, घोषणाएं और रणनीतिक पहल हुई

● सेमीकंडक्टर क्षेत्र में भारत ने निवेश और तकनीकी साझेदारी के लिए बड़ा मंच दिया

नई दिल्ली,, एजेंसी। सेमीकंडक्टर के क्षेत्र में भारत की सबसे बड़ी कॉन्फ्रेंस सेमीकॉन इंडिया 2026 ने निवेश और तकनीकी साझेदारी के लिए बड़ा मंच दिया। इस इवेंट में 600 से ज्यादा प्रदर्शक, करीब 300 अंतरराष्ट्रीय कंपनियां और 52 देशों ने भागीदारी की। इस दौरान डिजाइन, मैन्युफैक्चरिंग और रिसर्च से जुड़े 56 एमओयू, घोषणाएं और रणनीतिक पहल हुईं। सरकारी बयान के मुताबिक भारत की इस पांचवीं फ्लैगशिप सेमीकंडक्टर कॉन्फ्रेंस ने घरेलू सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम के विकास में एक और कदम बढ़ाया है।

इस बार 6 देशो के पवेलियन लगाए गए थे, जिनमें जापान, दक्षिण कोरिया, मलेशिया, नीदरलैंड, सिंगापुर और स्वीडन शामिल थे। इसके साथ ही 12 राज्यों के पवेलियन, एक स्टार्टअप पवेलियन, वर्कफोर्स डेवलपमेंट जोन, इनोवेशन शोकेस और स्टूडेंट हैकाथॉन भी आयोजित किया गया। इनमें सेमीकंडक्टर वैल्यू चेन के अलग-अलग पहलुओं को दिखाया गया। इस इवेंट के लिए कुल 51,656 रजिस्ट्रेशन हुए और करीब 40,000 लोगों ने इसमें भाग लिया। पीएम मोदी ने सेमीकॉन इंडिया 2026 का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि भारत अब पॉलिसी पर चर्चा और प्रोजेक्ट प्लानिंग से आगे बढ़कर कमर्शियल सेमीकंडक्टर प्रोडक्शन के दौर में पहुंच गया है।

पीएम मोदी ने सेमीकॉन 2.0 की रूपरेखा भी बताई। इसका मकसद सेमीकंडक्टर वैल्यू चेन में हर स्तर पर क्षमता विकसित करना है। सेमीकॉन 2.0 के लिए 1,27,500 करोड़ रुपए का बजट रखा है और इसे 6 पिलर्स पर बनाया गया है, जिनमें डिजाइन, मशीन और मटेरियल, नई फैब्स, एडवांस्ड पैकेजिंग, रिसर्च और टैलेंट डेवलपमेंट शामिल हैं। तीन दिन तक चले इस इवेंट में 56 एमओयू और घोषणाएं हुईं, जो सेमीकंडक्टर डिजाइन, फैब्रिकेशन, एडवांस्ड पैकेजिंग, उपकरण और सामग्री, पावर इलेक्ट्रॉनिक्स, एआई, हाई-परफॉर्मेंस कंप्यूटिंग, आर एंड डी, लॉजिस्टिक्स, टेक्नोलॉजी कमर्शियलाइजेशन, स्किलिंग और वर्कफोर्स डेवलपमेंट से जुड़ी हैं। इस दौरान सेमीकंडक्टर निमार्ताओं, उपकरण कंपनियों, डिजाइन फर्मों, शिक्षण संस्थानों और स्किलिंग संगठनों के बीच सहयोग और निवेश योजनाओं की बड़ी घोषणाएं भी की गईं।

संक्षिप्त समाचार

बिहार में 1400 करोड़ के टेंडर में घोटाले का आरोप, तीन बार बदली नियम-शर्तें

पटना, एजेंसी। बिहार में करीब 1400 करोड़ रुपए के एक बड़े टेंडर को लेकर अनियमितता के आरोप सामने आए हैं। आरोप है, टेंडर प्रक्रिया के दौरान नियम और शर्तों में तीन बार बदलाव किया गया। इससे प्रक्रिया की पारदर्शिता और निष्पक्षता पर सवाल उठ रहे हैं। शिकायतकताओं का कहना है, बार-बार शर्तें बदलने से एक चुनिंदा कंपनी को फायदा पहुंचाने की संभावना बनी है. अन्य संभावित बोलीदाताओं के लिए प्रतिस्पर्धा प्रभावित हुई है। मामले में टेंडर की पूरी प्रक्रिया, नियमों में किए गए बदलाव और उनके आधार की जांच की मांग की गई है। सवाल यह भी उठ रहा है कि इतनी बड़ी राशि के टेंडर में शर्तों में बदलाव की जरूरत क्यों पड़ी.प्रत्येक संशोधन को किस स्तर पर मंजूरी दी गई। संबंधित विभाग से दस्तावेज सार्वजनिक कर स्थिति स्पष्ट करने की मांग की गई है। आरोपों की स्वतंत्र जांच के बाद ही स्पष्ट होगा, नियमों का उल्लंघन हुआ या नहीं।

डूसू चुनाव में एबीवीपी की शानदार जीत पर गृह मंत्री अमित शाह ने दी बधाई

नई दिल्ली,, एजेंसी। दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ चुनाव में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के शानदार प्रदर्शन पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बधाई देते हुए इसे देश के युवाओं के मिजाज का स्पष्ट प्रतिबिंब बताया है। उन्होंने कहा कि यह जनादेश उन ताकतों के लिए कड़ा संदेश है जो युवाओं को विघटनकारी एजेंडे की प्रयोगशाला बनाना चाहते हैं। गृह मंत्री ने एक्स पर लिखा कि दिल्ली विश्वविद्यालय केवल एक शिक्षण संस्थान नहीं है, बल्कि यहां देश के कोने-कोने से छात्र पढ़ने आते हैं। ऐसे में डीयू का यह जनादेश पूरे भारत के युवाओं की सोच और प्राथमिकताओं को दशार्ता है। अमित शाह ने कहा कि एबीवीपी को मिली शानदार जीत उन राष्ट्र विरोधी ताकतों के लिए स्पष्ट संदेश है। देश का युवा आज राष्ट्र प्रथम की विचारधारा के साथ मजबूती से खड़ा है और यही इस जनादेश का सबसे बड़ा संदेश है। बता दें दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ चुनाव में एबीवीपी ने चार में से तीन पदों अध्यक्ष, सचिव और संयुक्त सचिव पर जीत हासिल की है। वहीं, उपाध्यक्ष पद पर एक निर्दलीय उम्मीदवार ने जीत दर्ज की, जबकि छात्र संगठन एनएसयूआई का खाता भी नहीं खुल सका।

आपकी सतर्कता, कर्तव्यनिष्ठा और समर्पण से रेल यात्रा सुरक्षित एवं निर्बाध रहती है

आरपीएफ के स्थापना दिवस पर केंद्रीय मंत्री गडकरी समेत कई मुख्यमंत्रियों ने दी बधाई

नई दिल्ली,, एजेंसी। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) की स्थापना दिवस के अवसर पर केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी समेत कई नेताओं ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने सोशल मीडिया पर लिखा- रेल यात्रा को सुगम व सुरक्षित बनाने के लिए प्रतिबद्ध आरपीएफ के जवानों को रेलवे सुरक्षा बल के स्थापना दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। वहीं यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा गया, राष्ट्र की जीवन रेखा भारतीय रेल एवं करोड़ों यात्रियों की सुरक्षा में रेलवे सुरक्षा बल के स्थापना दिवस पर सभी वीर जवानों और उनके परिजनों को हार्दिक बधाई। यशो लभस्व सूत्रवाक्य आपकी सत्यनिष्ठा, अटूट समर्पण व कर्तव्यपरायणता का प्रतीक है। हमें आप पर गर्व है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक हरियाणा के सीएम नायब सैनी ने एक्स पर लिखा- रेलवे सुरक्षा बल के स्थापना दिवस पर देश की रेल सुरक्षा में समर्पित सभी वीर जवानों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। आपकी सतर्कता, कर्तव्यनिष्ठा और समर्पण के कारण देशवासियों की रेल यात्रा सुरक्षित एवं निर्बाध रहती है। राष्ट्रसेवा के प्रति आपके समर्पण को नमन। दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता ने लिखा- रेलवे सुरक्षा बल के स्थापना दिवस पर आरपीएफ के सभी जवानों और उनके परिवारजनों को हार्दिक शुभकामनाएं। करोड़ों रेल यात्रियों की सुरक्षा हो, संकट में किसी यात्री की सहायता हो या रेलवे संपत्तियों की रक्षा, आरपीएफ के हमारे जवान सदैव सेवा और कर्तव्य की भावना से तत्पर रहते हैं। आपकी सजगता, साहस और सेवाभाव सुरक्षित रेल यात्रा के प्रति देश के विश्वास को और मजबूत करते हैं।

राजस्थान के सीएम भजनलाल शर्मा ने पोस्ट कर लिखा-अविचल दृढ़ता, निरंतर सतर्कता और सतत प्रयास से भारतीय रेल यात्रा को सुगम व सुरक्षित बनाने में तत्पर रेलवे सुरक्षा बल के स्थापना दिवस की हार्दिक बधाई! रेलवे की सुरक्षा एवं यात्रियों की सेवा में आरपीएफ जवानों का समर्पण, साहस और कर्तव्यनिष्ठा सराहनीय है। आपकी सजगता और प्रतिबद्धता भारतीय रेल को सुरक्षित एवं सुदृढ़ बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। बिहार सरकार में मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने एक्स पर लिखा- देश के सबसे बड़े यातायात माध्यम रेलवे में यात्रियों की सुरक्षा, सेवा और विश्वास को निरंतर सुदृढ़ करने वाले रेलवे सुरक्षा बल के सभी वीर जवानों एवं कर्मियों को स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। राष्ट्रसेवा, कर्तव्यनिष्ठा और समर्पण के साथ रेलवे की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने में आपका योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण है। आप सभी के साहस, सतर्कता और समर्पण को सादर नमन। बता दें हर साल 20 सितंबर को रेलवे सुरक्षा बल का स्थापना दिवस मनाया जाता है। 20 सितंबर, 1985 को संसद ने आरपीएफ अधिनियम में संशोधन करके इसे संघ के एक सशस्त्र बल का दर्जा दिया था।

एसआईआर में मतदाताओं के नाम हटाना बड़े पैमाने की 'शाह इंस्टीगेटेड रिमूवल'

● जयराम रमेश ने लगाए आरोप कहा- इस तरह की प्रक्रिया 'संविधान पर हमला'

नई दिल्ली,, एजेंसी। कांग्रेस ने रविवार को निर्वाचन आयोग द्वारा एसआईआर के दौरान बड़े पैमाने पर नाम हटाए जाने का मुद्दा उठाया और आरोप लगाया कि एसआईआर वास्तव में मतदाताओं के नाम हटाने की एक बड़े पैमाने की 'शाह इंस्टीगेटेड रिमूवल' यानी शाह के इशारे पर मतदाताओं के नाम हटाने की प्रक्रिया और 'संविधान पर हमला' है। कांग्रेस ने कहा कि इस बात के पर्याप्त सबूत हैं कि कई राज्यों में बड़े पैमाने पर हटाए गए नामों में सबसे ज्यादा संख्या समाज के आर्थिक और सामाजिक रूप से सबसे कमजोर और वंचित वर्गों से आने वाले मतदाताओं की है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग ने जून 2025 में बिहार में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण की पहले चरण की प्रक्रिया शुरू की थी। इसके बाद नवंबर 2025 में नौ राज्यों और तीन केंद्र शासित प्रदेशों में दूसरा चरण शुरू किया गया। रमेश ने कहा कि चरण-1 और चरण-2 में 7.8 करोड़ मतदाताओं के नाम हटा दिए गए। उन्होंने कहा कि एसआईआर से पहले की मतदाता सूची में दर्ज कुल नामों में से 13 फीसदी नाम हटा दिए गए हैं। रमेश ने कहा कि तीसरे चरण की शुरूआत 2026 के मध्य में 16 राज्यों और तीन केंद्र शासित प्रदेशों में हुई। उन्होंने बताया कि तीसरे चरण में अब तक 12 राज्यों और दो केंद्र शासित प्रदेशों के उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक कुल 36.06 करोड़ मतदाताओं में से 6.18 करोड़ के नाम हटा दिए गए हैं।

रमेश ने कहा कि नाम हटाए जाने की दर 17 प्रतिशत से अधिक है। इसके अलावा 5.43 करोड़ मतदाताओं को अतिरिक्त दस्तावेज पेश करने के लिए नोटिस जारी किए हैं, ताकि मतदाता सूची में उनके नाम बरकरार रखे जा सकें। इससे नाम हटाए जाने का जोखिम और 15 फीसदी बढ़ जाता है। यह असामान्य रूप से बड़ा अनुपात है, जो पूरी एसआईआर प्रक्रिया में संरचनात्मक खामियों को दशार्ता है। उन्होंने सवाल किया कि इतने बड़े पैमाने पर नाम हटाए जाने के बाद भी इतने ज्यादा मतदाताओं को अपने नाम ह्यह्यसत्यापितह्लह्ल कराने की जरूरत कैसे पड़ रही है।

सुरक्षा बलों ने छह को हिरासत में लिया, ग्रामीणों ने किया हिंसक प्रदर्शन

● प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने छोड़े आंसू गैस के गोले, कई घायल

इम्फाल,, एजेंसी। मणिपुर के कांगपोकपी जिले में सुरक्षा बलों ने छह ग्रामीणों को हिरासत में लिए जाने के विरोध में कुकी समुदाय के कुछ लोगों ने हिंसक प्रदर्शन किया। अधिकारियों ने रविवार को बताया कि शनिवार रात मोटबुंग और आसपास के इलाकों में शुरू हुआ यह प्रदर्शन आधी रात तक जारी रहा। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने सड़कों पर टायर जलाए और सरकारी वाहनों पर पथराव किया। प्रदर्शनकारियों ने दावा किया कि खोलेन के छह ग्रामीणों को सुरक्षा बलों ने बिना कोई कारण बताए हिरासत में लिया है। जिले में नगा बहुल चावांगकिंग गांव के पास स्थित खोलेन गांव पर हाल में सशस्त्र उपद्रवियों ने हमला किया था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अधिकारियों ने बताया कि प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए सुरक्षा बलों ने आंसू गैस के गोले दागे। प्रदर्शनकारियों ने सुरक्षा बलों के वाहनों की आवाजाही रोकने के लिए भारी निर्माण उपकरणों का इस्तेमाल कर मोटबुंग में राष्ट्रीय राजमार्ग-2 के कुछ हिस्सों को भी खोद दिया। उन्होंने बताया कि प्रदर्शन के दौरान कुछ प्रदर्शनकारियों को चोटें आईं और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि हिरासत में लिए गए ग्रामीणों को बाद में सुरक्षा बलों ने रिहा कर दिया, जिसके बाद प्रदर्शन खत्म हुआ। उन्होंने बताया कि स्थिति अब नियंत्रण में है।

लद्दाख में वांगचुक का लॉन्ग मार्च और विरोध रैली का कार्यक्रम में बदलाव

नई दिल्ली,, एजेंसी। लद्दाख के संयुक्त नेतृत्व ने कारगिल में रविवार को होने वाले प्रस्तावित लॉन्ग मार्च और विरोध रैली का कार्यक्रम बदलने की घोषणा की है। कारगिल डेमोक्रेटिक अलायंस (केडीए) और लेह एपेक्स बॉडी (एलएबी) ने केंद्र सरकार के साथ बातचीत में हालिया प्रगति और खराब मौसम के कारण शुरूआती कार्यक्रम को रद्द करने का फैसला किया है। नए कार्यक्रम के मुताबिक कारगिल में 23 सितंबर को शांतिपूर्ण विरोध रैली निकाली जाएगी। 24 सितंबर को शहीद दिवस से जुड़े अन्य कार्यक्रम होंगे।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक केडीए के सह-अध्यक्ष सज्जाद कारगिली ने बताया कि मार्च को इसलिए टाल दिया गया क्योंकि गृह मंत्रालय ने आधिकारिक तौर पर अक्टूबर 2026 के पहले सप्ताह में कारगिल में संरचनात्मक बातचीत का अगला दौर तय किया है। सरकार ने नेताओं को भरोसा दिलाया है कि वह एक ड्राफ्ट साझा करेगी जिसमें अनुच्छेद 371के जैसे प्रावधान शामिल होंगे, ताकि लद्दाख को जमीन, संसाधनों और संस्कृति पर प्रशासनिक नियंत्रण वाली विधानसभा मिल सके। सोनम वांगचुक ने भी ऊंचे पहाड़ों में खराब मौसम और रात के तापमान में गिरावट के कारण अपनी प्रस्तावित लंबी पदयात्रा छोड़ दी है।

रविवार के सड़क कार्यक्रमों के बजाय, संयुक्त नेतृत्व ने कार्यक्रम को 2 बड़े यादगार कार्यक्रमों में बदल दिया है। 23 सितंबर को 20 किलोमीटर की सांकेतिक मार्च और रैली और 24 सितंबर को एक सार्वजनिक रैली जिसमें पिछले साल की हिंसा में मारे गए लोगों की बरसी मनाई जाएगी। 23 सितंबर को सोनम वांगचुक लेह में मार्च का नेतृत्व करेंगे, जबकि केडीए उसी समय कारगिल में अपनी बड़ी सार्वजनिक रैली करेगा। 24 सितंबर को पूरे लद्दाख केंद्र शासित प्रदेश में शहीद दिवस मनाया जाएगा, जिसमें लेह और कारगिल दोनों उप-मंडल औपचारिक रूप से श्रद्धांजलि देंगे।

यह दिन 24 सितंबर 2025 की दुखद हिंसा के एक साल पूरे होने का प्रतीक है, जिसमें पुलिस फायरिंग में चार युवा प्रदर्शनकारियों की जान चली गई थी। नेताओं ने कहा कि आंदोलन का मुख्य उद्देश्य लद्दाख के लिए पूर्ण राज्य का दर्जा हासिल करना, भारतीय संविधान की छठी अनुसूची में शामिल होना और पिछले साल के पीड़ितों के लिए न्यायिक जवाबदेही और उचित मुआवजा मांगना है।

छह महीनों में पहली बार टूटा सन्नाटा, होर्मुज से दो हफ्तों में हजारों कार्गो जहाज निकले

एक अरब बैरल से ज्यादा कच्चा तेल दुनिया के कोनों-कोनों तक बिना रुकावट पहुंचा

तेहरान,, एजेंसी। दुनिया भर के ऊर्जा बाजारों में कच्चे तेल की आपूर्ति को लेकर हाहाकार मचा है, दुनिया के सबसे रणनीतिक समुद्री मार्ग होर्मुज से बड़ी खुशखबरी मिली है। पिछले छह महीनों में पहली बार यहां सन्नाटा टूटा और कच्चे तेल, भारी कार्गो और एलएनजी जहाजों की अब तक की सबसे बड़ी आवाजाही हुई। अमेरिकी सेना के सेंट्रल कमांड ने बयान जारी कर बताया कि पिछले दो हफ्तों में कड़ी सुरक्षा के बीच दो हजार से ज्यादा कार्गो जहाज सुरक्षित तरीके से इस रास्ते से गुजरे हैं। इन जहाजों के जरिए पिछले कुछ महीनों में एक अरब बैरल से भी ज्यादा कच्चा तेल दुनिया के कोनों-कोनों तक बिना किसी रुकावट के पहुंचा।

यह खबर ठीक उस घटना के एक दिन बाद सामने आई है जब ईरान ने होर्मुज से गुजरने की कोशिश कर रहे टोगो का झंडा लगे एक तेल टैंकर ट्रेंड पर हमला कर दिया था यह आरोप लगाते हुए कि जहाज बिना इजाजत अवैध तरीके से होर्मुज पार करने की कोशिश कर रहा था। अमेरिकी सेंट्रल कमांड के प्रमुख एडमिरल ब्रैड कूपर ने बताया कि अमेरिकी नौसेना और उनके सहयोगी देशों ने एक मजबूत सुरक्षा रणनीति बनाई है, जिसके तहत बड़े व्यापारिक जहाजों को सुरक्षित एस्कॉर्ट दिया जा रहा है।

अमेरिकी सेना ने इस बात की भी पुष्टि की है कि होर्मुज के मुख्य समुद्री रास्तों को बिछाई गई समुद्री बारूदी सुरंगों से पूरी तरह साफ कर दिया है, जिससे जहाजों की आवाजाही अब बिल्कुल सुरक्षित हो गई है। इसके साथ ही अमेरिका ने यह भी दावा किया कि सख्त आर्थिक प्रतिबंधों की वजह से ईरान अपने कच्चे तेल का एक बैरल भी बाहर निर्यात नहीं कर पाया है यानी एक तरफ जहां दुनिया भर के कार्गो जहाज आसानी से तेल लेकर निकल रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ पाबंदियों के कारण ईरान का तेल व्यापार पूरी तरह से ठप पड़ा है।

कूपर ने बताया कि वे सभी पार्टनर देशों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं और गल्फ देशों की एयर डिफेंस सिस्टम को मजबूत किया गया है। इसके अलावा एक बिल्कुल नई कोलिशन अटैक ड्रोन यूनिट बनाई गई है, जो हवा से समुद्र में होने वाली हर हलचल पर नजर रखेगी, ताकि किसी भी हमले का तुरंत जवाब दिया जा सके और होर्मुज और आसपास के सभी समुद्री इलाकों को खुला और सुरक्षित रखा जा सके।

सब अलग-अलग लड़े, अगर एक साथ लड़े होते तो भारी बहुमत से जीत होती

डीयूएसयू चुनाव में एबीवीपी की जीत पर कांग्रेस नेता शुक्ला ने कही सही बात

नई दिल्ली,, एजेंसी। दिल्ली यूनिवर्सिटी के छात्रसंघ चुनाव में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की जीत से एक ओर जहां बीजेपी गदगद हैं तो वहीं कांग्रेस को झटका लगा है। वहीं कांग्रेस नेता और राज्यसभा सांसद राजीव शुक्ला ने बताया कि कैसे इंडिया गठबंधन की जीत हो सकती थी। राजीव शुक्ला ने रविवार को एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि एक बात तो सही है कि दिल्ली विश्वविद्यालय चुनाव में सब अलग-अलग लड़े अगर एक साथ लड़े होते तो जीत भारी बहुमत से इंडिया गठबंधन की होती। बता दें एबीवीपी ने अध्यक्ष समेत तीन पदों पर जीत हासिल की है. वहीं उपाध्यक्ष पद पर निर्दलीय दीपांशु शौकीन जीते हैं जिन्हें एनएसयूआई ने टिकट नहीं दिया था।

बता दें दिल्ली छात्रसंघ चुनाव में शुक्रवार को 40.46 फीसदी मतदान हुआ था। चुनाव में आरएसएस समर्थित अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद और भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) के बीच मुख्य मुकाबला था। भारतीय राजनीति की नर्सरी कहे जाने वाले दिल्ली यूनिवर्सिटी के छात्र संघ चुनाव पर हमेशा से सबकी निगाहें रही हैं। छात्रसंघ चुनाव इस बार इसलिए भी खास था, क्योंकि ये जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन के बाद हो रहा था।

चुनाव के दौरान ही सत्य निकेतन में पीजी गिरने का मामला भी खूब सुर्खियों में रहा था, जिसमें कई बच्चों की मौत हुई थी। एबीवीपी की जीत पर जेपी नड्डा ने राहुल गांधी के छात्रों की गूंज को लेकर चुटकी ली। उन्होंने कहा कि गूंज तो नहीं सुनाई दी लेकिन धमाका जरूर सुना। ऐसे में राजीव शुक्ला के बयान से साफ है कि विपक्षी पार्टियों के छात्र संगठनों को अलग-अलग चुनाव लड़ने के कारण भी हार का सामना करना पड़ा। शुक्ला कांग्रेस से राज्यसभा सांसद हैं। इसके अलावा वह शुरू से ही खेलों खासकर क्रिकेट में सक्रिय रहे हैं। वर्तमान में शुक्ला बीसीसीआई के उपाध्यक्ष और एशियन क्रिकेट काउंसिल के डायरेक्टर पद पर हैं।

इंजीनियर्स भवन, नई दिल्ली में 59वाँ अभियंता दिवस समारोह सम्पन्न

» मदरलैंड संवाददाता

नई दिल्ली। इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया), दिल्ली स्टेट सेंटर द्वारा इंजीनियर्स भवन, नई दिल्ली में 59वाँ अभियंता दिवस समारोह उत्साह एवं गरिमापूर्ण वातावरण में आयोजित किया गया। यह दिवस भारत रत्न डॉ. सर एम. विश्वेश्वरैया की जयंती के उपलक्ष्य में मनाया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर प्रतिष्ठित अभियंताओं एवं तकनीकी विशेषज्ञों द्वारा संबोधन दिया गया तथा व्यावसायिक उत्कृष्टता, तकनीकी नेतृत्व, आईईआई के साथ दीर्घकालीन जुड़ाव, संस्थागत सहयोग एवं शैक्षणिक उपलब्धियों के लिए विभिन्न पुरस्कार प्रदान किए गए।

इस वर्ष समारोह का विषय ह्लसतत एवं तकनीकी रूप से आत्मनिर्भर भारत के लिए इंजीनियरिंग उत्कृष्टताह्व रहा, जिसमें नवाचार, सतत विकास, तकनीकी आत्मनिर्भरता तथा राष्ट्र निर्माण में अभियंताओं की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया गया।

कार्यक्रम में द इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया) के अध्यक्ष मनीष एम. कोठारी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उनके साथ आईईआई के पूर्व अध्यक्ष श्री ओ. पी. गोयल, आईईआईझ्रदिल्ली स्टेट सेंटर के अध्यक्ष श्री सत पाल सिंह, आईईआई के परिषद सदस्य तथा अन्य गणमान्य अतिथियों ने समारोह की गरिमा बढ़ाई।

समारोह ने इंजीनियरिंग उत्कृष्टता, व्यावसायिक नैतिकता, नवाचार, सतत विकास एवं समाज की सेवा के प्रति आई ई आई दिल्ली स्टेट सेंटर द्वारा एमिनेंट इंजीनियरिंग अवार्ड इंजीनियरिंग के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले इंजीनियर शलभ गोयल मैनेजिंग डायरेक्टर एनसीआरटीसी, परमीत गर्ग डायरेक्टर बिजनेस डेवलपमेंट दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन, मोहम्मद रिहान डायरेक्टर जनरल नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ सोलर एनर्जी, डॉ चंदन घोष प्रॉमिनेंट सिविल इंजीनियर प्रोफेसर एंड हेड रेसिलियंट इंफ्रास्ट्रक्चर एट नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ डिजास्टर मैनेजमेंट मिनिस्ट्री ऑफ होम अफेयर्स गवर्नमेंट ऑफ इंडिया को सम्मानित किया गया। इसके अलावा लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड, लॉन्ग संगठन अवार्ड और ए एम आई इ सेक्शन बी में अधिकतम अंक प्राप्त करने वाले तीन विद्यार्थियों को श्रीमती बाला गुलशन टंडन अवार्ड देने के साथ इंस्टिट्यूशन इंजीनियर की प्रतिबद्धता को पुनः पुष्ट किया। साथ ही, इंजीनियरिंग समुदाय को एक सुदृढ़, सक्षम एवं तकनीकी रूप से आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में सक्रिय योगदान देने के लिए प्रेरित किया गया। दिल्ली स्टेट सेंटर के अध्यक्ष इंजीनियर सत पाल सिंह जी ने उन सभी उपस्थित जन को इंस्टिट्यूशन के मेंबर बनने का आग्रह किया जो अभी तक मेंबर नहीं बने हैं।

समारोह, वंदे मातरम और जन गण मन के गायन के बाद समाप्त हुआ।

सेवा संकल्प अभियान के तहत हरियाणा खेल विश्वविद्यालय में 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम एवं वृक्षारोपण अभियान आयोजित

» मदरलैंड संवाददाता

नई दिल्ली। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत हरियाणा खेल विश्वविद्यालय में गुरुवार की संध्या को ह्यआशीर्वाद का दीयाह्न कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं सहित समस्त शिक्षण, कोचिंग एवं प्रशासनिक स्टाफ ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम में सहभागिता की। कार्यक्रम का उद्देश्य सेवा, समर्पण, राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारी एवं सकारात्मक संकल्प की भावना को सुदृढ़ करना रहा।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति श्री अशोक कुमार (पूर्व आईपीएस) ने भारत की आंतरिक सुरक्षा में हुए महत्वपूर्ण सुधारों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में भारत ने अपनी आंतरिक सुरक्षा को काफी मजबूत बनाया है और नक्सलवाद जैसी चुनौती से निपटने में उल्लेखनीय प्रगति की है। उन्होंने कहा कि देश ने आंतरिक सुरक्षा के साथ-साथ इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय प्रगति की है। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में राष्ट्र विकसित भारत बनने की दिशा में निरंतर अग्रसर है।

कुलपति महोदय ने कहा कि भारत की आंतरिक सुरक्षा को सुदृढ़ बनाने की दिशा में माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में किए गए प्रयासों का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के जन्मदिवस के अवसर पर आयोजित 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम सेवा, समर्पण और राष्ट्र निर्माण के संकल्प को आगे बढ़ाने का अवसर है। कार्यक्रम के क्रम में विश्वविद्यालय परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया, जिसमें विश्वविद्यालय के अधिकारियों, स्टाफ एवं विद्यार्थियों ने सहभागिता की। इस पहल के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण, हरित परिसर के विकास तथा प्रकृति के प्रति सामूहिक जिम्मेदारी का संदेश दिया गया।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति श्री अशोक कुमार, कुलसचिव श्री जसविंदर सिंह के अलावा समस्त शिक्षण, कोचिंग एवं प्रशासनिक स्टाफ तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम ने विश्वविद्यालय परिवार में एकता, सहभागिता, सेवा भावना एवं राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारी के संकल्प को और मजबूत किया।

संक्षिप्त समाचार

एलिवेटेड रोड पर दर्दनाक हादसे में शिक्षक की मौत

मदरलैंड संवाददाता, गाजियाबाद । एलिवेटेड रोड पर एक दर्दनाक सड़क हादसे में शिक्षक की जान चली गई। मृतक की पहचान 35 वर्षीय नितिन निर्वाण के रूप में हुई है, जो दिल्ली के कोंडली क्षेत्र के रहने वाले थे। नितिन निर्वाण गाजियाबाद के संजयनगर स्थित भागीरथ स्कूल में शिक्षक के पद पर कार्यरत थे। शुक्रवार सुबह वह अपने घर से स्कूल में पढ़ाने के लिए निकले थे। जब वह एलिवेटेड रोड से गुजर रहे थे, उसी दौरान एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगने के बाद नितिन सड़क पर गंभीर रूप से घायल होकर गिर पड़े। वहां से गुजर रहे राहगीरों ने तुरंत उन्हें एंबुलेंस की मदद से नजदीकी जिला अस्पताल पहुंचाया। हालांकि, अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इस दुखद घटना के बाद मृतक शिक्षक की पत्नी ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है और टक्कर मारकर भागने वाले अज्ञात वाहन व चालक की तलाश शुरू कर दी है।

मोहित पंत की पारी ने टीम डिफेंडर को जीत दिलाई

मदरलैंड संवाददाता, गाजियाबाद । राजनगर एक्सटेंशन के गिरिराज क्रिकेट ग्राउंड पर खेली जा रही पीपीएल सीजन 1 के लीग मैच में टीम डिफेंडर का मुकाबला टीम इन्विंसिबल से हुआ। टीम डिफेंडर ने मैच 32 रन से जीत लिया। मैच में टॉस जीतकर टीम डिफेंडर ने पहले बल्लेबाजी की व मोहित पंत की 59 गेंद पर 98 रन की पारी की मदद से 20 ओवर में 5 विकेट पर 240 रन बनाए। मोहित पंत ने 13 चौके व 3 छक्के लगाए। अब्दुल ने 18 गेंद पर 4 चौकों व 5 छक्कों की मदद से 52 रन व मोहित पंडित ने 28 गेंद पर 4 चौकों व 4 छक्कों की मदद से 48 रन की पारी खेली। चेतन खुराना ने 4 ओवर में 34 रन देकर 2 विकेट लिए। टीम इन्विंसिबल 241 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 3 गेंद पहले 19.3 ओवर में 208 रन बनाकर आउट हो गई। मनीष सिंह ने 18 गेंद पर 2 चौकों प 5 छक्कों की मदद से 46 रन बनाए। कप्तान कादियान ने 17 गेंद पर 5 चौकों व 1 छक्के की मदद से 32 रन बनाए। मनमोहन ने 19 व सुशांत ने 18 रन का योगदान दिया। सौरभ पुनिया ने 3 ओवर में 20 रन देकर व कप्तान दिलीप ने 3०3 ओवर में 32 रन देकर 3-3 विकेट लिए। अंशुल त्शगी ने 3 ओवर में 15 रन देकर 2 बल्लेबाजों को आउट किया। प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार मोहित पंत को दिया गया।

किशनगढ़ में 17वीं श्री वसंत रामलीला का भव्य भूमि पूजन कार्यक्रम विधि विधान से संपन्न

» मदरलैंड संवाददाता

नई दिल्ली। किशनगढ़, महरौली में श्री वसंत रामलीला प्रबंधक कमेटी, किशनगढ़ महरौली द्वारा आयोजित होने वाली 17वीं श्री रामलीला के पावन आयोजन का शुभारंभ बाबा लटूरिया मंदिर प्रांगण में विधिवत भूमि पूजन एवं हवन के साथ किया गया। इस रामलीला का आयोजन प्रत्येक वर्ष निगम पार्षद जगमोहन महलावत के अथक प्रयास से किया जाता है। भूमि पूजन समारोह में क्षेत्र के सैकड़ों रामभक्तों, वरिष्ठ एवं सम्मानित नागरिकों, जनप्रतिनिधियों तथा गणमान्य लोगों ने उपस्थित होकर भगवान श्रीराम का आशीर्वाद प्राप्त किया और रामलीला के सफल एवं भव्य आयोजन की मंगलकामना की। कार्यक्रम में उपस्थित श्रद्धालुओं ने पूरे भक्तिभाव एवं उत्साह के साथ पूजा-अर्चना में भाग लिया। इस अवसर पर श्री वसंत रामलीला प्रबंधक कमेटी के प्रधान श्री नरेंद्र देशवाल जी, चौधरी करण सिंह जी सहित कमेटी के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने सभी अतिथियों और रामभक्तों का स्वागत किया। इस अवसर पर उपस्थित गणमान्य लोगों में चौधरी जागे राम, चौधरी फूल सिंह, चौधरी सुरेंद्र सहरावत, चौधरी रणधीर सिंह, चौधरी राज सिंह देशवाल, चौधरी राजपाल, चौधरी रमेश, चौधरी जगदीश, चौधरी महेंद्र, धामी पहलवान, नरेंद्र चौधरी, ईश्वर यादव सतबीर मलिक, फतेह भाई, सुरेंद्र सनसनवाल, वेद प्रकाश के अलावा वसंत कुंज फ्हअ आवासीय समिति के पदाधिकारी, लाडो सराय, कटवारिया सराय, बेर सराय, मेहरौली, किशनगढ़, रजोकरी मसूदपुर, मसूदपुर डेरी, महिपालपुर, रंगपुरी के गणमान्य लोग भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में आने वाले सभी श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद की विशेष व्यवस्था की गई। कमेटी के पदाधिकारियों ने कहा कि रामलीला केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि भगवान श्रीराम के आदर्शों, मयार्दा, सत्य, त्याग और संस्कारों को समाज की नई पीढ़ी तक पहुंचाने का माध्यम है। 17वीं रामलीला के माध्यम से क्षेत्रवासियों को प्रभु श्रीराम के जीवन एवं आदर्शों से प्रेरणा लेने का अवसर मिलेगा। समारोह के अंत में सभी उपस्थित रामभक्तों एवं गणमान्य अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए कमेटी ने आगामी रामलीला कार्यक्रमों में भी इसी प्रकार सहयोग और सहभागिता बनाए रखने का आह्वान किया।

वकील और बेजुबान बंदर की दोस्ती बनी मिसाल : सात सालों से है बरकरार

» मदरलैंड संवाददाता

गाजियाबाद। महानगर की कचहरी में जहां हर दिन मुकदमों, तारीखों और कानूनी दांव-पेच की सरगर्मी रहती है, वहीं इसी परिसर में इंसान और बेजुबान जानवर के बीच एक भावुक और अनोखा रिश्ता देखने को मिल रहा है। यह रिश्ता पिछले सात वर्षों से बना हुआ है, जो इंसानी संवेदना और पशु प्रेम की एक मिसाल बनकर उभरा है। गाजियाबाद कोर्ट में वरिष्ठ अधिवक्ता महेश यादव पिछले लगभग 30 वर्षों से वकालत के पेशे में हैं। वह पूर्व में सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता भी रह चुके हैं और वर्तमान में परिवार परामर्श मध्यस्थता केंद्र के माध्यम से पारिवारिक विवादों को सुलझाने का कार्य कर रहे हैं। अपनी इस व्यस्त दिनचर्या के बावजूद वह रोजाना कचहरी में अपने एक खास मेहमान का इंतजार करते हैं। महेश यादव के चैंबर में हर दिन एक बंदर आता है। बंदर के चैंबर में पहुंचते ही महेश यादव को उसके आने का अहसास हो जाता है। बंदर कभी उनकी मेज पर आकर बैठ जाता है और चुपचाप रोटी मिलने की राह देखता है, तो कभी खुद ही उनकी जेब की ओर हाथ बढ़ाकर रोटी ढूंढने की कोशिश करता है। महेश यादव उसे भगाने या डांटने के बजाय बेहद प्यार और दुलार के साथ रोटी देते हैं। बंदर भी बड़ी शांति से रोटी लेकर चला जाता है। दोनों के बीच का लगाव इतना बढ़ चुका है कि जिस दिन किसी कारणवश महेश यादव कचहरी नहीं आ पाते, उस दिन बंदर उनके बंद चैंबर के आसपास ही चक्कर काटता रहता है। इसके बाद अगले दिन जैसे ही अधिवक्ता अपने चैंबर पहुंचते हैं, वह तुरंत आकर उनके पास बैठ जाता है। महेश यादव भी बड़े स्नेह से उसके सिर पर हाथ फेरते हैं और उसे रोटी खिलाते हैं।

कचहरी आने वाले अन्य अधिवक्ताओं और फरियादियों (वादकारियों) के लिए यह कोई नया नजारा नहीं रह गया है। मुकदमों और कोर्ट-कचहरी के तनावपूर्ण माहौल के बीच इस बेजुबान और इंसान के प्रेम का यह रिश्ता वहां मौजूद लोगों के दिलों को छू लेता है और उनके चेहरे पर मुस्कान ला देता है। महेश यादव का कहना है कि जानवर भले ही बोल नहीं सकते, लेकिन उनके दिल और व्यवहार में सच्ची भावनाएं होती हैं, जिन्हें सिर्फ समझने और थोड़ा प्यार देने की जरूरत होती है।

राष्ट्रीय व्यापार मंडल के पदाधिकारियों द्वारा गणेश पूजन एवं जेनजी को राहुल गांधी के बहकावे में ना आने की अपील

» मदरलैंड संवाददाता

गाजियाबाद। राष्ट्रीय व्यापार मंडल के उत्तर प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष पंडित अशोक भारतीय के नेतृत्व में राष्ट्रीय व्यापार मंडल पदाधिकारी संदीप त्यागी रसम संजय शर्मा आदि ने लोहिया नगर निवासी समाजसेवी संगीत भटनागर के निवास स्थान पर जाकर वहां स्थापित भगवान गणेश जी को नमन करते हुए दिल्ली में जेनजी- देश के युवा वर्ग से राहुल गांधी के बहकावे मे न आने की अपील की । दिल्ली मे जेनजी युवा वर्ग से सदैव देश के निर्माण व प्रगति मे सहायक बनते हुए राष्ट्रीय उन्नति और प्रगति में सहायक बनकर सहयोग देने की अपील की । राष्ट्रीय व्यापार मंडल पदाधिकारी ने राहुल गांधी जी को सद्बुद्धि की कामना के साथ भगवान गणेश जी से करबद्ध प्रार्थना की । इस अवसर पर मुख्य रूप से संगीत भटनागर रीता भटनागर मिलन भटनागर प्राची भटनागर दिनेश भारद्वाज नीयो भटनागर आदि उपस्थित रहे ।

जनसुनवाई में पहुंचे उपराज्यपाल, 10 हजार से अधिक शिकायतों का निस्तारण

» मदरलैंड संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस के थाना दिवस-जनसुनवाई कार्यक्रम में शनिवार को उपराज्यपाल सरदार तरनजीत सिंह संधू मौर्या एन्क्लेव थाने पहुंचे। उन्होंने जनसुनवाई में शामिल करीब 250 लोगों और शिकायतकताओं से बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं। उपराज्यपाल ने संबंधित अधिकारियों को शिकायतों की जांच कर कानून के अनुसार उचित कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। दिल्ली पुलिस के अनुसार, जून 2026 में दोबारा शुरू किए गए थाना दिवस-जनसुनवाई कार्यक्रम के तहत अब तक 1,309 जनसुनवाई सत्र आयोजित किए जा चुके हैं। पुलिस का दावा है कि इन सत्रों में 10 हजार से अधिक शिकायतों का निस्तारण किया गया है। इस दौरान करीब 11 हजार लोग जनसुनवाई में शामिल हुए हैं।

शनिवार को दिल्ली के सभी 15 पुलिस जिलों के थानों में साप्ताहिक जनसुनवाई आयोजित की गई। इसी क्रम में उत्तर-पश्चिम जिले के मौर्या एन्क्लेव थाने में आयोजित कार्यक्रम में उपराज्यपाल ने लोगों की शिकायतें सीधे सुनीं। पुलिस के मुताबिक, जनसुनवाई में सामने आई शिकायतों को संबंधित अधिकारियों को सौंपकर उनके शीघ्र परीक्षण और कानून के तहत आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए।

● मौर्या एन्क्लेव थाने में करीब 250 लोगों की शिकायतें सुनीं, अधिकारियों को कानून के अनुसार कार्रवाई के निर्देश

दिल्ली पुलिस के अनुसार, थाना दिवस-जनसुनवाई का उद्देश्य लोगों को पुलिस से संबंधित शिकायतें, सुझाव, सहायता की मांग और सार्वजनिक सुरक्षा से जुड़े मुद्दे सीधे अधिकारियों के समक्ष रखने का अवसर देना है। कार्यक्रम में वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी के जरिए शिकायतों की निगरानी और उनके निस्तारण की प्रक्रिया को गति देने का प्रयास किया जा रहा है।

पुलिस के मुताबिक, थाना दिवस-जनसुनवाई प्रत्येक शनिवार सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक आयोजित की जाती है। जून 2026 में उपराज्यपाल के निर्देशों के बाद इसे दोबारा शुरू किया गया था।

हथियारबंद संदिग्धों से लेकर नशा नेटवर्क तक, कार्रवाई करने वाली पुलिस टीमें सम्मानित

» स्वतंत्र सिंह भुल्लर, मदरलैंड संवाददाता

नई दिल्ली। हथियारों के साथ संदिग्धों को दबोचने से लेकर मादक पदार्थ के नेटवर्क का पता लगाने तक, अपराध के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई करने वाले रोहिणी और दक्षिण-पूर्वी जिले के पुलिसकर्मियों को दिल्ली पुलिस आयुक्त अनुराग कुमार ने सम्मानित किया। पुलिस मुख्यालय में आयोजित समारोह में दोनों जिलों की टीमों की सतर्कता, सूचना जुटाने और कार्रवाई के लिए सराहना की गई।

रोहिणी जिले में 16-17 सितंबर की रात केएन काटजू मार्ग थाना क्षेत्र में गश्त के दौरान हेड कांस्टेबल सुभाष ने सेक्टर-16 के एफ-5 ब्लॉक के पास एक संदिग्ध फोर्ड एंडेवर को देखा। पुलिस के अनुसार, वाहन के सेंटर आर्मरेस्ट में दो पिस्तौल छिपी मिलीं। सूचना पर पहुंचे हेड कांस्टेबल सोमवीर के साथ उन्होंने संदिग्धों को काबू करने का प्रयास किया। पुलिस का दावा है कि दोनों ने विरोध करते हुए हाथापाई की और एक ने पिस्तौल निकालने की कोशिश की। दोनों को मौके पर दबोच लिया गया। उनकी पहचान राहुल उर्फ पिंकू ग्रेवाल और आकाश के रूप में हुई। पुलिस के मुताबिक, दोनों के बहू/विक्की हड्डुल गिरोह से जुड़े होने की बात पूछताछ में सामने आई। उनके कब्जे से दो ऑटोमैटिक पिस्तौल, सात कारतूस और कार बरामद हुई।

इसी तरह दक्षिण-पूर्वी जिले के ओखला औद्योगिक क्षेत्र थाना पुलिस ने मादक पदार्थ तस्करी के नेटवर्क के खिलाफ कार्रवाई में 10 आरोपियों को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार, टीम ने 1.383 किलोग्राम स्मैक और 3.72 करोड़ रुपये नकद बरामद किए। जांच अप्रैल में दो कथित पेडलरों की गिरफ्तारी से शुरू हुई थी और अगले तीन महीनों में जुटाई गई जानकारी के आधार पर कार्रवाई आगे बढ़ाई गई। इस अभियान में उपनिरीक्षक चंद्रवीर, कांस्टेबल धर्मेंद्र, हेड कांस्टेबल करमवीर और हेड कांस्टेबल हरीश चंद शामिल रहे। समारोह में दोनों जिलों के पुलिसकर्मियों के साहस, पेशेवर कार्यशैली और कार्रवाई के दौरान दिखाई गई तत्परता की सराहना की गई।

अब हर छोटा व्यापारी बनेगा बड़ा : विक्रम सिंह कविया

» मदरलैंड संवाददाता

नई दिल्ली। शहरों की सड़कों, बाजारों और गलियों में रोजमर्रा की जरूरतों का सामान उपलब्ध कराने वाले रेहड़ी, ठेला और छोटे दुकानदार अब डिजिटल दुनिया में भी अपनी व्यापार की पहचान बनाने की दिशा में आगे बढ़ सकते हैं। छोटे विक्रेताओं लोकल टू ग्लोबल बनाने के उदेश्य से युवा इंजीनियर विक्रम सिंह कविया का डिजिटल प्लेटफॉर्म स्टार्टअप On-Go-Cart स्थानीय विक्रेताओं को एक अपने व्यापार को बढ़ाने के लिए निःशुल्क ऑनलाइन मंच उपलब्ध करवा रहा है, जहां उनकी दुकान, ठेला या रेहड़ी की जानकारी ग्राहकों तक सीधे ऑनलाइन पहुंच सके। 'छोटा ठेला, बड़ी पहचान' और 'चलती-फिरती दुकानों का डिजिटल पता' जैसे संदेश के साथ On-Go-Cart स्थानीय कारोबारियों को डिजिटल रूप से जुड़ने का नवीन अवसर प्रदान कर रहा है। कई छोटे व्यापारी On-Go-Cart को अपनाकर व्यापार में सफलता की नई कहानी लिख रहे हैं। जिस तरह ग्राहक पहले बडी दुकानों और ऑनलाइन कारोबार को मोबाइल पर खोजते हैं, उसी तरह आसपास के स्थानीय ठेले और रेहड़ी भी डिजिटल माध्यम से दिखाई देंगी। युवा इंजीनियर विक्रम सिंह कविया द्वारा विकसित यह डिजिटल स्टार्टअप देश के असंख्य स्थानीय, मध्यम, छोटे विक्रेताओं को व्यापार को नई उड़ान देने के साथ उन्हें व्यापार बढ़ाने के आर्थिक अवसर प्रदान कर रहा है।

फाउंडर इंजीनियर विक्रम सिंह कविया नें बताया कि On-Go-Cart एप के माध्यम से दुकानदार अपनी दुकान की जानकारी On-Go-Cart के ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर दर्ज कर उसे ऑनलाइन ला सकते हैं। इसके माध्यम से ग्राहक संबंधित दुकान या ठेले की जानकारी खोज सकेंगे और उसकी लाइव लोकेशन जैसी सुविधा का लाभ उठा सकेंगे। प्लेटफॉर्म में स्मार्ट सर्च, प्रोडक्ट एवं कैटेगरी के आधार पर खोज, वेरीफाईड लिस्टिंग और डिजिटल विजिबिलिटी जैसी सुविधाओं को प्रमुखता दी गई है। On-Go-Cart आसपास मौजूद छोटे स्थानीय विक्रेताओं की जानकारी डिजिटल माध्यम से प्रदान कर फल-सब्जी विक्रेता, जूस की दुकान, चाट-पकौड़ी, कचौरी, चाय, स्नैक्स और अन्य स्थानीय कारोबार करने वाले दुकानदारों के लिए डिजिटल लिस्टिंग उनके व्यवसाय को नई पहुंच देने का माध्यम बन रहा है।

आज के समय में छोटे कारोबार के लिए डिजिटल पहचान आवश्यक है। ऐसे में यदि स्थानीय दुकान या ठेला डिजिटल प्लेटफॉर्म पर मौजूद होगी, तो संभावित ग्राहक तक उसकी पहुंच बढ़ सकती है। On-Go-Cart स्थानीय कारोबारियों डिजिटल पहचान प्रदान करने के साथ उनके व्यवसाय को केवल सड़क या बाजार की मौजूदा लोकेशन तक सीमित रखने के बजाय ऑनलाइन ग्राहकों के सामने भी प्रस्तुत कर रहा हैं। On-Go-Cart स्थानीय विक्रेताओं को डिजिटल अर्थव्यवस्था से जोड़ने के साथ उनकी मेहनत, उत्पाद तथा पहचान को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने का अवसर प्रदान कर रहा है।

स्थानीय विक्रेता प्ले स्टोर से On-Go-Cart ऐप डाउनलोड कर अपनी दुकान की जानकारी दर्ज करके उसे ऑनलाइन प्रदर्शित कर सकते हैं। इसके बाद ग्राहकों को विक्रेता की Live Location, दुकान की जानकारी और उपलब्ध उत्पादों की जानकारी मोबाइल पर दिखाई जा सकती है। इससे ग्राहक स्त्रअपने आसपास मौजूद रेहड़ी, ठेले या छोटे विक्रेता को आसानी से खोज सकेंगे और विक्रेता को भी नए ग्राहकों तक पहुंच बनाने का अवसर मिलेगा। अधिक जानकारी के लिए 92512-12345 नंबर और वेबसाईट ongocart.com और इसके ऐप को Google Play और App Store से डाउनलोड किया जा सकता है।

संक्षिप्त समाचार

लायंस क्लब ने फल विक्रेता को दिया छाता, धूप से मिलेगा बचाव

मदरलैंड संवाददाता, अग्रवाल मंडी टटीरी। लायंस क्लब अग्रवाल मंडी, जिला 321 उ–1 की ओर से एक फल विक्रेता को धूप से बचाव के लिए छाता प्रदान किया गया। मंडल अध्यक्ष पीएमजेएफ लायन आदित्य गुप्ता और पूर्व मंडल अध्यक्ष पीएमजेएफ लायन ए.के. मित्तल द्वारा भेजे गए बड़े छातों में से एक छाता सुरेंद्र कश्यप को दृष्टि दूत एमजेएफ लायन अभिमन्यु गुप्ता, लायन दीपक गोयल, आशुतोष मित्तल, मनोज मित्तल, डॉ. रामलाल और श्रीपाल वर्मा ने प्रदान किया। फल विक्रेता ने क्लब का आभार व्यक्त किया। सचिव दीपक गोयल ने बताया कि चार छाते और वितरित किए जाएंगे – एक रेलवे स्टेशन, दूसरा बस स्टैंड, तीसरा महनवा रोड सब्जी मंडी और चौथा डॉ. रामलाल के घर के पास मंदिर पर लगाया जाएगा।

गणेश महोत्सव में चंद्रभाल स्वरूप की पूजा, वैभव-ऐश्वर्य का आशीर्वाद मांगा

मदरलैंड संवाददाता, खेकड़ा।अखिल भारतवर्षीय धर्म संघ खेकड़ा के श्री गणेश महोत्सव में अवार्चीन इंटर कॉलेज प्रांगण पंडाल में श्रद्धालुओं ने भगवान गणपति के चंद्रभाल स्वरूप की पूजा की। आचार्य पं. सुभाष चंद्र शर्मा ने वैदिक मंत्रों के साथ ओंकारेश्वर, चौदह मातृका, नवग्रह, पंचांग पीठ, भद्र मंडल और प्रधान देव गणपति की पूजा कराई। पंचामृत स्नान, वस्त्र, यज्ञोपवीत, नैवेद्य, फल, पंचमेवा और फूल–मालाओं से भगवान का श्रृंगार किया गया।महामंत्री चौधरी उमेश शर्मा ने बताया कि चंद्रभाल स्वरूप की पूजा से सुंदर रूप, वैभव, ऐश्वर्य और धन की प्राप्ति होती है। सायं भजन संध्या में राजू दीवाना–टिन्नू मस्ताना म्यूजिकल ग्रुप ने गणपति भजन प्रस्तुत किए, जिस पर श्रद्धालु थिरक उठे। इस अवसर पर राजेंद्र यादव, डॉ. दीपक धामा, डॉ. सोनल धामा, प्राचार्य नरेंद्र धामा, रेखा शर्मा जिलाध्यक्षा ब्राह्मण समाज, मीनाक्षी स्वामी सहित कई श्रद्धालु मौजूद रहे।

ओसिक्का में अंश के जन्मदिवस पर सामाजिक कार्यक्रम, वाल्मीकि जयंती और शिक्षा पर जोर

मदरलैंड संवाददाता, बड़ौत। ओसिक्का गांव में जिला उपाध्यक्ष मोनू मंगवाड़ा के बेटे अंश के जन्मदिवस पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। अध्यक्षता राष्ट्रीय अध्यक्ष के.सी. बेनीवाल ने की और संचालन गौरव महरौलिया ने किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने भगवान वाल्मीकि और बाबा साहब के चित्र पर पुष्प अर्पित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। जतिन चौहान और महेश कुमार ने पगड़ी और माला पहनाकर स्वागत किया।कार्यक्रम में सुमित डिगान ने शोषित–पीड़ितों का साथ देने, विनोद चौहान ने संगठन मजबूत करने, अमित कुमार कीर ने न्याय और अधिकार दिलाने तथा सचिन कुमार ने यूपी सरकार से वर्गीकरण आरक्षण लागू करने की मांग की। इस मौके पर हरीश बेनीवाल, धर्मवीर सिंह, इफ्तिखार हसन, अनिल, मोनू मंगवाड़ा, श्रवण कुमार सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

प्रख्यात मीडिया हस्तियों ने सरस्वती विद्या मंदिर का किया भ्रमण

मदरलैंड संवाददाता, हाथरस। लेबर कॉलोनी स्थित सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में देश के प्रख्यात मीडिया जगत की हस्तियों का आगमन हुआ। राष्ट्रवाणी न्यूज के एडिटर–इन–चीफ अमिताभ अग्निहोत्री, न्यूज वन इंडिया के एडिटर–इन–चीफ अनुराग चड्ढा तथा जी न्यूज के प्रोड्यूसर माधव अग्निहोत्री का विद्यालय परिवार ने आत्मीयता के साथ स्वागत किया।इस दौरान अमिताभ अग्निहोत्री और अनुराग चड्ढा ने विद्यालय की भवन संरचना, स्वच्छता, अनुशासित वातावरण और शैक्षिक व्यवस्थाओं की सराहना की। उन्होंने विद्यालय के सकारात्मक परिवेश पर प्रसन्नता व्यक्त की।विद्यालय प्रबंधक मनोज अग्निहोत्री और प्रधानाचार्य लोकेन्द्र नाथ शर्मा सहित समस्त आचार्य उपस्थित रहे। विद्यालय परिवार ने अतिथियों के आगमन को गौरवपूर्ण एवं प्रेरणादायी अवसर बताया।

कविता सत्य को दर्ज करती है, स्मृति को संजोती है: अशोक वाजपेयी

श्रीकांत वर्मा की 95वीं जयंती पर अशोक वाजपेयी को 'श्रीकांत वर्मा शिखर सम्मान' से सम्मानित

» विजय गौड़ ब्यूरो चीफ

प्रख्यात कवि, आलोचक, अनुवादक, संपादक, सांस्कृतिक व्यक्तित्व और संस्था-निमार्ता अशोक वाजपेयी को श्रीकांत वर्मा की 95वीं जयंती के अवसर पर श्रीकांत वर्मा ट्रस्ट द्वारा आयोजित साहित्यिक समारोह में ₹श्रीकांत वर्मा शिखर सम्मान₹ से सम्मानित किया गया। श्रीकांत वर्मा हिंदी के विशिष्ट साहित्यकार, पत्रकार, राज्यसभा के दो बार सदस्य तथा भारतीय सार्वजनिक जीवन की एक महत्वपूर्ण हस्ती थे। यह सम्मान श्री अशोक वाजपेयी के हिंदी साहित्य तथा भारतीय कला और संस्कृति में उनके विशिष्ट एवं दीर्घकालिक योगदान के लिए प्रदान किया गया। पुरस्कार में श्रीकांत वर्मा की सात किलोग्राम वजनी ठोस पंचधातु प्रतिमा, जो सोने, चांदी, तांबे, पीतल, लोहे और जस्ते से निर्मित है, एक प्रशस्ति-पत्र तथा रू21 लाख की सम्मान राशि शामिल है। श्री अशोक वाजपेयी समकालीन हिंदी साहित्य के प्रमुख स्वरों में से एक हैं और भारत के साहित्यिक एवं सांस्कृतिक जीवन में उनकी सक्रिय भूमिका रही है। उनकी कविता में प्रेम, स्मृति, सौंदर्य, समय, अनुपस्थिति और मानवीय मृत्युबोध के सूक्ष्म अनुभव अभिव्यक्त होते हैं। कविता के साथ-साथ उन्होंने साहित्यिक आलोचना, अनुवाद और संपादन के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है। भारत भवन, भोपाल जैसी सांस्कृतिक संस्थाओं के निर्माण में उनकी भूमिका तथा कला और संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए उनके कार्य ने हिंदी के साहित्यिक और सांस्कृतिक परिदृश्य को व्यापक बनाया है। साहित्य और अन्य कलाओं के बीच संवाद स्थापित करने, युवा प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने में भी उनकी

महत्वपूर्ण भूमिका रही है। वे वर्तमान में रजा फाउंडेशन, नई दिल्ली के प्रबंध न्यासी हैं। श्रीकांत वर्मा का जन्म 18 सितम्बर 1931 को बिलासपुर, मध्य प्रदेश में हुआ था। उन्होंने नागपुर विश्वविद्यालय से हिंदी में एम.ए. किया और साहित्य, पत्रकारिता तथा राजनीति के क्षेत्र में राष्ट्रीय प्रतिष्ठा अर्जित की। वे दिनमान से निकटता से जुड़े रहे और द टाइम्स ऑफ इंडिया में विशेष संवाददाता के रूप में भी कार्य किया। उन्होंने कविता और गद्य की बीस से अधिक पुस्तकें लिखीं। 1984 में प्रकाशित उनकी चर्चित कृति मगध को उनकी साहित्यिक प्रतिभा की सर्वोत्तम अभिव्यक्ति माना जाता है। सार्वजनिक जीवन में श्रीकांत वर्मा मध्य प्रदेश से दो बार राज्यसभा के सदस्य रहे। वे भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के महासचिव भी रहे और लगभग एक दशक तक पार्टी के आधिकारिक प्रवक्ता का दायित्व निभाया। कैंसर से पीड़ित रहने के बाद 25 मई 1986 को न्यूयॉर्क में उनका निधन हुआ। उस समय उनकी आयु 54 वर्ष थी। श्रीकांत वर्मा ट्रस्ट की स्थापना 1985 में उनकी पत्नी श्रीमती वीणा वर्मा और उनके एकमात्र पुत्र डॉ. अभिषेक वर्मा ने की थी। ट्रस्ट का उद्देश्य श्रीकांत वर्मा की स्मृति को सुरक्षित रखते हुए नई पीढ़ी के लेखकों और सृजनशील प्रतिभाओं को प्रोत्साहित कर भारत की साहित्यिक और सांस्कृतिक परंपराओं को आगे बढ़ाना है। इसी उद्देश्य से उत्कृष्ट साहित्यिक प्रतिभाओं को पहचानने और प्रोत्साहित करने के लिए श्रीकांत वर्मा साहित्य पुरस्कार की स्थापना की गई। इस वर्ष श्री अशोक वाजपेयी को प्रदान किया गया पुरस्कार श्रीकांत वर्मा साहित्य पुरस्कार का 18वां संस्करण था। वर्षों से इस पुरस्कार ने अनेक विशिष्ट लेखकों को सम्मानित किया है, जिनमें से कई आगे चलकर हिंदी साहित्य के अग्रणी नाम बने, जैसे मंगलेश डबराल, राजेश जोशी और अरुण कमल। वर्ष 2025 में ट्रस्ट ने साहित्य से आगे बढ़ते हुए अपने पुरस्कारों का विस्तार किया। पत्रकारिता के लिए रू5 लाख का पुरस्कार तथा दृश्य एवं प्रदर्शन कलाओं सहित भारत के बौद्धिक और सांस्कृतिक जीवन के अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों में योगदान के लिए रू2 लाख के पुरस्कार स्थापित किए गए। समारोह में प्रख्यात लेखक अरुण कमल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे तथा अध्यक्षता प्रसिद्ध चित्रकार परमजीत सिंह ने की। विशिष्ट लेखिका एवं उपन्यासकार ममता कालिया, आलोचक एवं विचारक प्रो. पुरुषोत्तम अग्रवाल तथा कवि, कथाकार, कला एवं फिल्म समीक्षक और पत्रकार विनोद भारद्वाज ने श्रीकांत वर्मा से जुड़ी अपनी स्मृतियां साझा कीं और साहित्य में उनके योगदान पर विचार रखे। कार्यक्रम का आरंभ विख्यात शास्त्रीय गायिका विदुषी सुधा रघुरामन की प्रस्तुति से हुआ, जिन्होंने श्रीकांत वर्मा की चर्चित कृति मगध की संगीतात्मक प्रस्तुति दी। इस प्रस्तुति को श्रोताओं ने उत्साहपूर्वक सराहा। श्रीकांत वर्मा के जीवन, साहित्यिक योगदान और विरासत पर एक लघु फिल्म भी प्रदर्शित की गई, जिसने उपस्थित जनों को भावुक कर दिया। सम्मान ग्रहण करने के बाद अशोक वाजपेयी ने चयन के लिए निर्णायक मंडल के सदस्यों का आभार व्यक्त किया और कहा कि श्रीकांत वर्मा की कविता ने केवल अपने समय को ही नहीं, बल्कि हमारे समय को भी अंकित किया है। उन्होंने कहा कि कविता सत्य को दर्ज करती है, स्मृति को संजोती है और भय के समय में भी निर्भीकता के लिए एक स्थान निर्मित करती है। उन्होंने कहा कि टूटन और विघटन के इस दौर में कविता की भूमिका जोड़ने, संभालने और बचाए रखने की है। उन्होंने साहित्य के क्षेत्र में श्रीकांत वर्मा ट्रस्ट द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की और विश्वास व्यक्त किया कि आने वाले वर्षों में श्रीकांत वर्मा शिखर सम्मान देश के प्रमुख साहित्यिक सम्मानों में अपना स्थान बनाएगा। श्रीकांत वर्मा ट्रस्ट के प्रबंध न्यासी और श्रीकांत वर्मा के एकमात्र पुत्र डॉ. अभिषेक वर्मा ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया और कहा कि साहित्य और राजनीति को सदैव अलग-अलग रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि आज बहुत कम लोग ऐसे हैं जो वास्तव में लेखकों के कल्याण के लिए समर्पित हैं। साहित्य और साहित्यकारों, दोनों के संरक्षण, पोषण और प्रोत्साहन की अत्यंत आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि दुर्भाग्यवश साहित्य के उन्नयन के लिए किए गए ईमानदार प्रयासों को भी कभी-कभी आलोचना, राजनीति और व्यक्तिगत वैमनस्य की दृष्टि से देखा जाता है, जिससे अंततः साहित्य का ही नुकसान होता है। डॉ. वर्मा ने कहा कि श्रीकांत वर्मा ने सदैव साहित्य और लेखकों के अधिकारों को अत्यंत महत्व दिया। श्रीकांत वर्मा ट्रस्ट इन्हीं मूल्यों को समर्पण और दृढ़ विश्वास के साथ आगे बढ़ा रहा है।

गौरव आर्य के अलीगढ़ जिला प्रभारी बनने पर भाजपा कार्यालय में भव्य स्वागत

» मदरलैंड संवाददाता

हाथरस। भारतीय जनता पार्टी के जिला कार्यालय पर रविवार को नवनियुक्त अलीगढ़ जिला प्रभारी गौरव आर्य का भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। पार्टी नेतृत्व द्वारा नई जिम्मेदारी सौंपे जाने पर आयोजित कार्यक्रम का नेतृत्व भाजपा जिलाध्यक्ष प्रेम सिंह कुशवाहा ने किया। पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने पुष्पमालाएं पहनाकर गौरव आर्य को शुभकामनाएं दीं।जिलाध्यक्ष प्रेम सिंह कुशवाहा ने गौरव आर्य को बधाई देते हुए कहा कि उन्होंने हाथरस में संगठन को मजबूत करने और पार्टी को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्हें विश्वास है कि गौरव आर्य अलीगढ़ में भी संगठन को मजबूती प्रदान करेंगे। उन्होंने आगामी चुनाव में पार्टी के बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद जताते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।नवनियुक्त जिला प्रभारी गौरव आर्य ने पार्टी नेतृत्व का आभार जताते हुए कहा कि सौंपी गई जिम्मेदारी पर खरा उतरने का पूरा प्रयास करेंगे। कार्यकताओं और जनप्रतिनिधियों के सहयोग से

अलीगढ़ में संगठन को मजबूत करना तथा सभी विधानसभा क्षेत्रों में पार्टी को सशक्त बनाने के लक्ष्य के साथ कार्य करेंगे।कार्यक्रम में जिला महामंत्री राजेश सिंह गुड्डू, राजेंद्र सूफी, जिला उपाध्यक्ष संजय सक्सेना, मुकेश चौहान, संध्या आर्य, सुनीता सिंह, रजत चौधरी, भूपेंद्र चौहान, जिला मंत्री विपिन लवानिया, पवन रावत, योगेश परमार, विपुल लोहारिया, मीडिया प्रभारी सुनील वर्मा सहित पार्टी पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

खेत-क्यारियों का विवाद पहुंच गया खूनी वारदात में

» मदरलैंड संवाददाता

- 75 वर्षीय 'राजा बाबू' ने 65 वर्षीय महिला को मौत के घाट पहुंचाया,पुलिस ने किया गिरफ्तार
- हत्या की वारदात को अंजाम देकर अभियुक्त हुआ फरार, देघाट पुलिस ने चंद घंटों में धर–दबोचा, हत्या में प्रयुक्त लोहे की दराती बरामद
- गाली–गलौज के विवाद में 65 वर्षीय बुजुर्ग महिला तुलसी देवी की हत्या, नामजद आरोपी को भेजा सलाखों के पीछे
- वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अल्मोड़ा के निर्देश पर त्वरित कार्रवाई, फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल से जुटाए महत्वपूर्ण साक्ष्य

अल्मोड़ा। अल्मोड़ा जनपद के स्याल्दे क्षेत्र के रतखेत इलाके में खेत का विवाद हत्या तक पह ुंच गया। दिनांक 19.09.2026 को हरीश चन्द्र द्वारा दूरसंचार माध्यम से थाना देघाट को सूचना दी गई कि ग्राम रतखेत, स्याल्दे में राजे सिंह नामक व्यक्ति ने उनकी बहन के साथ गाली-गलौज करते हुए दराती से सिर एवं शरीर पर वार कर दिया है और मौके से फरार हो गया है। सूचना प्राप्त होते ही थानाध्यक्ष देघाट श्री अजेन्द्र प्रसाद मय पुलिस बल के साथ तत्काल घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस टीम द्वारा घटनास्थल को सुरक्षित करते हुए आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की गई तथा घायल महिला को पुलिस टीम द्वारा रेस्क्यू कर एम्बुलेंस के माध्यम से पीएचसी सेंटर स्याल्दे ले जाया गया, जहां चिकित्सकों द्वारा उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। चंद्रशेखर घोडके, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अल्मोड़ा घटना की गंभीरता एवंसंवेदनशीलता को देखते हुए द्वारा उच्चाधिकारियों को घटनास्थल का गहन निरीक्षण करने तथा अधीनस्थ अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। साथ ही घटना के प्रत्येक पहलू की निष्पक्ष एवं वैज्ञानिक जांच सुनिश्चित करने के लिए फॉरेंसिक टीम को घटनास्थल पर साक्ष्य संकलित कराए गए। उक्त संबंध में दिनांक 19.09.2026 को मृतका के भाई हरीश चन्द्र ढौडियाल पुत्र नारायण दत्त ढौडियाल, निवासी ग्राम रतखेत बसई, तहसील स्याल्दे, थाना देघाट, जनपद अल्मोड़ा द्वारा थाना देघाट में तहरीर दी गई कि राजे सिंह ने उनकी बहन तुलसी देवी, उम्र 65 वर्ष, के साथ गाली-गलौज करते हुए धारदार हथियार से सिर एवं शरीर पर प्राणघातक हमला कर उनकी हत्या कर दी।प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना देघाट में मु0 ऋक्क्र संख्या 13/2026 धारा 103(1) भारतीय न्याय संहिता (इठर) के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत किया गया। चंद्रशेखर घोडके, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अल्मोड़ा के निर्देशन में घटना के शीघ्र अनावरण हेतु पुलिस टीमों का गठन किया गया।

अपर पुलिस अधीक्षक अल्मोड़ा हरबन्स सिंह के निकट मार्गदर्शन व सीओ अल्मोड़ा/रानीखेत श्रीमती भावना कैंथोला के पर्यवेक्षण में थानाध्यक्ष देघाट श्री अजेन्द्र प्रसाद के नेतृत्व में गठित पुलिस टीमों द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए नामजद आरोपी राजे सिंह बोरा की तलाश, सुरागरसी/पतारसी करते हुए पहाड़ी व जंगलों में लगभग 02.30 घंटे कॉम्बिंग करते हुए ऋक्क्रदर्ज होने के कुछ ही घंटों के भीतर आरोपी को थाना क्षेत्रांतर्गत से गिरफ्तार किया गयाअभियुक्त की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त लोहे की दराती भी बरामद कर ली गई है। पूछताछ में अभियुक्त ने अपना जुर्म स्वीकार करते हुए बताया कि पिछले लगभग चार वर्षों से मृतका द्वारा घर के सामने स्थित खेती एवं क्यारियों को लेकर उसके तथा उसके परिजनों के साथ आए दिन गाली-गलौज की जातीथीदिनांक19.09.2026 को भी तुलसी देवी के साथ उसकी गाली-गलौज हुई थी। इसी बात को लेकर हुई आपसी कहासुनी के चलते उसने हत्या की वारदात को अंजाम दिया।राजे सिंह उर्फ राजा बाबू उर्फ राजेन्द्र सिंह उम्र 75 वर्ष, पुत्र दौलत सिंह, निवासी ग्राम रतखेत बसई तहसील स्याल्दे थाना देघाट जनपद अल्मोड़ा।घटना में प्रयुक्त लोहे की दराती (आला कत्ल) बरामद की गयी।गिरफ्तारी पुलिस टीम, थाना देघाट- थानाध्यक्ष अजेन्द्र प्रसाद (विवेचक) उपनिरीक्षक गंगा राम गोला. हेड कांस्टेबल नीरज बिष्ट हेड कांस्टेबल श्री करुण मिश्रा कांस्टेबल अशोक बिष्ट रहे।

अल्मोड़ा नंदादेवी महोत्सव में पूजा अर्चना के साथ भव्य झोड़ा प्रतियोगिता आयोजित हुयी

» मदरलैंड संवाददाता

- नंदादेवी मेले में गूंजे कुमाऊं के पारंपरिक झोड़े,दर्जनों महिलाओं ने दी शानदार प्रस्तुतियां
- खचाखच भरी रही दर्शक दीर्घा,लोक संस्कृति ऐतिहासिक प्रस्तुति में रंगा नंदादेवी परिसर
- मल्ला महल से नंदा देवी मंदिर परिसर पहुंची टीमें।
- दर्जा राज्यमंत्री गंगा बिष्ट ने गरिमामय उपस्थिति दर्ज की

अल्मोड़ा। अल्मोड़ा का ऐतिहासिक एवं प्रसिद्ध नंदादेवी महोत्सव में धार्मिक पूजा अर्चना के साथ साथ भव्य झोड़ा प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।प्रतियोगिता का शुभारंभ दर्जा राज्यमंत्री गंगा बिष्ट ने मल्ला महल में किया। झोड़ा टीमें बाजार होते हुए नंदा देवी मंदिर पहुंची।प्रतियोगिता में विभिन्न क्षेत्रों से पहुंची दर्जनों महिलाओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। पारंपरिक वेशभूषा में सजी महिलाओं ने सामूहिक रूप से झोड़ा गायन एवं नृत्य की मनमोहक प्रस्तुतियां देकर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। झोड़े की पारंपरिक धुनों और लोकगीतों से पूरा वातावरण कुमाऊं की लोक संस्कृति के रंग में रंग गया। महिलाओं के बीच झोड़ा प्रस्तुतियों को लेकर खासा उत्साह दिखाई दिया, प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम में मौजूद लोगों को अपनी ओर आकर्षित किया।प्रतियोगिता में महिलाओं ने कुमाऊं की पारंपरिक लोक संस्कृति, लोकगीत और सामूहिक नृत्य की शानदार झलक प्रस्तुत की। कई प्रस्तुतियों में पहाड़ की जीवनशैली, सामाजिक सरोकार और सांस्कृतिक विरासत की झलक देखने को मिली। कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों के साथ ही मेले में पहुंचे श्रद्धालु और पर्यटक भी झोड़ा प्रतियोगिता का आनंद लेते नजर आए। इस मौके पर आयोजक गीता मेहरा ने कहा कि नंदादेवी मेला धार्मिक आस्था के साथ-साथ कुमाऊं की समृद्ध लोक संस्कृति और परंपराओं का भी महत्वपूर्ण उत्सव है। झोड़ा हमारी पहचान और हमारी सांस्कृतिक विरासत का अभिन्न हिस्सा है। उन्होंने कहा कि प्रतियोगिता का उद्देश्य महिलाओं को अपनी लोक संस्कृति से जोड़ना और पारंपरिक लोक विधाओं को नई पीढ़ी तक पहुंचाना है। आज की व्यस्त जीवनशैली में हमारी कई पारंपरिक विधाएं धीरे-धीरे पीछे छूट रही हैं। ऐसे आयोजनों के माध्यम से उन्हें मंच देने और लोगों के बीच जीवंत बनाए रखने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने प्रतियोगिता में उत्साह के साथ प्रतिभाग करने वाली सभी महिलाओं और कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग देने वाले लोगों का आभार जताया।उन्होंने कहा कि महिलाओं की नंदादेवी मेले के मंच से झोड़ा जैसी पारंपरिक विधाओं को बढ़ावा देना आने वाली पीढ़ियों के लिए सांस्कृतिक विरासत को सुरक्षित रखने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।प्रतियोगिता के दौरान पारंपरिक झोड़े की धुनों पर महिलाओं के सामूहिक नृत्य ने मेले की रौनक को और बढ़ा दिया। कार्यक्रम में दर्जा राज्यमंत्री गंगा बिष्ट, राजेंद्र बिष्ट, मुख्य सांस्कृतिक संयोजक अर्जुन बिष्ट, अध्यक्ष मनोज वर्मा, सचिव मनोज सनवाल, संयोजक तारा चंद्र जोशी,गोविंद मेहरा के अलावा अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। सैकड़ों की संख्या में लोग कार्यक्रम देखने पहुंचे।

दाऊजी मेला विवाद में एडीएम के कथित धमकी भरे बोल, ठेकेदार से गाली-गलौज का ऑडियो वायरल!

» मदरलैंड संवाददाता

- 2 मिनट 37 सेकंड की बातचीत में अभद्र भाषा और धमकी देने का आरोप, ठेकेदार करता रहा सहयोग की अपील

हाथरस। ऐतिहासिक लक्खी मेला दाऊजी महाराज में झूलों के संचालन को लेकर ठेकेदार और प्रशासन के बीच उपजे विवाद ने अब नया तूल पकड़ लिया है। एडीएम वित्त एवं राजस्व प्रशांत तिवारी और मेला ठेकेदार के बीच मोबाइल फोन पर हुई कथित बातचीत का 2 मिनट 37 सेकंड का ऑडियो वायरल होने से प्रशासनिक कार्यशैली पर सवाल उठ रहे हैं। वायरल ऑडियो में एडीएम पर ठेकेदार के साथ गाली-गलौज और धमकी भरे लहजे में बात करने के आरोप लगाए जा रहे हैं। बातचीत में कथित तौर पर अपमानजनक शब्दों के साथ थाने ले जाकर पीटने और जमीन में गाड़ देने जैसी धमकी सुनाई देने का दावा किया जा रहा है।

बताया जा रहा है कि बातचीत के दौरान ठेकेदार अपनी मांग और समस्याएं रखते हुए प्रशासन से सहयोग करने की अपील करता रहा, जबकि दूसरी ओर से कथित तौर पर तीखी और अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया गया।

हालांकि, वायरल ऑडियो की स्वतंत्र पुष्टि और पूरे घटनाक्रम का आधिकारिक पक्ष सामने आना बाकी है। गौरतलब है कि मेले में झूलों के संचालन को लेकर शुक्रवार रात ठेकेदार ने झूले बंद कर दिए थे। ठेकेदार ने प्रशासन पर टेंडर की शर्तों के विपरीत काम करने और परेशान करने के आरोप लगाए थे। वहीं, एडीएम प्रशांत तिवारी ने ठेकेदार पर नियमों की अनदेखी और मनमानी का आरोप लगाते हुए एफआईआर तथा फर्म को ब्लैकलिस्ट करने की चेतावनी दी थी। शनिवार को प्रशासन और ठेकेदार के बीच बातचीत के बाद मेले का संचालन फिर शुरू हो गया। अब वायरल ऑडियो ने विवाद को नया मोड़ दे दिया है।

अल्मोड़ा जनपद मुख्यालय में सेवा पखवाड़ा आयोजित हुआ

» संजय कुमार अग्रवाल, मदरलैंड संवाददाता

- मुख्य विकास अधिकारी, अपर जिलाधिकारी, उप जिलाधिकारी सदर सहित अनेक अधिकारियों व कर्मियों ने सफाई कर स्वच्छ वातावरण की शपथ ली

अल्मोड़ा। 'सेवा पखवाड़ा' के अंतर्गत जनपद अल्मोड़ा में 'स्वच्छता ही सेवा अभियान' का व्यापक स्तर पर मुख्य विकास अधिकारी रामजी शरण शर्मा की उपस्थिति में आयोजन किया गया। इस दौरान जिला कार्यालय परिसर के विभिन्न स्थानों पर साफ-सफाई, अनावश्यक सामग्री एवं कूड़े का निस्तारण किया गया।

अभियान का उद्देश्य कार्यालय परिसरों को स्वच्छ एवं व्यवस्थित रखने के साथ ही अधिकारी-कर्मचारियों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता एवं जिम्मेदारी की भावना को बढ़ावा देना रहा।अभियान के तहत जिला कार्यालय सहित जनपद की समस्त तहसीलों में अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा स्वच्छता अभियान चलाते हुए श्रमदान किया गया।

मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि स्वच्छता केवल एक दिन का अभियान नहीं, बल्कि निरंतर अपनाई जाने वाली जिम्मेदारी है। उन्होंने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से अपने कार्यालयों एवं आसपास के क्षेत्रों को स्वच्छ रखने तथा स्वच्छता को अपनी दैनिक कार्यप्रणाली का हिस्सा बनाने का आह्वान किया। अभियान के अंतर्गत जिला कार्यालय के अभिलेख कक्षों में भी विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। अभिलेख कक्षों में निष्प्रयोज्य एवं अनावश्यक अभिलेखों के नियमानुसार निस्तारण के साथ ही साफ-सफाई एवं व्यवस्थितकरण का कार्य किया गया। इससे अभिलेख कक्षों को स्वच्छ, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित बनाए रखने में सहायता मिली। इसी क्रम में जनपद की समस्त तहसीलों में भी संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा स्वच्छता अभियान में प्रतिभाग करते हुए श्रमदान किया गया। कार्यालय परिसरों, अभिलेख कक्षों एवं आसपास के क्षेत्रों में साफ-सफाई कर स्वच्छ एवं व्यवस्थित वातावरण बनाए रखने का संदेश दिया गया।

अभियान के दौरान सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग को प्रतिबंधित करने तथा इसके स्थान पर पर्यावरण अनुकूल विकल्पों को अपनाने का संकल्प भी लिया गया। अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने स्वच्छ, सुंदर एवं प्लास्टिक-मुक्त कार्यालय वातावरण बनाए रखने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान के माध्यम से अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने श्रमदान कर स्वच्छता के प्रति अपनी जिम्मेदारी का संदेश दिया। अभियान के सफल आयोजन से कार्यालय परिसरों में स्वच्छता एवं सुव्यवस्था के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता को भी बढ़ावा मिला। जिला कार्यालय में आयोजित स्वच्छता अभियान में अपर जिलाधिकारी युक्ता मिश्र, उपजिलाधिकारी संजय कुमार सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारियों ने सक्रिय रूप से प्रतिभाग किया।

संक्षिप्त समाचार

नशा मुक्त उत्तराखंड अभियान के अंतर्गत चमन लाल, महाविद्यालय में शपथ समारोह का आयोजन

मदरलैंड संवाददाता, लंढौरा। चमन लाल महाविद्यालय में नशा मुक्त उत्तराखंड अभियान के अंतर्गत शपथ ग्रहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें छात्र-छात्राओं को नशीली दवाओं के दुरुपयोग एवं अवैध तस्करी के खिलाफ जागरूक किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के छात्र छात्राओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। महाविद्यालय प्रबंधन समिति अध्यक्ष रामकुमार शर्मा एवं सचिव अरुण हरित ने नशीली दवाओं के दुरुपयोग के प्रति छात्र छात्राओं को सावधान किया और बताया कि इसके प्रति महाविद्यालय विगत दिनों में भी कई प्रकार के कार्यक्रम आयोजित करता रहा है। कार्यक्रम समन्वयक एंटी ड्रग कमेटी के प्रभारी डॉ. संजीव कुमार ने छात्र-छात्राओं को नशे के प्रति जागरूक किया तथा इससे होने वाली अनेक प्रकार की बीमारियों के विषय में अवगत कराया कि किस प्रकार यह नशा हमारे शरीर को खोखला कर रहा है और नई पीढ़ी दिन प्रतिदिन नशे की लत से ग्रसित हो रही है अतः हम सबको सावधान होने की जरूरत है। आगामी सत्र में भी महाविद्यालय नशे के विरुद्ध अनेक प्रकार की जन जागरूकता रैली निकालने के लिए कार्यक्रम आयोजित करेगा। महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. सुशील उपाध्याय ने छात्र-छात्राओं को शपथ दिलाई तथा सभी को नशे से होने वाले नुकसान के बारे में बताया। इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त शिक्षक एवं गैर शिक्षक कर्मचारी भी उपस्थित रहे '

खानपुर में आयोजित खेल महाकुंभ-2026 सम्पन्न रिया, आरुषि ने मारा मैदान

मदरलैंड संवाददाता, रुड़की। स्वर्गीय राजेश पायलट मिनी स्टेडियम खानपुर में आयोजित खेल महाकुंभ-2026 का रविवार को समापन हो गया। ब्लॉक प्रमुख खानपुर द्वारा महाकुंभ का विधिवत समापन किया गया। आशीष सिंघवान क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी खानपुर द्वारा ब्लॉक प्रमुख खानपुर को बुके माला एवं मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। ब्लॉक प्रमुख ने राजेश पायलट मिनी स्टेडियम में पहले प्रैक्टिस कर रहे छात्र-छात्राओं को पूर्व में ट्रैक सूट एवं जूते वितरित किए थे। क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी खानपुर आशीष सिंघवान के द्वारा बच्चों के लिए दोपहर के खाने की और पीने के पानी की अच्छी की व्यवस्था की गई थी। मेडिकल टीम भी लगातार ग्राउंड पर ही बनी रही। इस अवसर पर मुख्य भूमिका में ब्लॉक खेल समन्वयक खानपुर मांगेराम मौर्य, बबलू सिंह, मदनपाल पंवार, विवेक सैनी जिला मंत्री राजकीय शिक्षक संघ हरिद्वार, पंकज कुमार, मानिक चौहान, स्वाति त्यागी, अंकित चौधरी, लोकेश कुमार, खेल प्रशिक्षक खानपुर सेठपाल, पंकज चौधरी, लोकेश कुमार आदि मौजूद रहे। अंडर 14 में रिया ने प्रथम, ओजस्वी ने द्वितीय एवं शगुन ने तृतीय, 600 मीटर में आरुषि सैनी प्रथम, आरोही द्वितीय बिना तृतीय रही। इसी प्रकार अंडर-19 में 100 मीटर में तनु देवी प्रथम, मान्य द्वितीय एवं 200 मीटर में पिंकी प्रथम, सिमरन द्वितीय एवं शगुन तृतीय स्थान पर रही।

भाजपा सरकार की नीतियां युवा, किसान, मजदूर विरोधी: राजेंद्र चौधरी

मदरलैंड संवाददाता, रुड़की। जिला कांग्रेस कमेटी रुड़की महानगर के कैम्प कार्यालय पर कांग्रेस कमेटी की बैठक सुभाष चंद्र शर्मा जी की अध्यक्षता में आहूत की गई जिसमें युवा नेता अक्षय कुमार गौतम एवं सरदार हरप्रीत सिंह सन्नी के नेतृत्व में सैंकड़ों युवाओं ने कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। इस अवसर पर पार्टी में शामिल होने वाले युवाओं को पटका पहनाकर और अभिनंदन कर शामिल कराया गया। पूर्व मंत्री राम सिंह सैनी ने कहा कि युवा पीढ़ी देश की धरोहर है और आज उन्हें बर्बाद करने में लगी हुई है भाजपा सरकार। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार की नीतियां मात्र उद्योगपतियों को मजबूत करने वाली है और युवाओं को गुमराह किया जा रहा है। राजेंद्र चौधरी एडवोकेट ने कहा कि भाजपा सरकार की नीतियां जन विरोधी है और आज देश के छात्र, युवाओं, किसानों, मजदूरों, गरीबों ओर महिलाओं के भविष्य को बबार्दी की ओर धकेलते हुए देश को बर्बाद करने में लगी हुई है। पार्टी में शामिल हुए अक्षय कुमार गौतम ने कहा कि उन्होंने भाजपा की नीतियों से असहमत होकर ओर कांग्रेस की सर्व समाज को आगे बढ़ाने की नीतियों से प्रभावित हो कर सदस्यता ग्रहण की है। वह कांग्रेस पार्टी को मजबूत बनाने के लिए साथियों समेत प्रयास करेंगे। सरदार हरप्रीत सिंह सन्नी ने कहा कि आज व्यापारी टैक्स से, इंस्पेक्टर राज से, ऑनलाइन कारोबार और अब पेटीएम पर भी टैक्स थोपने जैसे निर्णयों से आहत होकर कांग्रेस में शामिल हुए हैं। तन-मन से वह कांग्रेस की सेवा कर समाज और देश हित में काम करेंगे। इस अवसर पर पूर्व प्रदेश महासचिव विकास त्यागी, डॉ हरविंदर सिंह, मदन पाल भड़ाना, मुनफैत अली, संजय गुड्डू, प्रधान जसवीर सिंह, यासमीन खान, आशीष चौधरी, वैभव सैनी, मोहित त्यागी, चौधरी जुल्फिकार अख्तर, राव परवेज खान, गुलशनवर, मिन्टू प्रधान, राजा चौधरी एडवोकेट, अश्विनी छाबड़ा, डॉ इरशाद मीर, डॉ राजेन्द्र कुमार सैनी, सुधीर चौधरी, पंकज त्यागी विशाल सहगल, पंकज सोनकर, गौरव प्रधान, विकास त्यागी मोनू, उम्मेद गाजी हिमांशु चौधरी, नितिन सैनी, वीरेंद्र शर्मा, भूषण त्यागी, नीरज सैनी ब्लॉक अध्यक्ष, बेनी प्रसाद सैनी, अभय सिंह सैनी, अब्दुल कादिर, दानिश, शाकिर अंसारी, सुभाष कश्यप, नूर आलम, राजा आदि मौजूद रहे

अंकिता भंडारी की पुण्यतिथि पर फिर से छलका पहाड़वासियों का दर्द, इंसाफ की मांग हुई तेज

» मदरलैंड संवाददाता

● अशोक नगर में कैंडल मार्च निकाल कर दी उत्तराखंड की बेटी को श्रद्धांजलि, मौन धारण कर जताया सरकार का विरोध

रुड़की। अंकिता भंडारी की पुण्यतिथि पर एक बार फिर से पहाड़ के लोगों का दर्द छलक उठा है। प्रदेश भर में फिर से उत्तराखंड की बेटी अंकिता भंडारी को इंसाफ दिलाए जाने की मांग तेज हो गई है। अशोक नगर ढंडेरा में शुक्रवार को अशोक नगर क्षेत्रीय विकास समिति के बैनर तले नगर के लोगों ने कैंडल मार्च निकाल कर बेटी अंकिता को श्रद्धांजलि दी। बेटी को इंसाफ न मिलने से नाराज लोगों ने मौन धारण कर सरकार का विरोध जताया। सीबीआई जांच के लिए सरकार से संस्तुति किए जाने की मांग की गई।

अशोक नगर क्षेत्रीय विकास समिति एवं राज्य आंदोलनकारी संघर्ष समिति के बैनर तले शाम लगभग साढ़े छह बजे नगर के लोग बूचड़ी फाटक स्थित शिव चौक पर एकत्रित हुए। यहां उत्तराखंड की बेटी अंकिता भंडारी को इंसाफ न मिलने और सीबीआई जांच के नाम पर सरकार की ओर से झुनझुना थमाए जाने पर नाराजगी जताई गई। चौंक से कैंडल मार्च निकालते हुए क्षेत्रवासी प्राचीन शिव मंदिर, ढंडेरा पहुंचे। यहां से वापस शिव चौक पर पहुंचकर मार्च सम्पन्न हुआ। इस दौरान भारी संख्या में क्षेत्र की महिलाएं परिवारों समेत शामिल रही। समिति के केंद्रीय अध्यक्ष एवं राज्य आंदोलनकारी हर्ष प्रकाश काला ने कहा कि राज्य सरकार ही अंकिता भंडारी के इंसाफ में रोड़ा बन रही है। ऐसा लगता है कि सरकार ने लोगों के आक्रोश को देखते हुए सीबीआई जांच की संस्तुति तो कर दी, लेकिन सीबीआई को जांच के लिए पत्र नहीं भेजा गया है। यही कारण है कि सीबीआई ने अभी तक इस मामले में अपने यहां मुकदमा दर्ज नहीं किया है। हर्ष प्रकाश काला ने कहा कि अंकिता हत्याकांड को चार वर्ष बीत चुके हैं और अभी तक सरकार अंकिता के परिजनों को इंसाफ नहीं दिला पाई है। न ही अभी तक वीआईपी के नाम का खुलासा हो सका है। कहा कि वर्षों से इंसाफ की बाट जोह रहे अंकिता के परिजनों और उत्तराखंड वासियों के सब्र का बांध अब टूटने वाला है। सरकार की ओर से इंसाफ और सीबीआई जांच के नाम पर उत्तराखंड के लोगों को झुनझुना थमाया गया है, जो बेहद ही दुखद और शर्मनाक है। इंटक जिलाध्यक्ष उदय सिंह पुंडीर ने कहा कि अंकिता के परिजनों को इंसाफ में अब और देरी को सहन नहीं किया जाएगा। बेटी अंकिता को इंसाफ दिलाने के लिए हर स्तर पर लड़ाई को अब और तेज किया जाएगा। इंटक जिलाध्यक्ष ने कहा कि सीबीआई भी केंद्र एवं उत्तराखंड सरकार के दबाव में दोषियों को बचाने का कार्य कर रही है। क्योंकि सात माह होने पर भी सीबीआई एक कदम आगे नहीं बढ़ी। इस काण्ड में मुख्य आरोपी भाजपा के राष्ट्रीय एवं प्रदेश स्तरीय नेता हैं जिन्हे बचाने का कार्य किया जा रहा है। चिन्हित राज्य आंदोलनकारी समिति रजि. के संरक्षक राजेंद्र सिंह रावत ने कहा कि उत्तराखंड के लोगों के लिए इससे दुखद और शर्मनाक क्या होगा कि अपने ही प्रदेश में अपने ही प्रदेश की बेटी को इंसाफ नहीं मिल पा रहा है। सरकार की ओर से सीबीआई जांच में की जा रही जानबूझकर देरी को अब और सहन नहीं किया जाएगा। सरकार को जल्द वीआईपी का नाम भी उजागर करना चाहिए। सुरेश कुकरेती ने कहा उत्तराखंड सैन्य भूमि है, लेकिन उत्तराखंड में कैसे सोये हुए सैनिक हैं जो बात तो देश रक्षा की करते हैं, परंतु एक बेटी के न्याय के लिए आगे नहीं आ सकते। इस दौरान सीबीआई के केन्द्रीय निदेशक एवं उत्तराखंड प्रभारी देहरादून को शीघ्र न्याय के लिए ज्ञापन भी भेजा गया। इस अवसर पर महामंत्री शिव चरण बिंजौला, सभासद दिनेश नेगी, देव सिंह सामन्त, सरोज बड़थ्वाल, सुशील रावत, रामेश्वरी खंतवाल, विद्या नेगी, ज्योति प्रसाद कोटनाला, सुरेंद्र सिंह बिष्ट अध्यक्ष शिवाजी नगर, एचडी देवरानी, पिताम्बर देवरानी, हुक्म सिंह बिष्ट, जगदीश खड़ायत, सुरेश बिष्ट, जस राम ढौंडियाल, विजय सिंह रावत आजाद नगर, कुलदीप नेगी, विरेन्द्र बिष्ट, ललित पंत,चेता रावत, मालती नेगी, मुकेश चमोली, हयात सिंह रौथाण, महादेव पाण्डेय, सूरज राणा, बीएस बिष्ट, एच एस बिष्ट, सुरेंद्र सिंह बिष्ट, शुभम, रामेश्वर चंदोला, के आर बंगवाल, भरत सिंह चौहान आदि उपस्थित रहे।

पांच दिवसीय गणेश उत्सव सम्पन्न, नगर भ्रमण कर श्रद्धालुओं ने किए दर्शन

» मदरलैंड संवाददाता

रुड़की। श्री सिद्धेश्वर शिव मंदिर, सिविल लाइंस में श्री सनातन धर्म रक्षिणी सभा के तत्वाधान में आयोजित पांच दिवसीय गणेश उत्सव का शनिवार को समापन हो गया। इससे पहले शहर में श्री गणपति की भव्य शोभायात्रा निकाली गई। इसमें भारी संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। समारोह की विशेषता यह रही कि परंपरा और पर्यावरण संरक्षण का सुंदर समन्वय बनाते हुए भगवान श्री गणेश की प्रतिमा का विसर्जन नहीं किया गया, बल्कि गंगाजल से पवित्र स्नान व अभिषेक कराकर मंदिर प्रांगण में ही प्रतिमा को ससम्मान स्थापित व संपन्न कराया गया। श्री गणेश की प्रतिमा का भव्य श्रृंगार कर नगर भ्रमण हेतु आकर्षक शोभायात्रा निकाली गई। ढोल-नगाड़ों और जयकारों की गूंज के बीच शोभायात्रा में बड़ी संख्या में भाग लिया। जगह-जगह श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर गजानन का स्वागत किया। आचार्य सचिन शर्मा के मार्गदर्शन में पुरोहितों द्वारा पूरे विधि-विधान से पूजा-अर्चना एवं हवन संपन्न कराया गया। समारोह में सभा के मंत्री सौरभ भूषण शर्मा, प्रधान सोहन लाल मित्तल, उप मंत्री नवीन अग्रवाल, सदस्य अनुज शर्मा, रोहित शर्मा, आचार्य सचिन शर्मा ने कहा कि पांच दिनों तक भगवान श्री गणेश की आराधना से संपूर्ण क्षेत्र भक्तिमय बना रहा। समाज के प्रत्येक वर्ग का इस आयोजन में भरपूर सहयोग मिला। हमारी संस्कृति और धर्म का मुख्य उद्देश्य पर्यावरण और अपनी पवित्र नदियों की स्वच्छता बनाए रखना भी है, इसीलिए इस बार प्रतिमा का विसर्जन न कर गंगाजल से अभिषेक कराकर उत्सव संपन्न कराया गया है। श्री सनातन धर्म रक्षिणी सभा के मंत्री सौरभ भूषण शर्मा ने कहा कि गणेश उत्सव केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि समाज को एकता के सूत्र में पिरोने का अवसर है। श्री सिद्धेश्वर शिव मंदिर में नगर भ्रमण के दौरान जिस प्रकार नागरिकों और विभिन्न सामाजिक संस्थाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया वह सराहनीय है। विघ्नहर्ता भगवान श्री गणेश सभी नगरवासियों के जीवन में सुख, शांति और समृद्धि लाएं, यही उनकी प्रार्थना है।

डबल फाटक पर महिलाओं को किया सुरक्षा के प्रति जागरूक

» मदरलैंड संवाददाता

रुड़की। महिला सुरक्षा संकल्प अभियान के तहत शनिवार को डबल फाटक पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे इंटक जिलाध्यक्ष उदय सिंह पुंडीर ने महिलाओं को अपनी सुरक्षा के प्रति जागरूक किया। कार्यक्रम का संचालन युवा कांग्रेस महामंत्री अजय कुमार ने किया।

इंटक जिलाध्यक्ष उदय सिंह पुंडीर ने कहा कि महिलाएं आज हर क्षेत्र में पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चल रही है। किसी भी क्षेत्र में महिलाएं पीछे नहीं है। बॉर्डर पर देश की सुरक्षा का जिम्मा संभालने के साथ ही महिलाएं आसमान में हवाई जहाज उड़ा रही है, जो एक बेहद ही अच्छी बात है, लेकिन पिछले कुछ समय में महिलाओं के साथ रेप और उत्पीड़न की घटनाएं भी बढ़ी है। जिससे महिलाओं का अपनी सुरक्षा और अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होना आवश्यक है। रुड़की विधानसभा से बीएलए-1 सलमान सिद्दीकी ने महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने के साथ ही महिलाओं को पुलिस हेल्पलाइन नंबरों की भी जानकारी दी। कहा कि महिलाएं आज केवल घर की दहलीज तक सीमित नहीं रह गई है। परिवार के पालन-पोषण के लिए महिलाओं को बाहर दफ्तरों, कंपनियों में काम करना पड़ रहा है, बालिकाओं को पढ़ाई के लिए स्कूल, कालेज जाना पड़ रहा है। जिस कारण कई बार देर रात तक बाहर रहना पड़ता है। ऐसे में महिलाओं को अत्यधिक सजग रहने की आवश्यकता है। मोहम्मद चांद ने कहा कि महिलाएं अपने साथ हुए अत्याचार पर कभी चुप न रहे। महिलाओं की चुप्पी गलत मानसिकता वाले व्यक्तियों को बढ़ावा देती है। कार्यक्रम का संचालन कर रहे अजय कुमार ने कहा कि कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं को अपनी सुरक्षा के प्रति जागरूक रहकर अत्याचार के खिलाफ आवाज उठानी चाहिए। साथ ही घर में बालिकाओं को भी बैड़ टच पर जानकारी दें।

राजनीति ने लोगों को जाति, धर्म में बांटा, हमें जातिवाद से ऊपर उठकर किसान-मजदूर की बात करनी होगी: ठाकुर पूरण सिंह

संसद में महाराणा प्रताप की प्रतिमा लगाई जाए, आतंकी पाकिस्तान छोड़ भागेंगे: मांगेराम

» मदरलैंड संवाददाता

रुड़की। किसान मजदूर संगठन की ओर से शनिवार को ग्राम ठसका में महा पंचायत का आयोजन किया गया। इसमें किसान-मजदूर की समस्याओं पर मंथन किया गया। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष ठाकुर पूरण सिंह ने कहा कि जातिवाद का जहर राजनीतिक दलों से निकलकर गांव और घरों में पहुंच गया है। अब सरकार ने इसे शिक्षण संस्थानों में भेज दिया है। दुनिया में केवल दो जातियां हैं। इनमें एक गरीब और दूसरी अमीर है। हम अपने परिवार, काम-धंधे को छोड़कर जातिवाद, धर्मवाद में उलझकर रह गए हैं। हमें जातिवाद से ऊपर उठकर किसान-मजदूर एकता की बात करनी होगी। किसी-मंत्री अफसर का बेटा फौज में शामिल नहीं होता। नेता-अफसर अपने बच्चों को विदेश में पढ़ा रहे हैं और देशवासियों के लिए शिक्षा को बाजार बना दिया गया है। देशवासियों की नसों में भेदभाव का जहर भर दिया हैं। राजनीतिक दल देश के लिए नहीं अपने लिए सोच रहे हैं। 22 हजार करोड़ सुभाष चंद्रा के माफ कर दिए। अगर यह कर्ज. किसान का कर्ज माफ होता तो देश आगे बढ़ता। किसान-मजदूर का पांच हजार रुपए पर भी कनेक्शन काट दिया जाता है। मदद गांव और परिवार का व्यक्ति कर सकता है नेता नहीं। त्यागी भूमिहार सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष मांगेराम त्यागी ने कहा कि हमें अपने बच्चों को मोबाइल और नशें की लत से दूर रखना होगा। इसके लिए हमें गांव-गांव कमेटियां बनानी होगी। देश की शान वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप को आज हम भूलते जा रहे हैं। हमें अपने बच्चों को अपने इतिहास और संस्कृति के प्रति जागृत करना होगा। आरक्षण को सरकार को समाप्त करना होगा। एससी-एसटी एक्ट का बड़े स्तर पर दुरूपयोग हो रहा है। इस पर भी सरकार को कदम उठाना होगा। प्रदेश अध्यक्ष ठाकुर उदय सिंह पुंडीर ने कहा कि संगठन का मुख्य उद्देश्य किसानों-मजदूरों की समस्याओं का समाधान कराना है। सरकार ने दोनों वर्गों को मिटाने की ओर कदम बढ़ा रखे हैं। यूजीसी और आरक्षण समाप्त होना चाहिए। एडवोकेट शिवप्रकाश सिंह ने कहा कि आज हम ग्रामीण पृष्ठ भूमि से दूर होते जा रहे हैं। हमें वापस गांव की ओर लौटना होगा। सरकार सड़कों के नाम पर भी कारोबार कर रही है। सड़कों पर टोल गाड़कर वसूली की जा रही है। किसान-मजदूर संगठन किसान-मजदूर को एक मंच पर लाने का कार्य कर रहा है, जो सराहनीय है। हमें संगठन को धार देने के लिए बड़ी संख्या में जुड़ना होगा। शिवम राणा देवबंद ने कहा कि सरकार ने किसान-मजदूर दोनों को ही लाइन में लगा दिया गया है। दोनों ही आज अपने अधिकारों की रक्षा के लिए संघर्ष कर रहे हैं। अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के प्रदेश अध्यक्ष उदय सिंह पुंडीर ने कहा कि किसान-मजदूर संगठन जमीन पर कार्य कर रहा है। सरकार को जगाने की ताकत किसान-मजदूर संगठन में है। ठाकुर पूरण सिंह निरंतर किसान-मजदूर की आवाज उठा रहे हैं। इस अवसर पर ग्राम प्रधान ठसका अजयवीर सिंह, अब्दुल वहाब, चिराग पुंडीर, अंकित पुंडीर, अशोक राणा, अभय सिंह राणा, चौधरी विजेंद्र सिंह आदि मौजूद रहे।

एसडी में हुआ देशभक्ति हिंदी काव्य पाठ प्रतियोगिता का आयोजन

» मदरलैंड संवाददाता

रुड़की। एसएसडीपीसी गर्ल्स पीजी कॉलेज में राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा हिंदी पखवाड़े के अंतर्गत काव्य पाठ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कविताओं का मुख्य विषय 'देशभक्ति एवं वीर रस से ओतप्रोत' कविताएं थीं। प्रतियोगिता में छात्राओं ने देशभक्ति से ओत-प्रोत प्रसिद्ध कवियों की अमर रचनाओं के पाठ में

उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतिभागियों ने अपनी प्रस्तुतियों में 'वीरों का कैसा हो बसंत' तथा झांसी की रानी' सुभद्रा कुमारी चौहान, 'पुष्प की अभिलाषा' - माखनलाल चतुर्वेदी, 'आजादी अभी अधूरी है'-अटल बिहारी वाजपेयी 'भारत माता भारत जननी' - महादेवी वर्मा, 'द्वंद कब तक पाला जाए'-वाहिद अली वाहिद

'कलम आज उनकी जय बोल'-रामधारी सिंह दिनकर' शहीदों की चिताओं पर'-जगदंबा प्रसाद मिश्र हितैषी, 'स्वदेश' -गया प्रसाद शुक्ल सनेही आदि प्रस्तुतियों के सजीव पाठ से कुमारी महक, सालेहा, मंतशा, नीलू, वर्णिका आर्य, इंशा, शगुन, सामिया, संगीता आर्य, अक्षरा सैनी ने सभी को देशभक्ति के रंग में रंग कर मंत्रमुग्ध कर दिया। प्रोफेसर डॉ अलका आर्य एवं डॉ भारती शर्मा ने निर्णायक मंडल की भूमिका निभाई। प्राचार्या ने विजेताओं की घोषणा की। उन्होंने छात्राओं को आर्शीवचन देते हुए कहा कि इस प्रकार की कविताएं ना केवल त्याग एवं बलिदान की प्रेरणा देती हैं वरन युवा पीढ़ी के अंदर देशभक्ति का भी संचार करती हैं। जिससे युवा ना केवल अपनी जडों से जुडते हैं, वरन उनका चरित्र निर्माण भी होता है। निर्णायक मंडल से डॉ. अलका आर्य ने कहा कि देशभक्ति से भरपूर कविताएं युवाओं में निराशा को दूर कर देश के विकास में अपना योगदान देने के लिए एक नई ऊर्जा और प्रेरणा देती हैं। डॉ. भारती शर्मा ने कहा कि हिंदी मातृभाषा नहीं संवेदना भावनाओं का उद्धार है सबको जोड़ने का आधार है। कार्यक्रम का संचालन करते हुए डॉ कामना जैन ने कहा कि भारत के स्वतंत्रता संग्राम में कवियों, लेखकों का भी अतुल्य योगदान रहा है। अखबारों में अपने लेखन तथा अपनी कविताओं के माध्यम से सभी के हृदय में देशभक्ति की धार को तेज करने का कार्य किया। कार्यक्रम हिंदी काव्य जगत के उन मूर्धन्य कवियों को हिंदी पखवाड़े के अंतर्गत श्रद्धांजलि स्वरुप रहा। कार्यक्रम में डॉ अर्चना चौहान, अंजलि प्रसाद, अमिता असवाल, काजल एवं छात्राएं आदि उपस्थित रहे। प्रतियोगिता में नीलू बीए पंचम सेमेस्टर पहले, शगुन बीए तृतीय सेमेस्टर दूसरे तथा वर्णिका बीए तृतीय सेमेस्टर तीसरे स्थान पर रही। कार्यक्रम का समापन अलीशा एवं मार्शा के द्वारा कराए गए 'जय हिंद, जय भारत' के उद्घोष के साथ हुआ।

व्यापारियों की आवाज बनेगा दून वैली उद्योग व्यापार मंडल: सुनील सिंधी

» मदरलैंड संवाददाता

रुड़की। दून वेली महानगर उद्योग व्यापार मंडल रजि. द्वारा रविवार को व्यापारी सम्मेलन का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि पूर्व मुख्यमंत्री, हरिद्वार सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत, कैबिनेट मंत्री प्रदीप बत्रा और राष्ट्रीय व्यापार कल्याण बोर्ड के चेयरमैन सुनील सिंधी ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम का संचालन भाजपा जिला उपाध्यक्ष संजय अरोड़ा ने किया।

चेयरमैन सुनील सिंधी ने कहा कि व्यापारियों को संगठन के रूप में यह बड़ा मंच मिला है, जिसके माध्यम से व्यापारी अपनी आवाज को बुलंद कर सकेंगे और अपनी समस्याओं का समय रहते आसानी से समाधान करा सकेंगे। उन्होंने व्यापारियों को केंद्र सरकार द्वारा व्यापारियों के लिए चलाई जा रही योजनाओं की भी जानकारी दी। साथ ही युपीआई पर बने भ्रम को दूर किया। कहा कि छोटे कारोबारियों को इससे फायदा होगा। व्यापारी अब आनलाइन जुड़ चुका है और आज टैक्नोलॉजी का दौर है। पूर्व मुख्यमंत्री हरिद्वार सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत ने कहा कि उत्तराखंड समेत आज पूरे देश में सड़कों का जाल बिछ चुका है। इससे व्यापारियों को आवाजाही और माल ढूलान में आसानी हुई है। आज पहाड़ के हर कोने तक यातायात सेवा शुरू हो चुकी है, जिससे कारोबार भी बढ़ा है। सरकार ने विभिन्न योजनाओं के तहत अपना कारोबार करने के लिए व्यापारियों के लिए ऋण की सुविधा भी प्रदान की हुई है। कैबिनेट मंत्री प्रदीप बत्रा ने कहा कि सरकार लगातार वोकल फार लोकल और स्टार्ट अप इंडिया की दिशा में कदम बढ़ा रही है, जिससे कारोबारियों को बड़ा फायदा पहुंच रहा है। संरक्षक सचिन गुप्ता ने व्यापारियों के सामने आ रही समस्याओं को लेकर बात की। कहा कि संगठन के माध्यम से व्यापारियों की समस्याओं का समाधान संभव है। कार्यक्रम में मेयर अनिता अग्रवाल ने भी अपने विचार रखे। इस दौरान चेयरमैन सुनील सिंधी तथा प्रदेश अध्यक्ष पंकज मैसोन की ओर से संगठन में शामिल हुए पदाधिकारियों के नामों की भी घोषणा की गई। इनमें रतन लाल को प्रदेश सचिव, धर्मेंद्र चौधरी को प्रदेश सह सचिव और सौरभ अरोड़ा को लंढौरा अध्यक्ष मनोनीत किया गया। कार्यक्रम आयोजक एवं दून वैली महानगर उद्योग व्यापार मंडल रुड़की के अध्यक्ष अमित दुआ, महामंत्री देवराज पाल, कोषाध्यक्ष अमित खंडेलवाल ने सभी का धन्यवाद व्यक्त किया। इस अवसर पर संरक्षक शशिकांत अग्रवाल, नवनीत शर्मा, मेयर प्रतिनिधि ललित मोहन अग्रवाल, प्रदेश सचिव सचिन त्यागी, संगठन मंत्री विनित बालियान, मीडिया प्रभारी सतेंद्र प्रकाश, सह कोषाध्यक्ष लोमस ऋषि, राहुल अग्रवाल, अनिल सैनी विक्रम सिंह आदि मौजूद रहे।

अखिल भारतीय सनातन महाकुंभ के भव्य आयोजन हेतु हुआ निमंत्रण कार्ड का हुआ विमोचन

रुड़की में जुटेगा देशभर के शीर्ष साधू-संतों, दिग्गजों का महासमागम

» मदरलैंड संवाददाता

रुड़की। अखिल भारतीय सनातन महाकुंभ के आगामी भव्य आयोजन कों लेकर रविवार को निमंत्रण कार्ड विमोचन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम की रूपरेखा और तैयारियों को लेकर विस्तृत जानकारी साझा की गई।

अखिल भारतीय सनातन महाकुंभ का आयोजन 24 सितंबर को प्रातः 9 बजे, रामनगर, रुड़की में किया जाएगा। इस ऐतिहासिक महाकुंभ में केंद्र व राज्य सरकार के वरिष्ठ नेताओं, भाजपा के शीर्ष पदाधिकारियों और सनातन धर्म के प्रमुख संतों का पावन सानिध्य प्राप्त होगा।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथियों के रूप में पूर्व केंद्रीय शिक्षा मंत्री व पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमेश पोखरियाल 'निशंक', भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट, अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष डॉ. रविंद्र पुरी महाराज, महामंडलेश्वर स्वामी हरि चेतनानंद महाराज, महामंडलेश्वर यतींद्रानंद गिरी महाराज, कैबिनेट मंत्री मदन कौशिक एवं कैबिनेट मंत्री प्रदीप बत्रा उपस्थित रहेंगे।

इनके अतिरिक्त देशभर से प्रख्यात विद्वान एवं साधु-संत आशीर्वाद प्रदान करने रुड़की पहुंच रहे हैं, जिनमें मुख्य रूप से दिल्ली से आचार्य अनिल वत्स, जयपुर से आचार्य सुभेश शर्मा, डॉ. पवन सिन्हा 'गुरुजी', स्वामी हरिहरानंद महाराज, स्वामी वेदमूर्ति गिरी महाराज एवं स्वामी ललितानंद गिरी महाराज शामिल हैं।

कार्यक्रम अध्यक्ष पंडित रमेश सेमवाल ने कहा कि सनातन संस्कृति विश्व की प्राचीनतम और सबसे समृद्ध जीवन शैली है। अखिल भारतीय सनातन महाकुंभ का उद्देश्य सनातन धर्म के शाश्वत मूल्यों, ज्ञान और वैदिक परंपराओं को जन-जन तक पहुंचाना है। 24 सितंबर को रुड़की की धरती पर संतों का यह समागम धर्म और संस्कृति के उत्थान में एक नया मील का पत्थर साबित होगा।' कार्यक्रम संयोजक एवं भाजपा व्यावसायिक प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक सौरव भूषण शर्मा ने कहा कि अखिल भारतीय सनातन महाकुंभ की तैयारियां पूर्ण निष्ठा और भव्यता के साथ की जा रही हैं। यह केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि सनातन समाज की एकजुटता और सांस्कृतिक चेतना का विशाल मंच है। रुड़की और आसपास के क्षेत्रवासियों के लिए यह सौभाग्य का विषय है कि उन्हें इतने महान संतों और महानुभावों का मार्गदर्शन एक साथ प्राप्त होगा।

स्वागत अध्यक्ष डॉ. अर्पित सैनी ने कहा कि हम रुड़की आगमन पर देशभर से पहुंच रहे संतों, विद्वानों और सभी अतिथियों का स्वागत करने के लिए पूर्ण रूप से तत्पर हैं। उनका समस्त क्षेत्रवासियों से निवेदन है कि 24 सितंबर को प्रातः 9 बजे कार्यक्रम में पहुंचकर महाकुंभ का हिस्सा बनें और संत-महात्माओं का आशीर्वाद प्राप्त करें।

newsdesk@motherlandvoice.org
editor@motherlandvoice.org

संक्षिप्त समाचार

श्री उमेश स्मृति सेवा सम्मान से सम्मानित हुए चिकित्सा सेवी

मदरलैंड संवाददाता, मोहाली। शैल्बी हॉस्पिटल में श्री उमेश मेमोरियल ट्रस्ट द्वारा चिकित्सा सेवियों को सम्मानित किया गया। मोहाली, चंडीगढ़ में आयोजित इस कार्यक्रम में चिकित्सा सेवा में उल्लेखनीय कार्य करने हेतु वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ एच एस बेदी जी को शॉल ओढ़ाकर और श्री सुखदीप सिंह को ₹श्री उमेश स्मृति सेवा सम्मान₹ से सम्मानित किया गया। श्री एच एस बेदी पंजाब हरियाणा के चिकित्सा जगत में एक बड़ा नाम हैं। वे समय-समय पर हृदय रोग के बारे में जागरुकता का प्रसार भी करते रहते हैं। श्री सुखदीप सिंह की सेवा भावना के लोग कायल हैं। अनेक मरीजों को उन्होंने अपनी चिकित्सा सेवा से स्वस्थ किया है। श्री उमेश मेमोरियल ट्रस्ट विभिन्न क्षेत्रों में सक्रिय लोगों के विशिष्ट एवं उल्लेखनीय योगदान के लिए लोगों को सम्मानित कर उत्साहित करती है ताकि लोग दुगने उत्साह से काम करें और अपनी उत्कृष्ट सेवाएं देना जारी रखें।

खेती की जमीन बचाने और बच्चों को डिजिटल लत से दूर रखने के लिए अभियान शुरू करेगा फाउंडेशन

मदरलैंड संवाददाता, चंडीगढ़। प्रोग्रेसिव यूथ वेलफेयर एंड चैरिटेबल फाउंडेशन (रजि.) की ओर से चंडीगढ़ प्रेस क्लब, सेक्टर-27 बी में अध्यक्ष एडवोकेट मनमोहन की अध्यक्षता में प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई। इस दौरान जनहित से जुड़े विभिन्न सामाजिक जागरूकता अभियानों की जानकारी दी गई। फाउंडेशन ने पंजाब में कृषि भूमि के संरक्षण की आवश्यकता पर जोर देते हुए प्रत्येक गांव में कम से कम 50 प्रतिशत भूमि कृषि कार्यों के लिए आरक्षित रखने की मांग उठाई। फाउंडेशन के अनुसार तेजी से हो रहे शहरीकरण के कारण कृषि भूमि का आवासीय, औद्योगिक एवं व्यावसायिक उपयोग बढ़ रहा है, जिससे भविष्य में खाद्य सुरक्षा और पर्यावरण पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। इस संबंध में मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपने की बात कही गई। इसके अलावा 10 से 12 वर्ष तक के बच्चों के मोबाइल फोन और सोशल मीडिया के अत्यधिक उपयोग को नियंत्रित करने के लिए जागरूकता अभियान शुरू करने की घोषणा की गई। फाउंडेशन अभिभावकों और स्कूलों को बच्चों के लिए मोबाइल के सीमित एवं उद्देश्यपूर्ण उपयोग के प्रति जागरूक करेगा तथा उन्हें हानिकारक डिजिटल सामग्री से बचाने पर जोर देगा। फाउंडेशन की ओर से 23 अक्टूबर 2026 को शाम 5 से रात 9 बजे तक टैगोर थिएटर में ह्लपर्यावरण बचाओ, पृथ्वी बचाओ, पानी बचाओह्व विषय पर सामाजिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में पौधारोपण, पर्यावरण संरक्षण और नशामुक्त समाज जैसे विषयों के साथ सांस्कृतिक नृत्य एवं गायन प्रस्तुतियां भी होंगी। इस अवसर पर महासचिव एडवोकेट हरसिमरन जीत सिंह ने अभियान की जानकारी साझा की।

खरीफ फसल के पंजीकरण के लिए 21 से 27 सितंबर तक फिर खुलेगा 'मेरी फसल मेरा ब्यौरा' पोर्टल : डॉ. यतेंद्र राव

विजय कौशिक, मदरलैंड संवाददाता, नारनौल। भाजपा जिला महेंद्रगढ़ अध्यक्ष डॉ. यतेंद्र राव ने कहा कि प्रदेश सरकार ने किसानों को राहत देते हुए खरीफ फसल के लिए 'मेरी फसल, मेरा ब्यौरा' पोर्टल को दोबारा खोलने का निर्णय लिया है। उन्होंने बताया कि जो किसान किसी कारणवश पहले पोर्टल पर अपनी खरीफ फसल का पंजीकरण नहीं करवा पाए थे, वे कल 21 सितंबर से 27 सितंबर तक दोबारा पंजीकरण करवा सकते हैं। 'मेरी फसल मेरा ब्यौरा' पोर्टल का उद्देश्य किसानों को विभिन्न सरकारी योजनाओं एवं कृषि सुविधाओं का लाभ उपलब्ध करवाना है। डॉ. यतेंद्र राव ने कहा कि किसानों को इस अवसर का लाभ उठाते हुए निर्धारित अवधि में अपनी फसल का पंजीकरण अवश्य करवाना चाहिए, ताकि उन्हें फसल बिक्री सहित सरकार की किसान हितैषी योजनाओं का लाभ लेने में परेशानी न हो। उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ चुनाव के परिणामों का उल्लेख करते हुए कहा कि एबीवीपी ने अध्यक्ष, सचिव और संयुक्त सचिव के तीन प्रमुख पदों पर जीत दर्ज की है, जबकि उपाध्यक्ष पद पर निर्दलीय उम्मीदवार विजयी रहे। अध्यक्ष पद पर एबीवीपी के यश डबास ने जीत दर्ज की। डॉ. यतेंद्र राव ने कहा कि इन चुनाव परिणामों से छात्र राजनीति में एबीवीपी की स्थिति और युवाओं के मुद्दों को लेकर उसकी सक्रियता सामने आई है। उन्होंने कहा कि हाल के दिनों में कांग्रेस द्वारा युवाओं को लेकर चलाए गए राजनीतिक अभियानों के बीच दिल्ली विश्वविद्यालय के चुनाव परिणामों ने छात्र राजनीति की एक अलग तस्वीर प्रस्तुत की है। उन्होंने कहा कि युवा जागरूक और समझदार हैं तथा वे अपने मुद्दों और विचारों के आधार पर निर्णय लेते हैं। युवाओं को किसी भी प्रकार के राजनीतिक बहकावे के बजाय तथ्यों और नीतियों के आधार पर अपना मत बनाना चाहिए।

साहित्य भाषाओं की सीमाएं नहीं, दिलों के बीच संवाद स्थापित करता है : प्रेम विज

● 'कई रंग जिंदगी के- 6' त्रिभाषी काव्य-संग्रह का भव्य विमोचन; हिंदी, पंजाबी और अंग्रेजी साहित्य को एक मंच पर लाने का प्रयास सराहा

» मदरलैंड संवाददाता

चंडीगढ़। संगीता साहित्य संगम की ओर से शनिवार को म्यूज़ियम आर्ट गैलरी सभागार, सेक्टर-10, चंडीगढ़ में आयोजित गरिमापूर्ण साहित्यिक समारोह में हिंदी, पंजाबी और अंग्रेजी भाषाओं में रचित त्रिभाषी काव्य-संग्रह 'कई रंग जिंदगी के-6' का भव्य विमोचन किया गया। समारोह में साहित्य, समाजसेवा, पत्रकारिता और शिक्षा जगत से जुड़े प्रतिष्ठित व्यक्तित्वों ने शिरकत की तथा बहुभाषी साहित्य-सृजन को समय की महत्वपूर्ण आवश्यकता बताया।

पुस्तक का विमोचन प्रसिद्ध समाजसेवी के. के. शारदा, चंडीगढ़ साहित्य अकादमी के पूर्व सचिव एवं वरिष्ठ साहित्यकार प्रेम विज, प्रख्यात शायर एवं साहित्यकार शम्स तबरेजी तथा प्रख्यात साहित्यकार, शिक्षाविद् एवं वरिष्ठ पत्रकार डॉ. विनोद कुमार शर्मा ने संयुक्त रूप से किया। कार्यक्रम की आयोजक एवं संपादक डॉ. संगीता शर्मा कुंद्रा 'गीत' रहीं। समारोह को संबोधित करते हुए के.के. शारदा ने कहा कि साहित्य समाज को संवेदनशील बनाने और लोगों को आपस में जोड़ने का प्रभावी माध्यम है। हिंदी, पंजाबी और अंग्रेजी जैसी तीन भाषाओं की रचनाओं को एक संग्रह में प्रस्तुत करना साहित्यिक विविधता और आपसी संवाद की भावना को मजबूत करता है। प्रेम विज ने कहा कि साहित्य तभी सार्थक होता है जब वह जीवन, समाज और मानवीय संवेदनाओं से जुड़ता है। बहुभाषी साहित्य अलग-अलग भाषाई समुदायों के बीच विचारों और भावनाओं के आदान-प्रदान का अवसर प्रदान करता है। शम्स तबरेजी ने अपने संबोधन में कहा कि कविता मनुष्य की अनुभूतियों और संवेदनाओं को प्रभावशाली ढंग से व्यक्त करने वाली विधा है। डॉ. विनोद कुमार शर्मा ने कहा कि भाषा अभिव्यक्ति का माध्यम है, जबकि साहित्य मनुष्य को मनुष्य से जोड़ने वाली संवेदना है। उन्होंने कहा कि हिंदी, पंजाबी और अंग्रेजी को एक साथ लेकर चलने वाला यह काव्य-संग्रह भाषाई विविधता में साहित्यिक एकता का सुंदर उदाहरण है। इस पुस्तक में देश के विभिन्न राज्यों से सम्मिलित कवित्रियों डॉ.किरण आहूजा, डॉ. निशी मोहन, अनुपमा सेठी 'अनुवी', त्रिशला गोयल, सरोज वर्मा 'नेहा', सोनिका कलरा, किरण सेतिया ने अपनी कविताओं की प्रस्तुति दी। कवियत्री विमला गुगलानी ने भी अपनी कविता प्रस्तुति दी और कहा कि मैं भी इस श्रृंखला के कि पिछले संग्रह से जुड़ी रही हूँ। आयोजक एवं संपादक डॉ. संगीता शर्मा कुंद्रा ह्यगीतह्न ने सभी अतिथियों, रचनाकारों और साहित्य-प्रेमियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संगीता साहित्य संगम का उद्देश्य साहित्य की विभिन्न भाषाओं और विधाओं को एक साझा मंच प्रदान करना है।

मनीमाजरा में प्रतिनिधिमंडल ने एसएचओ कुलदीप कुमार से की मुलाकात

» मदरलैंड संवाददाता

चंडीगढ़। मनीमाजरा में एक प्रतिनिधिमंडल ने थाना प्रभारी एसएचओ कुलदीप कुमार से मुलाकात कर क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं तथा लोगों को आ रही परेशानियों को लेकर विस्तार से चर्चा की। एसएचओ कुलदीप कुमार ने प्रतिनिधिमंडल की समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुना और उनके जल्द समाधान का भरोसा दिलाया।

इस अवसर पर समाजसेवी कुलवंत जग्गा ने मनीमाजरा थाना पुलिस द्वारा नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान की सराहना की। उन्होंने कहा कि डीजीपी प्रीत सागर हुड्डा के नेतृत्व में पूरे

● नशे के खिलाफ पुलिस अभियान को सहयोग देने का दिया आश्वासन

चंडीगढ़ में नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान को उनका पूरा समर्थन है। उन्होंने कहा कि नशे के खिलाफ इस मुहिम को सफल बनाने के लिए पुलिस को हर संभव सहयोग दिया जाएगा।

कुलवंत जग्गा ने एसएचओ कुलदीप कुमार को आश्वस्त किया कि क्षेत्र के लोग भी नशे के खिलाफ जागरूकता बढ़ाने और पुलिस के साथ सहयोग करने में अपनी भूमिका निभाएंगे।

राधा अष्टमी पर महिलाओं ने भजनों से बांधा समा

» मदरलैंड संवाददाता

कनीना। कनीना में लाल शिवलाल धर्मशाला में आयोजित गणपति उत्सव के आठवें दिन गणपति महाराज की पूजा-अर्चना धूमधाम एवं श्रद्धा के साथ की गई। इस दौरान धर्मशाला में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे और भगवान गणेश की विधिवत पूजा कर सुख-समृद्धि की कामना की। राधा अष्टमी के अवसर पर महिला श्रद्धालुओं ने भजन-कीर्तन प्रस्तुत कर वातावरण को भक्तिमय बना दिया।

कार्यक्रम में अतरलाल ने भी शिरकत की। उन्होंने कहा कि भगवान गणेश को बुद्धि, विवेक और ज्ञान का दाता माना जाता है। किसी भी शुभ कार्य से पहले भगवान गणेश का स्मरण करने की परंपरा है। उन्होंने कहा कि गणेश जी विघ्नों को दूर करने वाले देवता हैं और उनकी आराधना से मनुष्य को सकारात्मक ऊर्जा तथा बुद्धि की प्रेरणा मिलती है।

राधा अष्टमी के अवसर पर महिला श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीकृष्ण और राधारानी की महिमा से जुड़े भजनों की प्रस्तुति दी। भजनों पर श्रद्धालु भाव-विभोर नजर आए। गणपति महाराज के जयकारों से धर्मशाला परिसर भक्तिमय हो गया।

आयोजकों ने बताया कि गणपति उत्सव के दौरान प्रतिदिन धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। श्रद्धालु बड़ी संख्या में पहुंचकर गणपति महाराज के दर्शन कर रहे हैं और परिवार की सुख-शांति एवं समृद्धि की प्रार्थना कर रहे हैं। कार्यक्रम के अंत में श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया।

तिहाड़ के अनुभव ने कला और आजादी को देखने का नजरिया बदला: महमूद फारूकी

» मदरलैंड संवाददाता

चंडीगढ़। लेखक, दास्तानगो और रंगकर्मी महमूद फारूकी ने कहा कि तिहाड़ जेल में बिताए समय ने उन्हें कला, रचनात्मकता और व्यक्तिगत स्वतंत्रता को एक अलग नजरिए से देखने का अवसर दिया। उन्होंने कहा कि जेल में रहने के दौरान स्वतंत्रता की अहमियत और कला की भूमिका को उन्होंने पहले से कहीं अधिक गहराई से महसूस किया।

फारूकी यहां द एल्सवेयर फाउंडेशन और यूटी चंडीगढ़ एजुकेशन काउंसिल द्वारा आयोजित अपनी चर्चित पुस्तक 'द तिहाड़ प्लेयर्स' के विमोचन और संवाद सत्र में थिएटर निर्देशक एवं पद्मश्री सम्मानित नीलम मान सिंह से बातचीत कर रहे थे। कार्यक्रम का आयोजन सेक्टर 10 स्थित गवर्नमेंट म्यूजियम ऑडिटोरियम में किया गया।

फारूकी ने बताया कि तिहाड़ में बिताया समय उनके लिए केवल व्यक्तिगत संघर्ष का दौर नहीं था, बल्कि इसने उन्हें समाज, व्यवस्था और अपनी रचनात्मक यात्रा को नए सिरे से समझने का मौका दिया। उन्होंने कहा कि जेल में रहने के दौरान उन्हें अपनी स्वायत्तता और आजादी के

महत्व का अहसास हुआ और कला तथा रचनात्मकता को देखने का उनका नजरिया भी बदला।

'द तिहाड़ प्लेयर्स' में फारूकी ने दिल्ली की तिहाड़ जेल में एक अंडरट्रायल कैदी के रूप में बिताए वर्षों और वहां शुरू की गई ड्रामा क्लास के अनुभवों को दर्ज किया है। रोजमर्रा के अनुभवों को दर्ज करते हुए यह लेखन आगे चलकर पुस्तक का रूप लिया।

फारूकी ने बताया कि जेल में रहते हुए उन्होंने ऑस्कर वाइल्ड और दोस्तोयेव्स्की से लेकर महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू और मैल्कम एक्स तक के जेल लेखकों को पढ़ा। इन लेखकों ने उन्हें अपने अनुभवों को व्यापक संदर्भ में देखने में मदद की।

इस दौरान पूर्व तिहाड़ कैदियों द्वारा प्रस्तुत ह्यतिहाड़ ड्रामा क्लासह्न का भी उल्लेख हुआ, जिसने जेल में थिएटर के उनके अनुभव को जीवंत रूप दिया था। फारूकी ने बताया कि कहानी और थिएटर ने जेल की कठोर परिस्थितियों के बीच संवाद और मानवीय जुड़ाव के लिए एक अलग जगह बनाई।

नीलम मान सिंह ने कहा कि उन्हें पुस्तक की सबसे खास बात यह लगी कि तिहाड़ जैसी सख्त जेल की परिस्थितियों में भी कहानी कहने और थिएटर ने लोगों में इंसानियत और गरिमा को बनाए रखने का काम किया। उन्होंने कहा कि दास्तानगोई की सहज और सीधे संवाद वाली शैली कलाकार और दर्शक के बीच एक मजबूत जुड़ाव बनाती है।

कार्यक्रम के अंत में द एल्सवेयर फाउंडेशन के सह-संस्थापक सुकांत दीपक, पारुल और नागिना ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर काउंसिल की अध्यक्ष अनुराधा सेखरी भी उपस्थित रहीं।

ट्रिनिटी हॉस्पिटल, जीरकपुर ने ऑर्थोपेडिक क्षेत्र में बड़ी उपलब्धि हासिल की, क्षेत्र में पहली बार रोबोट की मदद से दोनों घुटनों का प्रत्यारोपण सफलतापूर्वक किया

» मदरलैंड संवाददाता

मोहाली। ट्रिनिटी अस्पताल, जीरकपुर ने आधुनिक हड्डी रोग उपचार के क्षेत्र में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। अस्पताल में क्षेत्र में पहली बार रोबोटिक तकनीक की मदद से दोनों घुटनों का सफल जॉइंट रिप्लेसमेंट किया गया।

इस महत्वपूर्ण सर्जरी में दोनों घुटनों के जोड़ एक साथ बदले गए। यह प्रक्रिया विशेषज्ञ सर्जिकल टीम ने डॉ. मोहिंदर कौशल के नेतृत्व में की। इस दौरान डॉ. ललित, डॉ. साहिल और डॉ. मुकुल ने भी महत्वपूर्ण सहयोग दिया।

यह उपलब्धि ट्रिनिटी हॉस्पिटल द्वारा अत्याधुनिक कंप्यूटर आधारित स्पाइन नेविगेशन सिस्टम की सफल शुरूआत के कुछ ही समय बाद हासिल हुई है। इससे ऑर्थोपेडिक और स्पाइन सर्जरी के क्षेत्र में आधुनिक तकनीक अपनाने पर अस्पताल के लगातार फोकस का पता चलता है।

रोबोट की मदद से की जाने वाली घुटना प्रत्यारोपण सर्जरी, जोड़ प्रत्यारोपण के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण आधुनिक तकनीक है। यह तकनीक सर्जनों को इंप्लांट को सही स्थान पर लगाने, मरीज के अनुसार घुटने का सही संतुलन बनाने और आसपास के मुलायम ऊतकों का बेहतर संतुलन बनाए रखने में मदद करती है। सही मरीजों में इस तकनीक की मदद से सर्जरी के परिणाम अधिक बेहतर और अनुमान के अनुसार हो सकते हैं तथा मरीज को ठीक होने में भी मदद मिल सकती है।

इस उपलब्धि पर डॉ. मोहनिंदर कौशल ने कहा, 'हमारे कंप्यूटर आधारित स्पाइन नेविगेशन सिस्टम की सफल शुरूआत के बाद रोबोट की

● यह महत्वपूर्ण उपलब्धि अस्पताल में उन्नत कंप्यूटर आधारित स्पाइन नेविगेशन तकनीक की सफल शुरूआत के बाद हासिल हुई है।

मदद से दोनों घुटनों के प्रत्यारोपण की यह उपलब्धि ट्रिनिटी हॉस्पिटल की इस प्रतिबद्धता को दर्शाती है कि क्षेत्र के मरीजों को आधुनिक सर्जिकल तकनीक और अधिक सटीक ऑर्थोपेडिक उपचार उपलब्ध कराया जाए।'

दोनों घुटनों की सफल सर्जरी से ट्रिनिटी अस्पताल में रोबोटिक जॉइंट रिप्लेसमेंट, आर्थोस्कोपी, स्पाइन एंडोस्कोपी और स्पोर्ट्स इंजरी के इलाज के क्षेत्र में विशेषज्ञता और मजबूत हुई है।

तकनीक, विशेषज्ञ चिकित्सा सेवाओं और मरीजों की जरूरतों को प्राथमिकता देते हुए ट्रिनिटी अस्पताल, जीरकपुर का लक्ष्य उत्तर भारत में आधुनिक हड्डी और रीढ़ की देखभाल के लिए एक प्रमुख केंद्र के रूप में अपनी पहचान बनाना है।

विलेज स्पोर्ट्स फेस्टिवल शुरू, पंजाब के 25 हजार से अधिक ग्रामीण खिलाड़ी दिखाएंगे दमखमटूनार्मेंट का फाइनल नवंबर में मोहाली में होगा

» मदरलैंड संवाददाता

चंडीगढ़। लोकप्रिय पंजाबी गायक और अभिनेता रंजीत बावा ने कल्लेवाल पीडीसी स्पोर्ट्स ग्राउंड, माजरी (खरड़-कुराली बाईपास) में विलेज स्पोर्ट्स फेस्टिवल 2026 का उद्घाटन किया। इसके साथ ही पंजाब के प्रमुख ग्रामीण खेल आयोजनों में शामिल इस फेस्टिवल के तीसरे संस्करण की शुरूआत हुई।

राउंडग्लास फाउंडेशन की ओर से आयोजित इस फेस्टिवल में पंजाब के गांवों से 25 हजार से अधिक युवा खिलाड़ी और 2,000 से ज्यादा टीमें फुटबॉल और वॉलीबॉल प्रतियोगिताओं में हिस्सा ले रही हैं। टूनार्मेंट के मुकाबले राज्य के अलग-अलग चरणों में होंगे और इसका ग्रैंड फिनाले नवंबर में मोहाली में आयोजित किया जाएगा।

फेस्टिवल का उद्देश्य गांवों में खेलों को बढ़ावा देना और ग्रामीण युवाओं को खेल के माध्यम से आगे बढ़ने, अपनी प्रतिभा दिखाने और प्रतिस्पर्धा करने के बेहतर अवसर उपलब्ध कराना है। इसके जरिए युवाओं में टीम भावना, अनुशासन, आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता विकसित करने पर भी जोर दिया जा रहा है।

उद्घाटन अवसर पर रंजीत बावा ने कहा की राउंडग्लास फाउंडेशन पंजाब के गांवों तक खेलों को पहुंचाने और युवाओं के लिए सकारात्मक अवसर पैदा करने का अच्छा काम कर रहा है। हर गांव तक खेलों को ले जाने का उनका प्रयास युवाओं को खेलों से जोड़े रखने और उन्हें दूसरी तरह के भटकाव से दूर रखने में मदद कर सकता है। इसके साथ ही, स्थानीय प्रजातियों के पेड़ लगाकर पंजाब को हरा-भरा बनाने का काम भी उतना ही महत्वपूर्ण है। पर्यावरण और युवाओं, दोनों के लिए किए जा रहे ये प्रयास एक मजबूत पंजाब के निर्माण में योगदान दे रहे हैं और पंजाब का नाम दुनिया के मंच पर आगे ले जाने में मदद कर रहे हैं।'

वर्ष 2018 से राउंडग्लास फाउंडेशन ने पंजाब के 3,800 से अधिक गांवों में काम किया है। इसके कार्यक्रम युवाओं के विकास, पर्यावरण, स्वास्थ्य, शिक्षा और टिकाऊ आजीविका जैसे क्षेत्रों पर केंद्रित हैं। इसके ग्रामीण खेल कार्यक्रम के तहत 1,600 से अधिक स्पोर्ट्स सेंटर स्थापित किए गए हैं, जहां 43 हजार से अधिक बच्चे फुटबॉल और वॉलीबॉल से जुड़े हैं।

इसके अन्य सामाजिक कार्यक्रमों में स्थानीय प्रजातियों के पेड़ लगाना, गांवों में कचरा प्रबंधन, योग एवं स्वास्थ्य कार्यक्रम, प्राकृतिक और टिकाऊ खेती को बढ़ावा देना तथा बच्चों के लिए लर्निंग सेंटर स्थापित करना शामिल है।

राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थान पानीपत में छात्राओं को नशे के दुष्परिणामों के प्रति किया जागरूक

नशे को नष्ट कर राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं बेटियां : डॉ. अशोक कुमार वर्मा

» वंदना गुप्ता, मदरलैंड संवाददाता

पानीपत। हरियाणा राज्य नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के अतिरिक्त पुलिस महानिरीक्षक संजय कुमार के मर्गदर्शन में प्रदेशभर में नशे के विरुद्ध तीन प्रकार से व्यापक स्तर पर कार्य किये जा रहे हैं। प्रथम परिवर्तन, दूसरा जागरूकता और तीसरा पुनर्वास। इसी अभियान के अंतर्गत जन जागरूकता को भी महत्व दिया जा रहा है ताकि कोई युवा अज्ञानता के कारण नशे की दलदल में न चला जाये। ब्यूरो द्वारा विशेष रूप से जागरूकता कार्यक्रम एवं पुनर्वास प्रभारी के रूप में उप निरीक्षक डॉ. अशोक कुमार वर्मा को नियुक्त किया हुआ है जो साइकिल से प्रतिदिन हरियाणा के विभिन्न जिलों में पहुंचकर युवाओं को नशे के विरुद्ध जागरूक कर रहे हैं। इसी क्रम में आज डॉ. अशोक कुमार वर्मा राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थान, पानीपत पहुंचे। संस्थान के छात्रावास की लगभग एक सौ तीस छात्राओं तथा 5 महिला प्रशिक्षिकाओं की उपस्थिति में नशे के विरुद्ध जागरूकता कार्यक्रम किया गया। संस्थान की मुख्य प्रशिक्षिका बबीता की अध्यक्षता में यह कार्यक्रम हुआ। डॉ. अशोक कुमार वर्मा ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि नशा एक प्रकार का व्यसन है, जो व्यक्ति के स्वास्थ्य, शिक्षा, परिवार, रोजगार और सामाजिक जीवन को प्रभावित करता है। युवतियां और महिलाएं समाज के निर्माण में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। इसलिए उन्हें स्वयं नशे से दूर रहने के साथ-साथ अपने परिवार, मित्रों और समाज को भी नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करना चाहिए। उन्होंने कहा कि आज नारी शिक्षा, विज्ञान, प्रशासन, खेल, चिकित्सा और प्रत्येक क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का परिचय दे रही है। ऐसे समय में महिलाओं और युवतियों की भूमिका केवल अपने विकास तक सीमित नहीं है, बल्कि वे नशामुक्त समाज के निर्माण की सशक्त प्रहरी भी बन सकती हैं। उन्होंने छात्राओं से आह्वान किया कि वे नशे के विरुद्ध जागरूकता का संदेश अपने घर और समाज तक पहुंचाएं। डॉ. वर्मा ने कहा कि नशे की समस्या केवल किसी एक व्यक्ति की समस्या नहीं है, बल्कि यह परिवार और समाज को प्रभावित करने वाली गंभीर समस्या है। इसलिए इसके विरुद्ध जनभागीदारी अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने छात्राओं को नशे से दूर रहने, नशे के अवैध व्यापार की सूचना देने तथा आवश्यकता पड़ने पर नशा ग्रस्त व्यक्ति को उपचार एवं पुनर्वास की दिशा में सहयोग करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि नशा छोड़ने के इच्छुक व्यक्ति को तिरस्कार नहीं, बल्कि सहयोग, उपचार और सही मार्गदर्शन की आवश्यकता होती है। परिवार को भी ऐसे व्यक्ति का मनोबल बढ़ाना चाहिए और उसे चिकित्सकीय एवं पुनर्वास सेवाओं से जोड़ना चाहिए। कार्यक्रम के अंत में डॉ. अशोक कुमार वर्मा ने छात्राओं एवं प्रशिक्षिकाओं को नशे से सदैव दूर रहने तथा अपने आसपास के लोगों को भी नशे के विरुद्ध जागरूक करने की शपथ दिलाई। उन्होंने सभी से आह्वान किया कि यदि किसी व्यक्ति को नशे के संबंध में जानकारी हो अथवा कोई व्यक्ति नशा छोड़ना चाहता हो, तो राष्ट्रीय नारकोटिक्स हेल्पलाइन 1933 पर संपर्क करें। हरियाणा में नशे से संबंधित सूचना अथवा सहायता के लिए 9050891508 पर भी संपर्क किया जा सकता है। डॉ. अशोक कुमार वर्मा ने छात्राओं को संदेश दिया– 'नशा छोड़ो, आगे बढ़ो; स्वस्थ युवा ही सशक्त समाज और मजबूत राष्ट्र का निर्माण करते हैं।' 'नशा होता अच्छा- माँ कहती खा बच्चा।'

फैसले से आहत व्यक्ति का कनीना न्यायालय परिसर में हंगामा

» मदरलैंड संवाददाता

● बिजली संबंधित मामला था न्यायालय परिसर में, शुक्रवार को हुआ था अंतिम फैसला

● जज पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाते हुए नारे लगाए

कनीना। कनीना में सिविल कोर्ट परिसर में शनिवार सुबह एक व्यक्ति ने जमकर जज के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और भ्रष्टाचार के आरोप लगाए। इस घटनाक्रम के बाद परिसर में अफरा तफरी मच गई। मामले की सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन मौके पर पहुंच गया और उक्त व्यक्ति को हिरासत में लिया। मिली जानकारी के अनुसार बाघोत वासी कैलाश पुजारी का बिजली से संबंधित मामला कोर्ट में विचाराधीन था। उसकी शुक्रवार को सुनवाई थी सुनवाई के दौरान फैसला कैलाश पुजारी के खिलाफ आ गया। फैसले से नाराज व्यक्ति ने शनिवार सुबह जमकर नारेबाजी की। कैलाश पुजारी ने बताया कि बिजली विभाग द्वारा 2018 में कनेक्शन काट दिया गया था। उसके बाद से मामला कोर्ट

में चल रहा था। न्यायालय द्वार पर चल रहे प्रदर्शन की सूचना जब पुलिस को मिली तो उनके हाथ पांव फूल गए और तुरंत परिसर में पहुंचे। इसके बाद पुलिस ने कड़ी मसक्कत के बाद कैलाश पुजारी को काबू किया।

संपादकीय

राहुल की इंदौर में गूंज, सफलता का श्रेय भाजपा को?

19 सितंबर को नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी इंदौर पहुंचे थे। छात्रों की गूंज कार्यक्रम को लेकर पिछले एक महीने से जो राजनीति हो रही थी उसके कारण यह कार्यक्रम आशा से अधिक सफल रहा है। यदि ऐसा कहा जाए तो कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी कि इंदौर में जो जगह राहुल गांधी के कार्यक्रम के लिए आवंटित की गई थी, उसमें शुरू से ही अड़ंगे लगाए जाते रहे हैं। इससे जुड़े घटनाक्रमों ने कार्यक्रम का एक तरह से प्रचार-प्रसार ही किया। युवा वर्ग के साथ ही सभी का ध्यान कार्यक्रम और राहुल गांधी के व्यक्तित्व की ओर खींचा। दरअसल स्थान आवंटन करने और लाखों रुपए का शुल्क जमा करने को लेकर कई दिनों तक चर्चा होती रही। मध्य प्रदेश के इतिहास में राहुल गांधी के इस कार्यक्रम के लिए सबसे ज्यादा मैदान का शुल्क इंदौर डेवलपमेंट अथॉरिटी ने वसूला है। इसके साथ ही पुलिस प्रशासन द्वारा जो 31 शर्तें लगाई गई सुरक्षा व्यवस्था को लेकर उनके दिवंगत पिता राजीव गांधी का उल्लेख किया गया। तरह-तरह से अवरोध पैदा किए गए ताकि यह कार्यक्रम ना हो पाए। इसका प्रयास भाजपा और जिला प्रशासन द्वारा किया गया। जिसके कारण यह कार्यक्रम होने के पहले ही चर्चाओं में आ गया। रही सही कसर 17 और 18 तारीख को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत की उपस्थिति में उज्जैन और इंदौर में रखे गए बड़े कार्यक्रमों ने पूरी कर दी। छात्रों की गूंज कार्यक्रम के पहले राहुल की झूठ से संबंधित एक अभियान चलाकर यह प्रयास किया गया कि इस आयोजन में छात्र शामिल न हों। पुलिस ने भी सभी कोचिंग और शिक्षण संस्थानों में इस बात के लिए दबाव बनाया कि वह शपथ पत्र दें जो छात्र राहुल गांधी के कार्यक्रम में शामिल होंगे उसकी जिम्मेदारी उनकी होगी। पिछले एक सप्ताह में जिस तरह से भाजपा और जिला प्रशासन द्वारा कार्यक्रम को रोकने अथवा असफल करने के लिए तरह-तरह के जो भी प्रयास किए गए वह सब भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ गया। राहुल गांधी जब 19 सितंबर को छात्रों की गूंज कार्यक्रम करने पहुंचे तो उसमें बड़ी संख्या में छात्र पहुंचे। आयोजन स्थल के पंडाल और उसके बाहर तथा सड़कों तक में बड़ी संख्या में लोग नजर आए। यह कहा जाने लगा कि इस तरह का आयोजन इतने सारे विरोध के बाद इंदौर में हुआ है, इसके पहले कभी भी इस तरह की स्थिति देखने को नहीं मिली। राहुल गांधी ने भी इस अवसर का लाभ उठाया। उन्होंने एक लाख स्कूल बंद, सरकारी शिक्षकों के 10 लाख पद खाली, शिक्षा का बजट 4.6 फीसदी से घटा कर 2.6 फीसदी करने जैसी अहम समस्याओं पर तो बात की ही साथ ही मंच से छात्रों ने अपनी बात खुल कर रखी। राहुल ने जमकर हमले किए, उन्होंने छात्रों से कहा सवालों से सिस्टम डरता है, सिस्टम को छात्र नहीं अंधभक्त चाहिए। उन्होंने मंच से सिस्टम में बैठे हुए छह लोगों के नाम का भी उल्लेख किया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बेटे का भी नाम लिया। उन्होंने कहा कि उसे क्रिकेट का ठेका दे दिया गया उसका कोई अनुभव नहीं था। उसके बाद भी इस सिस्टम में जो लोग लिए जा रहे हैं, वे सब छात्रों के सवालों का विरोध करते हैं। पूरे सिस्टम में भ्रष्ट लोग बैठ गए हैं। ऐसी स्थिति में उन्होंने छात्रों को हर तरीके से प्रभावित करने की कोशिश की।

केन-बेतवा: क्या नदी में वाकई बचता है पानी?

» **राज कुमार सिन्हा**

केन-बेतवा परियोजना का मूल विवाद केवल 'कितना पानी है' का नहीं, बल्कि 'किस वर्ष, किस स्थान पर, किस भरोसेमंद प्रवाह की उपलब्धता को सरप्लस माना गया है' का है। नदी की हाइड्रोलॉजी के संदर्भ में सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित सेंट्रल इम्पावर्ड कमिटी (सीईसी)की आपत्ति को समझें तो परियोजना की बुनियादी धारणा पर गंभीर सवाल खड़ा करता है। केन-बेतवा परियोजना का सरकारी हाइड्रोलॉजिकल आधार यह है कि दौधन बांध स्थल पर केन नदी का 75 प्रतिशत विश्वसनीय प्राप्ति के रूप में पानी या प्रवाह की वह मात्रा लगातार उपलब्ध रहती है जो लगभग 6,188 से 6,590 मिलियन क्यूबिक मीटर (एमसीएम) आंका गया है। इसमें विभिन्न अपस्ट्रीम आवश्यकताएं और पारिस्थितिक आवश्यकताएं घटाने के बाद सरकार लगभग 1,074 एमसीएम को सरप्लस मानती है और इसी में से पानी बेतवा बेसिन की ओर ले जाने की योजना है। इसका अर्थ यह नहीं है कि हर साल केन में इतना पानी उपलब्ध रहेगा। इसका मोटा अर्थ है कि ऐतिहासिक प्रवाह की श्रृंखला के आधार पर उस मात्रा के उपलब्ध होने की एक निश्चित विश्वसनीयता मानी गई है। लेकिन नदी का वास्तविक प्रवाह वर्ष-दर-वर्ष और मौसम-दर-मौसम बहुत बदलता है। यही वह असल बात है जहां सेंट्रल इम्पावर्ड कमिटी ने सवाल उठाया है। केन-बेतवा दोनों नदियां लगभग एक ही मानसून पर निर्भर है। केन और बेतवा दोनों का जलग्रहण क्षेत्र मुख्यतः मानसूनी वर्षा पर निर्भर है। सीईसी ने कहा था कि दोनों नदी घाटियों में औसत वर्षा लगभग 90 सेंटीमीटर है और सूखे वर्षों में वास्तविक उपलब्धता परियोजना के हाइड्रोलॉजिकल अनुमानों से काफी कम हो सकती है। इसका नदी-विज्ञान में सीधा अर्थ है कि जिस समय बेतवा को पानी की सबसे अधिक जरूरत होगी, उसी समय केन में भी पानी कम हो सकता है। अर्थात समस्या केवल शेष बार्षिक जल की नहीं है, बल्कि अस्थायी जल उपलब्धता की है ।यदि किसी वर्ष सामान्य मानसून में केन में बहुत पानी आया तो उस साल सरप्लस पानी दिखाई देगा। लेकिन यदि अगले वर्ष मानसून कमजोर हुआ और केन का प्रवाह तेजी से घट गया, तो वही सरप्लस पानी गायब हो सकता है। इसलिए नदी को केवल सालाना कुल पानी के आधार पर 'सरप्लस नदी' घोषित करना हाइड्रोलॉजिकल दृष्टि से अधूरा है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि अपर केन का पानी पहले किसके लिए है? सीईसी की आपत्ति का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा यही है। केन नदी के ऊपरी जलग्रहण क्षेत्र में अभी भी सिंचाई का विकास सीमित है। सीईसी ने कहा है कि यदि केन के उपलब्ध पानी को पहले ही लोअर केन और अपर बेतवा के लिए प्रतिबद्ध कर दिया गया, तो अपर केन बेसिन के किसानों के लिए भविष्य में छोटी सिंचाई योजनाएं विकसित करने की गुंजाइश भी सीमित हो सकती है। यानी सवाल यह नहीं है कि आज केन में सरप्लस पानी है या नहीं? बल्कि सवाल यह है कि केन के पूरे जलग्रहण की वर्तमान और भविष्य की स्थानीय जल आवश्यकता पूरी करने के बाद वास्तव में कितना पानी बचता है? सीईसी के अनुसार इस सवाल का पर्याप्त उत्तर दिए बिना केन को जल देने वाला बेसिन मान लेना जल्दबाजी है। हाइड्रोलॉजी में औसत वर्ष से ज्यादा महत्वपूर्ण है सूखा वाले वर्ष की गणना करना है। जल संसाधन परियोजनाओं में सामान्य वर्ष का जल संतुलन पर्याप्त नहीं होता है। खासकर बुंदेलखंड जैसे सूखाग्रस्त क्षेत्रों में कम प्रवाह वाले वर्ष और लगातार सूखा वर्ष ज्यादा महत्वपूर्ण है। सीईसी ने इसी पर चेतावनी दी थी कि लगभग 90 सेमी औसत वर्षा वाले दोनों जलग्रहण में सूखे वर्षों में नदी का प्रवाह अनुमान से बहुत कम हो सकता है। यही जल विज्ञान संबंधी जोखिम केन-बेतवा में केंद्रीय प्रश्न है। सरकार का कहना है कि परियोजना की जल विज्ञान पर नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हाइड्रोलाजी, रुड़की ने अध्ययन किया है और केन्द्रीय जल आयोग ने उसकी समीक्षा की है। सरकार के अनुसार 75 प्रतिशत निर्भरता पर केन में जल की मात्रा पर्याप्त है। अपस्ट्रीम आवश्यकताएं और पारिस्थितिक आवश्यकताएं निकालने के बाद भी परियोजना के लिए पानी उपलब्ध है। परन्तु 'सरप्लस' स्थायी चीज नहीं है। यह बात आज और महत्वपूर्ण हो गई है क्योंकि जलवायु परिवर्तन मानसून की स्थानिक और समयगत अनिश्चितता बढ़ा रहा है। किसी नदी में किसी एक अवधि में अत्यधिक बाढ़ का प्रवाह आना यह साबित नहीं करता कि वह नदी पूरे वर्ष या हर वर्ष सरप्लस है।इसे हाइड्रोलॉजी में प्रवाह की परिवर्तनशीलता कह सकते हैं।एक नदी में बहुत ज्यादा पानी कुछ सप्ताह के लिए बाढ़ और फिर कई महीने बहुत कम पानी दोनों घटनाएं एक ही नदी में हो सकती है।

इसलिए बाढ़ आती है तो पानी सरप्लस है और दूसरे इलाके में सूखा है तो पानी को ट्रांसफर कर दो, यह नदी प्रणाली को अत्यधिक सरल बनाना होगा। एक और महत्वपूर्ण बात यह है कि पानी की कमी केवल पानी की मात्रा की समस्या नहीं है। बुंदेलखंड की समस्या का बड़ा हिस्सा वर्षा-अपवाह सबंध (बारिश का वह अतिरिक्त पानी है, जो जमीन में अवशोषित नहीं होता है) और स्थानीय जल-संचयन से जुड़ा है। बुंदेलखंड में बारिश का बड़ा हिस्सा कुछ ही मानसूनी घटनाओं में गिरता है। यदि उस पानी को तालाबों, खेत-तालाबों, चेक डेम, रिचार्ज स्ट्रक्चर, वाटरशेड ट्रिटमेंट जैसी सिंचाई परियोजनाओं के जरिए स्थानीय स्तर पर रोका जाए तो वही वर्षा जल भूगर्भीय जल रिचार्ज स्थानीय सिंचाई में बदल सकता है।

सीईसी ने भी इस बात पर सवाल उठाया था कि क्या बड़े इंटर- बेसिन ट्रांसफर से पहले मौजूदा जल संसाधनों और परियोजनाओं को अधिक प्रभावी बनाने के विकल्पों का पर्याप्त अध्ययन किया गया है? फिर भी परियोजना क्यों आगे बढ़ रही है? जबकि विश्व मौसम विज्ञान संगठन की रिपोर्ट 'स्टेट ऑफ ग्लोबल वाटर रिसोर्सेज 2025' बताती है कि धरती का प्राकृतिक जल 'बचत खाता' तेजी से खाली हो रहा है और जल चक्र बेहद अस्थिर हो गया है। वर्ष 2025 पिछले 35 वर्षों के सबसे सूखे वर्षों में रहा है, लगभग 36 फीसदी नदी बेसिनों में सामान्य से कम प्रवाह दर्ज हुआ और लगातार सातवें साल सामान्य प्रवाह वाले बेसिन अल्पमत में रहे। यही मामला हाइड्रोलॉजी से निकलकर नीति और राजनीतिक अर्थशास्त्र का बन जाता है।

सेमीकॉन इंडिया 2026 : युवाओं और महिलाओं के लिए रोजगार से विकसित भारत की तकनीकी नींव

– यशोभूमि में तीन दिनों की वैश्विक तकनीकी साझेदारी ने भारत को सिलिकॉन से सिस्टम तक ले जाने का रोडमैप दिखाया, करीब रू1 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव और लगभग 1 लाख संभावित रोजगार अवसरों से खुली नई संभावनाएँ

» **विनोद सिंह 'तकियावाला'**

400 इंजीनियरिंग कॉलेजों और 105 स्टार्टअप को उद्योग स्तर के ईडीए डिजाइन उपकरणों तक पहुँच मिली है। यह संकेत देता है कि भारत सेमीकंडक्टर क्षेत्र में केवल उत्पादन इकाइयाँ स्थापित करने तक सीमित नहीं रहना चाहता, बल्कि डिजाइन और नवाचार की पूरी क्षमता देश में विकसित करना चाहता है।महिलाओं के लिए भी सेमीकंडक्टर उद्योग एक व्यापक अवसर क्षेत्र बन सकता है। सम्मेलन में महिला नेतृत्व और तकनीकी क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी पर विशेष चर्चा हुई। चिप डिजाइन, अनुसंधान, गुणवत्ता नियंत्रण, सॉफ्टवेयर, इलेक्ट्रॉनिक डिजाइन ऑटोमेशन, पैकेजिंग, प्रबंधन, आपूर्ति श्रृंखला, शिक्षा और स्टार्टअप जैसे क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाई जा सकती है।

दिल्ली के यशोभूमि में 17 से 19 सितंबर तक आयोजित सेमीकॉन इंडिया 2026 की गूँज केवल सेमीकंडक्टर उद्योग तक सीमित नहीं रही। तीन दिनों के इस वैश्विक सम्मेलन ने भारत की बदलती तकनीकी और आर्थिक तस्वीर को सामने रखा, जहाँ चिप अब केवल एक इलेक्ट्रॉनिक पुर्जा नहीं, बल्कि भविष्य की अर्थव्यवस्था, रोजगार, तकनीकी आत्मनिर्भरता और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला की आधारभूत शक्ति बन रही है। ह्यसिलिकॉन से सिस्टम तक : इकोसिस्टम का निर्माणह्व की अवधारणा के साथ आयोजित यह सम्मेलन उस पड़ाव का संकेत बना, जहाँ भारत नीति बनाने वाले देश से आगे बढ़कर डिजाइन, निर्माण, पैकेजिंग, परीक्षण, अनुसंधान, सामग्री, उपकरण और प्रतिभा विकास से जुड़े संपूर्ण सेमीकंडक्टर तंत्र की ओर बढ़ता दिखाई दे रहा है ।सेमीकॉन इंडिया 2026 में 600 से अधिक कंपनियों और करीब 300 अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शकों की भागीदारी रही। 52 देशों के प्रतिनिधि, 400 से अधिक अधिकारी और 150 से अधिक वक्ता इसमें शामिल हुए। जापान, दक्षिण कोरिया, मलेशिया, नीदरलैंड, सिंगापुर और स्वीडन के छह देशीय मंडप तथा 12 राज्यों की भागीदारी ने यह संकेत दिया कि भारत वैश्विक सेमीकंडक्टर मूल्य श्रृंखला में अपनी भूमिका को व्यापक बनाने के लिए अंतरराष्ट्रीय साझेदारियों को तेजी से आगे बढ़ा रहा है ।तीन दिनों की इस यात्रा को यदि क्रमवार देखा जाए तो पहला दिन नीति, निवेश और भविष्य की दिशा तय करने वाला रहा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए भारत की सेमीकंडक्टर महत्वाकांक्षा के अगले चरण का रोडमैप सामने रखा। सेमीकॉन 2.0 के तहत करीब रू1.27 लाख करोड़ के कुल परिव्यय और सेमीकंडक्टर मिशन के लिए 13.5 अरब डॉलर के समर्थन ने इस क्षेत्र को दीर्घकालिक राष्ट्रीय प्राथमिकता के रूप में स्थापित किया। डिजाइन, विनिर्माण, उन्नत पैकेजिंग, अनुसंधान एवं विकास और प्रतिभा विकास को एक साथ आगे बढ़ाने पर जोर दिया गया ।प्रधानमंत्री ने युवा चिप डिजाइनरों और विद्यार्थियों से संवाद करते हुए उन्हें भारत के सेमीकंडक्टर भविष्य में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। यही वह बिंदु है जहाँ सेमीकॉन इंडिया 2026 को भारत के युवाओं के भविष्य से जोड़कर देखने की जरूरत है। भारत की युवा आबादी केवल रोजगार खोजने वाली शक्ति नहीं, बल्कि नई तकनीक बनाने वाली प्रतिभा बन सकती है। स्टार्टअप पवेलियन, विद्यार्थी हैकाथॉन और वर्कफोर्स डेवलपमेंट जोन ने इसी दिशा को आगे बढ़ाया ।सरकारी आँकड़ों के अनुसार सेमीकॉन 2.0 के अंतर्गत पूरे सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम में करीब रू1 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव सामने आए हैं। इन प्रस्तावों से लगभग 1 लाख नए रोजगार अवसर सृजित होने की संभावना है और करीब 1 लाख तकनीशियनों को प्रशिक्षित करने की योजना बनाई गई है। यह आंकड़ा केवल नौकरी की संख्या नहीं है, बल्कि कौशल आधारित अर्थव्यवस्था की उस दिशा का संकेत है जिसमें इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स, चिप डिजाइन, पैकेजिंग, परीक्षण, मशीन संचालन, अनुसंधान, डेटा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और उन्नत विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में युवाओं के लिए नए रास्ते खुलेंगे ।भारत की चिप डिजाइन क्षमता भी तेजी से बढ़ रही है। सेमीकॉन कार्यक्रम के तहत 24 चिप डिजाइन परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है। करीब 70 हजार डिजाइन इंजीनियरों को प्रशिक्षण दिया जा चुका है। 400 इंजीनियरिंग कॉलेजों और 105 स्टार्टअप को उद्योग स्तर के ईडीए डिजाइन उपकरणों तक पहुँच मिली है। यह संकेत देता है कि भारत सेमीकंडक्टर क्षेत्र में केवल उत्पादन इकाइयाँ स्थापित करने तक सीमित नहीं रहना चाहता, बल्कि डिजाइन और नवाचार की पूरी क्षमता देश में विकसित करना चाहता है ।महिलाओं के लिए भी सेमीकंडक्टर उद्योग एक व्यापक अवसर क्षेत्र बन सकता है। सम्मेलन में महिला नेतृत्व और तकनीकी क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी पर विशेष चर्चा हुई। चिप डिजाइन, अनुसंधान, गुणवत्ता नियंत्रण, सॉफ्टवेयर, इलेक्ट्रॉनिक डिजाइन ऑटोमेशन, पैकेजिंग, प्रबंधन, आपूर्ति श्रृंखला, शिक्षा और स्टार्टअप जैसे क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाई जा सकती है। कौशल विकास, प्रशिक्षण, वित्तीय सहायता और उद्यमिता को संस्थागत समर्थन मिले तो महिला इंजीनियर, शोधकर्ता और उद्यमी इस उभरते तकनीकी क्षेत्र की महत्वपूर्ण शक्ति बन सकती हैं। दूसरे दिन सम्मेलन का केंद्र राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय साझेदारियों पर रहा। सेमीकंडक्टर विनिर्माण, सामग्री, लॉजिस्टिक्स, चिप डिजाइन, उन्नत पैकेजिंग, पावर इलेक्ट्रॉनिक्स और कार्यबल विकास से जुड़े 25 महत्वपूर्ण समझौते और सहयोग सामने आए। भारत सेमीकंडक्टर मिशन और निप्पॉन एक्सप्रेस के बीच समझौता सेमीकंडक्टर लॉजिस्टिक्स, भंडारण, सीमा शुल्क और आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स की विभिन्न तकनीकी साझेदारियों तथा टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स और एलएंडटी सेमीकंडक्टर टेक्नोलॉजीज के बीच रणनीतिक सहयोग ने विनिर्माण और उत्पाद विकास की संभावनाओं को विस्तार दिया ।अंतरराष्ट्रीय सहयोग की तस्वीर भी महत्वपूर्ण रही। भारत-अमेरिका सेमीकंडक्टर एवं इलेक्ट्रॉनिक्स इकोसिस्टम राउंडटेबल में 64 भारतीय कंपनियों और 52 अंतरराष्ट्रीय संगठनों ने भाग लिया। वाणिज्यिक साझेदारी, संयुक्त उपक्रम, अनुसंधान एवं विकास, आपूर्ति श्रृंखला और कौशल विकास जैसे विषयों पर चर्चा हुई। भारत-जापान सेमीकंडक्टर राउंडटेबल में जापान की उपकरण, सामग्री और प्रिसिजन मैन्युफैक्चरिंग क्षमता को भारत की मांग, डिजाइन प्रतिभा और बढ़ते विनिर्माण आधार से जोड़ने पर जोर दिया गया ।सिंगापुर के साथ कौशल और शिक्षा के क्षेत्र में सहयोग की दिशा भी सामने आई। एनआईईएलआईटी और सिंगापुर पॉलीटेक्निक इंटरनेशनल के बीच सेमीकंडक्टर शिक्षा, प्रशिक्षण और कौशल विकास को मजबूत करने का समझौता हुआ। एनआईईएलआईटी और टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स के बीच उद्योग के अनुरूप एटीएमपी कार्यबल तैयार करने तथा एनआईईएलआईटी और सेमी यूनिवर्सिटी के बीच प्रशिक्षण, प्रमाणन और संकाय विकास को आगे बढ़ाने की पहल हुई। सेमीकंडक्टर उद्योग के विस्तार के साथ प्रशिक्षित मानव संसाधन की मांग बढ़ने वाली है और इसलिए कौशल विकास इस पूरी यात्रा का निर्णायक आधार बनने जा रहा है ।तीसरे दिन सम्मेलन में स्वदेशी तकनीक, डीप-टेक निवेश और भविष्य के मानव संसाधन पर विशेष ध्यान दिखाई दिया। इंडीसेमिकॉन और सी-डैक द्वारा विकसित देश के पहले स्वदेशी सिस्टम-ऑन-मॉड्यूल आईएससी-वेगा-एसओएम का प्रदर्शन भारत की डिजाइन क्षमता का महत्वपूर्ण उदाहरण रहा। इसमें सी-डैक का वेगा तेजस32 प्रोसेसर और इंडीसेमिकॉन का लोरावायरलेस आरएफ मॉड्यूल एकीकृत है। यह उपलब्धि बताती है कि भारत में चिप डिजाइन अब केवल प्रयोगशाला तक सीमित नहीं है, बल्कि उत्पाद निर्माण की दिशा में भी आगे बढ़ रहा है।

डीप-टेक क्षेत्र में इंडिया डीप टेक एलायंस ने 56 भारतीय डीप-टेक कंपनियों में 263 मिलियन अमेरिकी डॉलर के निवेश की जानकारी दी। वहीं सेमी और इंडिया डीप टेक एलायंस के बीच इंडिया सेमीकंडक्टर अकादमी विकसित करने की साझेदारी का उद्देश्य उद्योग आधारित कौशल मंच तैयार करना है। कैडेंस, सीजी सेमी, डिक्सन टेक्नोलॉजीज, माइक्रोन, सिनॉप्सिस और अन्य संस्थानों की भागीदारी उद्योग तथा शिक्षा के बीच संबंधों को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण है।

भारत की इस यात्रा की आधारभूमि सेमीकॉन 1.0 ने तैयार की है। सेमीकॉन इंडिया कार्यक्रम के प्रारंभिक चरण में रू76 हजार करोड़ का परिव्यय निर्धारित किया गया था। इसके तहत 12 सेमीकंडक्टर विनिर्माण इकाइयों को मंजूरी मिली, जिनमें कुल निवेश रू1.64 लाख करोड़ से अधिक है। इनमें एक सिलिकॉन फैब, एक सिलिकॉन कार्बाइड फैब, एक गैलियम नाइट्राइड माइक्रो-एलईडी डिस्प्ले फैब और नौ एटीएमपी तथा ओएसएटी इकाइयाँ शामिल हैं। इनमें से पाँच इकाइयों ने वाणिज्यिक उत्पादन शुरू कर दिया है। यह भारत के लिए केवल घोषणा से उत्पादन की ओर बढ़ने का महत्वपूर्ण संकेत है।

पाप कर्म का फल हानिकारक है

कहहिं कबीर यह कलि है खोटी। जो रहे करवा सो निकरै टोटी।। एक छोटा सा पहाड़ी गांव था। ग्राम के सभी लोग शराब व मांस का सेवन करते थे। जो शराब नहीं पीता था, जो मांस नहीं खाता था उसे ग्राम सजा के रूप में ग्राम बाहर कर देते थे। उसी ग्राम का एक आदमी अपने संबंधी के गांव गया। ग्राम में संतजन आए हुए थे। अतः अपने समधी के साथ सत्संग में चला गया। उपदेश का जादू ऐसा कर गया कि वह तत्काल प्रभाव से शराब व मांस सेवन छोड़ दिया। गांव वापस आने पर पूरा परिवार इस दुर्व्यसन को छोड़ दिए। यह तथ्य ग्राम में फैल गई। बैठक हुई और उसे गांव बहिरा की सजा दे दी गई गांव वाले उस परिवार से कटने लगे। नाई, धोबी, नौकर आदि सब ने उसके यहां काम करना बंद कर दिया। कुछ दिन उसे जीवनयापन में अड़चन हुई परंतु धीरे-धीरे सब सामान्य हो गया। गांव के और लोग उनसे प्रभावित होकर शराब मांस छोड़ दिए। साहेब कहते हैं कि, हे अभागा मनुष्य! तुम्हें बुरे कार्य करने के लिए किसने सम्मानित किया है जो रात दिन चोरी, झूठ, नशापान, मांस खाने में आनंद मानते हो और विषयों में सुख का भ्रम पाल रहे हो आज कल में तेरा अंत हो जाएगा। जीवन भर अशुभ कार्य करते हुए इस उत्तम मानव शरीर का दुरुपयोग ही किए हो अतः मृत्यु पश्चात तुम्हारा कहां निवास होगा इसका तुम्हें होश नहीं है। राम न रमसि कौन डंड लागा। राम भजन है शुभ कार्य। शुभ कार्य छोड़कर अशुभ काम में लिप्त रहने तुम्हें किसने दंडित या गांव बहिरा किया है? साहेब कहते हैं, पाप कर्म बहुत बुरी बात है। पाप कर्म का फल हानिकारक है, पाप कर्म काटने के लिए तीर्थ जाते हो। पूजा पाठ करते हो।

केश-मुंडन कराते हो। तंत्र-मंत्र तथा पाखंड युक्त कर्म करके मुक्त होना चाहते हो। ये सब तुम्हारा भ्रम है अपने अंदर की पशुत्व को मिटाना छोड़ पशुबलि पर मुक्ति पाने का भ्रम पालते हो। साहेब कहते हैं, जीवन में जिसकी कमाई होगी उसी का फल मिलेगा।

सेवा संकल्प अभियान : जनविश्वास ही राष्ट्र निर्माण की शक्ति

» **हेमेन्द्र क्षीरसागर**

सेवा संकल्प अभियान भारतीय राजनीति में केवल एक संगठनात्मक अवसर नहीं, बल्कि सेवा, समर्पण और राष्ट्र निर्माण के संकल्प को स्मरण करने का अवसर बन चुका है। प्रत्येक वर्ष 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक भारतीय जनता पार्टी द्वारा मनाया जाने वाला यह अभियान विशेष महत्व रखता है, क्योंकि यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में सेवा-संकल्प के 25 वर्षों की यात्रा से भी जुड़ा है। नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2001 में गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में संवैधानिक दायित्व संभाला और वर्ष 2014 से देश के प्रधानमंत्री के रूप में राष्ट्र की सेवा कर रहे हैं। इस दीर्घ सार्वजनिक यात्रा में गरीब, वंचित, किसान, महिला, श्रमिक, युवा और समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाना उनके राजनीतिक चिंतन का प्रमुख आधार रहा है।

सेवा पखवाड़ा क्यों महत्वपूर्ण?

सेवा संकल्प अभियान का मूल उद्देश्य प्रधानमंत्री के जन्मदिवस को जनसेवा से जोड़ना है। इसके अंतर्गत भाजपा कार्यकर्ता समाज के विभिन्न वर्गों के बीच जाकर आशीर्वाद का दीया, स्वच्छता, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण, रक्तदान, पौधरोपण, गरीब कल्याण, जनजागरूकता और सामाजिक सहभागिता जैसी गतिविधियों में भाग लेते हैं। इसका सबसे महत्वपूर्ण संदेश यह है कि राजनीति केवल चुनाव और सत्ता प्राप्ति तक सीमित न रहे, बल्कि समाज के प्रति निरंतर उत्तरदायित्व का माध्यम बने।

जनभागीदारी का अभियान

आज के समय में जब राजनीतिक दलों से जनता की अपेक्षाएं लगातार बढ़ रही हैं, तब सेवा संकल्प संगठन और समाज के बीच संवाद का अवसर भी प्रदान करता है। किसी जरूरतमंद की सहायता, सार्वजनिक स्थान की स्वच्छता, रक्तदान, पौधा लगाना या स्वास्थ्य जागरूकता फैलाना। ये छोटे प्रयास मिलकर सामाजिक परिवर्तन की बड़ी ताकत बन सकते हैं। सेवा पखवाड़े की सार्थकता तभी है, जब यह केवल कार्यक्रमों और तस्वीरों तक सीमित न रहकर व्यवहार में सेवा-संस्कार का रूप ले।

25 वर्षों की यात्रा से सीख

नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्षों की यात्रा को यदि एक शब्द में परिभाषित किया जाए तो वह है सेवा। इस अवसर पर भाजपा कार्यकताओं के सामने भी यही चुनौती है कि वे सेवा को केवल अभियान नहीं, बल्कि अपनी कार्यसंस्कृति का हिस्सा बनाएं। लोकतंत्र में किसी भी राजनीतिक संगठन की वास्तविक शक्ति उसके कार्यकताओं और जनता के बीच संबंधों में निहित होती है। सेवा के माध्यम से यह संबंध अधिक आत्मीय और मजबूत बनाया जा सकता है।

संकल्प का अवसर

प्रधानमंत्री का जन जीवन यदि समाज के कमजोर व्यक्ति के चेहरे पर मुस्कान लाने का माध्यम बने। कोई पौधा भविष्य की हरियाली का आधार बने। किसी मरीज को रक्त मिले। किसी जरूरतमंद को सहायता मिले और किसी युवा को राष्ट्रसेवा की प्रेरणा मिले। तभी सेवा पखवाड़े की वास्तविक सार्थकता सिद्ध होगी। सेवा संकल्प अभियान इसलिए केवल 17 सितंबर से शुरू होने वाला कार्यक्रम नहीं, बल्कि सेवा से राष्ट्र निर्माण की उस सोच को मजबूत करने का अवसर है, जिसमें राजनीति का अंतिम लक्ष्य समाज और राष्ट्र का कल्याण हो। 25 वर्षों के सेवा-संकल्प का संदेश स्पष्ट है। जनसेवा ही जनविश्वास का आधार और राष्ट्र निर्माण की सबसे बड़ी शक्ति है।

युद्ध की राख से शांति का नया संसार कैसे बने?

» **ललित गर्ग**

(अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस-21 सितम्बर, 2026)

21 सितम्बर का अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस इस वर्ष ऐसे समय में आया है, जब दुनिया को शांति की सबसे अधिक जरूरत है। रूस-यूक्रेन युद्ध लंबा खिंच चुका है, पश्चिम एशिया में इजराइल-गाजा संघर्ष की मानवीय त्रासदी समाप्त नहीं हुई है और 2026 में अमेरिका-इजराइल तथा ईरान के बीच भीषण सैन्य संघर्ष ने पूरे क्षेत्र की सुरक्षा एवं वैश्विक अर्थव्यवस्था को प्रभावित किया है। ऐसे वातावरण में शांति केवल एक आदर्श या कूटनीतिक शब्द नहीं, बल्कि मानव सभ्यता के अस्तित्व की अनिवार्य शर्त बन गई है। संयुक्त राष्ट्र ने 2026 के अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस की थीम रखी है-ह्लशांति में निवेश करें-सभी के लिए, हर जगह, हर दिन।ह्व संयुक्त राष्ट्र के अनुसार शांति का अर्थ केवल युद्ध की अनुपस्थिति नहीं, बल्कि सुरक्षा, गरिमा, अवसर और सहयोग का ऐसा वातावरण है जिसमें मनुष्य भयमुक्त होकर जीवन जी सके। इस वर्ष विशेष रूप से उन ह्यरोजमर्रा के शांति-निमार्ताओंह्व को रेखांकित किया जा रहा है, जो अपने परिवार, समुदाय, विद्यालय और समाज में संवाद तथा विश्वास की नींव मजबूत करते हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग भी शांति की खोज एवं शांति की स्थापना में होना चाहिए। ब्रिक्स 2026 की अध्यक्षता करते हुए भारत ने शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व के महत्व को ही रेखांकित किया है। दुनिया की वर्तमान स्थिति इस संदेश को और महत्वपूर्ण बनाती है। रूस-यूक्रेन युद्ध के साढ़े चार वर्ष से अधिक समय बाद भी हिंसा समाप्त नहीं हुई है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार जुलाई 2026 में यूक्रेन में कम-से-कम 437 नागरिक मारे गए और 2,610 घायल हुए-मार्च 2022 के बाद किसी एक महीने में दर्ज सबसे अधिक नागरिक क्षति में से एक है। मिसाइलों, ड्रोन और हवाई हमलों ने शहरों, ऊर्जा ढांचे और सामान्य नागरिक जीवन को गंभीर रूप से प्रभावित किया है। सितंबर में अमेरिका, रूस और यूक्रेन के बीच वार्ता फिर शुरू करने की संभावनाओं पर चर्चा हुई है, लेकिन क्षेत्रीय नियंत्रण सहित कई महत्वपूर्ण प्रश्न अभी भी विवादित हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक व संपादक संजय कुमार उपाध्याय द्वारा आर. डी. प्रींटर & पब्लिशर्स, बी 48, सेक्टर 8, नोएडा, जिला गौतमबुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश-20301, से मुद्रित एवं 203 एफ 32, विजय ब्लॉक लक्ष्मी नगर, दिल्ली -11 00 92 से प्रकाशित। सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली न्यायालय में ही किया जाऐगा। संपादकः संजय कुमार उपाध्याय। मो.: 8700635881, आर.एन.आई नं. DELHIN/2019/78266

संक्षिप्त समाचार

के.नगर विद्युत कार्यालय में शौकत अली ने संभाला कनीय अभियंता का पदभार

मदरलैंड संवाददाता, पूर्णिया। के.नगर विद्युत कार्यालय में नवपदस्थापित कनीय विद्युत अभियंता शौकत अली ने शनिवार को अपना पदभार ग्रहण किया। पदभार संभालने के बाद उन्होंने क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति व्यवस्था को बेहतर बनाने तथा उपभोक्ताओं की समस्याओं का त्वरित समाधान करने की प्राथमिकता बताई।कनीय अभियंता शौकत अली ने कहा कि क्षेत्र में अनावश्यक रूप से विद्युत आपूर्ति बाधित नहीं हो, इसका विशेष ध्यान रखा जाएगा। उपभोक्ताओं की शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर निष्पादन किया जाएगा। उन्होंने उपभोक्ताओं से अपील की कि विद्युत संबंधी किसी भी समस्या की लिखित शिकायत कार्यालय में दें, ताकि उसका शीघ्र समाधान किया जा सके।उन्होंने कहा कि उपभोक्ताओं को छोटी-बड़ी समस्याओं के लिए बार-बार विद्युत कार्यालय का चक्कर नहीं लगाना पड़े, इसके लिए क्षेत्र में ही समस्याओं का जायजा लेकर समाधान का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने उपभोक्ताओं को भरोसा दिलाया कि वे पूरी ईमानदारी और निष्ठा के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करेंगे।इस अवसर पर श्रीनगर प्रखंड के कनीय विद्युत अभियंता रवि कुमार, के.नगर विद्युत कार्यालय के कार्यपालक सहायक शाहनवाज आलम, अभिषेक कुमार, सूरज कुमार समेत अन्य विद्युत कर्मी मौजूद थे।

गणपति विसर्जन को लेकर पिपरा पुलिस रही अलर्ट, शांतिपूर्ण तरीके से हुआ विसर्जन

मदरलैंड संवाददाता, सुपौल। पिपरा थाना क्षेत्र अंतर्गत पिपरा बाजार में गणेश महोत्सव के समापन के बाद रविवार को गणपति प्रतिमा का विसर्जन शांतिपूर्ण माहौल में कराया गया। विसर्जन को लेकर पिपरा पुलिस पूरे दिन अलर्ट नजर आई। किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना न हो, इसके लिए पुलिस बल की तैनाती के साथ बाजार एवं विसर्जन मार्ग पर विशेष निगरानी रखी गई। थानाध्यक्ष किशोर कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने विसर्जन जुलूस के दौरान सुरक्षा व्यवस्था एवं यातायात पर नजर बनाए रखी। पुलिस पदाधिकारी लगातार भीड़ की स्थिति का जायजा लेते रहे और लोगों से शांतिपूर्ण तरीके से विसर्जन करने की अपील की। गणेश महोत्सव में शामिल श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना के बाद गणपति बप्पा की प्रतिमा को विसर्जन के लिए ले जाया गया। पिपरा बाजार में विसर्जन के दौरान श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए पुलिस ने यातायात व्यवस्था को भी नियंत्रित रखा। पुलिस की मुस्तैदी के बीच गणपति विसर्जन शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। विसर्जन के दौरान किसी प्रकार की अप्रिय घटना की सूचना नहीं है। स्थानीय लोगों ने भी पुलिस प्रशासन की सुरक्षा व्यवस्था में सहयोग किया।

दिव्यांगजनों के जीवन को सहज और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में सेवा कार्य प्रेरणादायी- संजय सरावगी

पटना, , एजेंसी। भाजपा के बिहार प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 76वें जन्मदिवस के अवसर पर भारत विकास एवं संजय आनंद विकलांग अस्पताल में आयोजित 197वें पोलियो एवं करेक्टिव शल्य चिकित्सा तथा कृत्रिम उपकरण वितरण समारोह का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने दिव्यांगजनों से मुलाकात कर उनका हाल जाना तथा उनके अनुभवों को सुना। संजय सरावगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस को सेवा और समर्पण के अवसर के रूप में मनाया जा रहा है। समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाना ही वास्तविक सेवा है। दिव्यांगजनों को बेहतर चिकित्सा सुविधा, आवश्यक कृत्रिम उपकरण और आत्मनिर्भर बनने के अवसर उपलब्ध कराना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि ह्यदिव्यांगमुक्त बिहारह्ल के संकल्प के साथ पद्मश्री डॉ. विमल जैन एवं देशवंधु गुप्ता द्वारा वर्षों से किए जा रहे सेवा कार्य अत्यंत सराहनीय हैं। पोलियो एवं अन्य शारीरिक समस्याओं से प्रभावित लोगों के लिए शल्य चिकित्सा और कृत्रिम उपकरण उपलब्ध कराने का कार्य उनके जीवन को अधिक सहज और सुविधाजनक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि सेवा का यह भाव समाज में संवेदनशीलता और सहयोग की भावना को मजबूत करता है। उन्होंने समारोह में मौजूद दिव्यांगजनों को कृत्रिम उपकरण एवं अन्य सुविधाएं प्रदान किए जाने की पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे प्रयासों को और व्यापक बनाने की जरूरत है। कार्यक्रम में अखिल भारतीय उपाध्यक्ष (विवेकानंद केंद्र) पद्मश्री डॉ. निवेदिता रघुनाथ भिड़े, सिमेज ग्रुप ऑफ कॉलेज के डायरेक्टर डॉ. नीरज अग्रवाल, मेधा अग्रवाल, भाजपा प्रदेश मंत्री सुषमा साहू के साथ बड़ी संख्या में दिव्यांगजन एवं अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

रात 10 से सुबह 4 बजे तक 'सुपर पेट्रोलिंग', पांच अनुमंडलों में इंस्पेक्टर संभालेंगे निगरानी

» मदरलैंड संवाददाता

पूर्णिया। अपराध नियंत्रण और रात के समय पुलिस की सक्रियता बढ़ाने के उद्देश्य से पूर्णिया पुलिस ने जिले में ह्यसुपर पेट्रोलिंगह्ल व्यवस्था लागू की है। इसके तहत प्रतिदिन रात 10 बजे से सुबह 4 बजे तक विशेष रात्रि गश्ती की निगरानी पुलिस निरीक्षक स्तर के अधिकारी करेंगे। जिले के सभी पांच पुलिस अनुमंडलों में अलग-अलग अधिकारियों को इसकी जिम्मेदारी सौंपी गई है।इस व्यवस्था के तहत रात में किसी आपात स्थिति या समस्या की सूचना आम लोग संबंधित सुपर पेट्रोलिंग पदाधिकारी को सीधे दे सकेंगे। पुलिस की ओर से संबंधित अधिकारियों के मोबाइल नंबर भी सार्वजनिक किए गए हैं, ताकि जरूरत पड़ने पर लोगों को त्वरित सहायता मिल सके।सदर-1 में आरती कुमारी को जिम्मेदारी,सदर-1 अनुमंडल में केहाट, मधुबनी, मरंगा, सदर, सहायक खजांची और मुफस्सिल थाना क्षेत्र की निगरानी पुलिस निरीक्षक आरती कुमारी करेंगी।सदर-2 में राजेश रंजन सिंह संभालेंगे निगरानी।सदर-2 अनुमंडल में कसबा, जलालगढ़, केनगर, श्रीनगर और चंपानगर थाना क्षेत्र की जिम्मेदारी पुलिस निरीक्षक राजेश रंजन सिंह को दी गई है।बायसी में अमजद अली की जिम्मेदारी

बायसी अनुमंडल के बायसी, डगरुआ, अमौर, रौटा और अनगढ़ थाना क्षेत्रों में सुपर पेट्रोलिंग की जिम्मेदारी पुलिस निरीक्षक अमजद अली को सौंपी गई है।धमदाहा में राजेश कुमार रंजन करेंगे निगरानी

धमदाहा अनुमंडल में धमदाहा, मीरगंज, बड़हरा, रघुवंशनगर, भवानीपुर, रुपौली, बलिया, अकबरपुर, टिकापट्टी और मोहनपुर थाना क्षेत्रों की निगरानी पुलिस निरीक्षक राजेश कुमार रंजन करेंगे।बनमनखी में कुंदन कुमार चौधरी की तैनाती।बनमनखी अनुमंडल के बनमनखी, जानकीनगर और सरसी थाना क्षेत्रों में सुपर पेट्रोलिंग की जिम्मेदारी पुलिस निरीक्षक कुंदन कुमार चौधरी को दी गई है।पूर्णिया एसएससी डॉक्टर शौर्य सुमन ने बताया कि

ह्यसुपर पेट्रोलिंगह्ल का मुख्य उद्देश्य रात के समय पुलिस की मौजूदगी और सक्रियता बढ़ाना,अपराध पर प्रभावी अंकुश लगाना तथा जरूरत के समय आम लोगों को त्वरित पुलिस सहायता उपलब्ध कराना है। इसके माध्यम से रात्रि गश्ती को अधिक प्रभावी और जवाबदेह बनाने का प्रयास किया जा रहा है।

खेत की झोपड़ी में 70 वर्षीय बुजुर्ग की गोली मारकर हत्या, एक आरोपी गिरफ्तार

बेगूसराय, , एजेंसी। बेगूसराय जिले के बखरी थाना क्षेत्र के मक्काचक गांव में शनिवार शाम खेत की झोपड़ी में बैठे 70 वर्षीय बुजुर्ग की गोली मारकर हत्या कर दी गई। वारदात के कुछ ही घंटों के भीतर पुलिस ने मामले में नामजद तीन आरोपियों में से एक, मनोज महतो को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है। मृतक की पहचान लालो महतो के रूप में हुई है। बताया गया कि घटना के समय लालो महतो अपने भाई विष्णुदेव महतो के साथ खेत में बनी झोपड़ी में बैठे थे। इसी दौरान कुछ लोग वहां पहुंचे और पीने के लिए पानी मांगने के बहाने दोनों के पास गए। बखरी के एसडीपीओ कुंदन कुमार ने रविवार को बताया कि विष्णुदेव महतो की शिकायत के अनुसार, हमलावरों ने पहले लालो महतो से बातचीत की। बातचीत के दौरान ही आरोपियों ने अचानक पिस्तौल निकाल ली और लालो महतो को गोली मार दी। गोली लगने से उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही बखरी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। परिजनों की शिकायत के आधार पर पुलिस ने तीन नामजद आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। एसडीपीओ ने बताया कि मनोज महतो को वारदात के कुछ ही घंटों के भीतर गिरफ्तार कर लिया गया, जबकि अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।

पुरानी रंजिश में हत्या की आशंका

पुलिस के अनुसार, शिकायतकर्ता ने बताया है कि लालो महतो का गांव के कुछ लोगों के साथ लंबे समय से विवाद चल रहा था। प्रारंभिक जांच में हत्या को इसी पुरानी रंजिश से जोड़कर देखा जा रहा है। हालांकि, हत्या की वास्तविक वजह और घटना में अन्य आरोपियों की भूमिका की पुष्टि जांच पूरी होने के बाद ही हो सकेगी। पुलिस गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ कर रही है और अन्य नामजद आरोपियों की तलाश में संभावित ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है। पुलिस घटनास्थल से मिले साक्ष्यों और आरोपियों के बयानों के आधार पर पूरे घटनाक्रम की जांच कर रही है।

तेज रफ्तार पिकअप ने बाइक में मारी टक्कर, युवक की मौत, पिता गंभीर

बक्सर, , एजेंसी। बक्सर जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र में बक्सर-इटाढ़ी मुख्य मार्ग पर लालगंज के पास शनिवार शाम तेज रफ्तार पिकअप की टक्कर से बाइक सवार 25 वर्षीय युवक की मौत हो गई, जबकि उसके पिता गंभीर रूप से घायल हो गए। मृतक की पहचान बहुआरा गांव निवासी विकास मिश्रा के रूप में हुई है। हादसे में घायल उनके पिता शिवाजी मिश्रा की हालत गंभीर बताई जा रही है। उन्हें बेहतर इलाज के लिए वाराणसी रेफर किया गया है। बताया गया कि शिवाजी मिश्रा बक्सर में पीसी कॉलेज के पास कपड़े की दुकान चलाते हैं। शनिवार शाम दुकान बंद करने के बाद वह अपने इकलौते बेटे विकास के साथ बाइक से घर लौट रहे थे। इसी दौरान करीब सात बजे लालगंज के पास तेज रफ्तार पिकअप ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक सवार पिता-पुत्र सड़क पर जा गिरे और दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई। लोगों ने तत्काल दोनों घायलों को इलाज के लिए सदर अस्पताल पहुंचाया और पुलिस को घटना की सूचना दी। सदर अस्पताल में डॉक्टरों ने विकास को बचाने का प्रयास किया, लेकिन इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। वहीं, शिवाजी मिश्रा की गंभीर स्थिति को देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें बेहतर इलाज के लिए वाराणसी रेफर कर दिया गया। घटना की सूचना मिलने पर मुफस्सिल थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। पुलिस ने विकास के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

- पिकअप चालक की तलाश में जुटी पुलिस

मुफस्सिल थानाध्यक्ष शंभु भगत ने बताया कि दुर्घटना के बाद पिकअप चालक वाहन लेकर मौके से फरार हो गया। पुलिस वाहन और उसके चालक की पहचान करने में जुटी है। घटनास्थल के आसपास रहने वाले लोगों से पूछताछ की जा रही है। साथ ही पुलिस मार्ग पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने की तैयारी कर रही है, ताकि पिकअप और उसके चालक का पता लगाया जा सके। पुलिस के अनुसार, हादसे के कारणों और फरार चालक की पहचान के लिए सभी संभावित पहलुओं की जांच की जा रही है।

कोशी के कंठ से फूटा सदियों का स्वर, सुपौल में सजा भगैत का महाकुंभ

वयोवृद्ध लोक कलाकारों के सम्मान में छलकीं आंखें, हजारों कला-साधकों ने लिया हिस्सा

» मदरलैंड संवाददाता

सुपौल। जिला मुख्यालय स्थित रतन रिसॉर्ट में रविवार को कोशी की समृद्ध लोक-संस्कृति का साक्षी बना। अखिल भारतीय लोकगाथा भगैत महासभा के तत्वावधान में राष्ट्रीय लोकगाथा भगैत महासंगम-2026 का भव्य आयोजन किया गया। महासभा के संयोजक सह प्रवक्ता डॉ० अमन कुमार की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम का उद्घाटन बिहार सरकार के कला एवं संस्कृति मंत्री डॉ० प्रमोद कुमार, पूर्व केंद्रीय मंत्री देवेंद्र प्रसाद यादव एवं पिपरा विधायक रामविलास कामत ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया।

उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए कला एवं संस्कृति मंत्री डॉ० प्रमोद कुमार ने कहा कि सुपौल ने यह साबित किया है कि कोशी के कंठ में आज भी लोककला और संस्कृति की समृद्ध परंपरा जीवंत है। उन्होंने कहा कि भगैत महज लोकगायन की विधा नहीं, बल्कि बिहार की सांस्कृतिक विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा है। मंत्री ने कहा कि इस लोकविधा को संरक्षित करने के लिए इसे अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की सूची में शामिल कराने का प्रस्ताव भेजने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने आजीवन कला-साधना करने वाले लोक कलाकारों को पेंशन, राजकीय पहचान और स्थायी मंच उपलब्ध कराने की बात भी कही।

मुख्य अतिथि पूर्व केंद्रीय मंत्री देवेंद्र प्रसाद यादव ने कहा कि कोसी की धरती ने हमेशा देश और समाज को दिशा देने का काम किया है। उन्होंने भगैत को सामाजिक मूल्यों और आपसी भाईचारे की लोकपरंपरा से जोड़ते हुए इसके संरक्षण की आवश्यकता पर बल दिया।

पिपरा विधायक रामविलास कामत ने कहा कि सुपौल की धरती पर आयोजित यह आयोजन लोक कलाकारों के सम्मान और भगैत परंपरा के संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने कहा कि लंबे समय से लोकसाधना में जुटे बुजुर्ग कलाकारों को सम्मानित करना सराहनीय प्रयास है।

पूर्व विधायक प्रो. डॉ. विनोद कुमार यादवेंद्र ने कहा कि भगैत की लोकगाथाओं में सत्य, न्याय और सामाजिक सद्भाव का संदेश निहित है। ऐसी लोकपरंपराएं समाज को अपनी जड़ों से जोड़ने का काम करती हैं।

सम्मान के दौरान छलकीं बुजुर्ग कलाकारों की आंखें

समारोह का सबसे भावुक क्षण उस समय आया, जब 'बाबा धर्मराज शिरोमणि सम्मान' से वयोवृद्ध लोकगायकों को सम्मानित किया गया। सम्मान प्राप्त करते समय कई बुजुर्ग कलाकारों की आंखें छलक उठीं। वर्षों से लोकगाथा और भगैत की परंपरा को आगे बढ़ाने वाले इन कलाकारों को मंच पर अंगवस्त्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में रुदल पंजियार, श्याम पंजियार, सिकंदर यादव, ब्रह्मदेव यादव, अनंत लाल यादव, लक्ष्मी यादव, शत्रुधन यादव, कुलानंद यादव, रूबेन पंजियार सहित बड़ी संख्या में लोक कलाकार और कला-साधक मौजूद रहे। आयोजन के दौरान भगैत की पारंपरिक प्रस्तुतियों ने उपस्थित लोगों को कोशी की लोक-संस्कृति और सदियों पुरानी गाथा परंपरा से रूबरू कराया।

सूचना के अधिकार और मौलिक कर्तव्यों की दी जानकारी

» मदरलैंड संवाददाता

सुपौल। बिहार राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, पटना के निदेशानुसार रविवार को सुपौल एवं वीरपुर में सूचना का अधिकार अधिनियम तथा नागरिकों के मौलिक कर्तव्यों को लेकर विधिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम का उद्देश्य आम नागरिकों और युवाओं को उनके संवैधानिक अधिकारों एवं कर्तव्यों के प्रति जागरूक करना रहा।

सुपौल क्षेत्र के कज्हा, थाना लोखा में आयोजित कार्यक्रम में ग्रामीणों को सूचना का अधिकार अधिनियम के प्रावधानों की जानकारी दी गई। उन्हें बताया गया कि सूचना का अधिकार नागरिकों को सार्वजनिक प्राधिकारों से निर्धारित प्रक्रिया के तहत आवश्यक सूचना प्राप्त करने का महत्वपूर्ण माध्यम प्रदान करता है। साथ ही, संविधान में निर्धारित मौलिक कर्तव्यों का पालन करना प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है।

कार्यक्रम में जिला विधिक सेवा प्राधिकार के पैनल अधिवक्ता बिमलेश कुमार एवं पारा विधिक स्वयंसेवक (ढछश) मुकेश कुमार ने लोगों को विभिन्न कानूनी प्रावधानों की जानकारी दी। नागरिकों से अपने विधिक अधिकारों के प्रति सजग रहने, आवश्यकता पड़ने पर उपलब्ध विधिक सहायता का लाभ उठाने तथा संवैधानिक दायित्वों का जिम्मेदारीपूर्वक निर्वहन करने की अपील की गई।

इसी क्रम में अनुमंडलीय विधिक सेवा प्राधिकार, बीरपुर के अंतर्गत कोशी महिला कॉलेज, बीरपुर में भी विधिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम श्री विनय शंकर, जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष, अनुमंडलीय विधिक सेवा प्राधिकार, बीरपुर तथा श्रीमती सुरभि सिंघानिया, अनुमंडल न्यायिक दंडाधिकारी-सह-सचिव, अनुमंडलीय विधिक सेवा प्राधिकार, बीरपुर के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में छात्राओं एवं अन्य उपस्थित लोगों को सूचना का अधिकार अधिनियम तथा नागरिकों के मौलिक कर्तव्यों के संबंध में जानकारी दी गई। विशेष रूप से युवा वर्ग को संवैधानिक अधिकारों और कर्तव्यों की जानकारी रखने के महत्व से अवगत कराया गया। पैनल अधिवक्ता एसपी मंडल एवं ढछश हीरा प्रसाद गुप्ता ने विधिक प्रावधानों पर विस्तार से जानकारी दी।

जिला विधिक सेवा प्राधिकार, सुपौल की ओर से बताया गया कि ग्रामीण क्षेत्रों, शैक्षणिक संस्थानों और सार्वजनिक स्थलों पर इस तरह के कार्यक्रमों के माध्यम से कानूनी जागरूकता को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास लगातार जारी रहेगा। कार्यक्रम का संदेश रहा कि अधिकारों की जानकारी नागरिक को सशक्त बनाती है, जबकि कर्तव्यों की समझ उसे जिम्मेदार नागरिक बनाती है।

फर्जी आधार कार्ड बनाने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का कथित सरगना बंगाल से गिरफ्तार

किशनगंज, , एजेंसी। फर्जी आधार कार्ड और जाली दस्तावेज तैयार करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह के कथित सरगना को किशनगंज पुलिस ने पश्चिम बंगाल में छापेमारी कर गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान पश्चिम बंगाल के पूर्व बर्दवान जिले के रैना थाना क्षेत्र के नारायणपुर निवासी 24 वर्षीय स्वप्नमय अधिकारी के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, गिरोह का नेटवर्क बिहार, झारखंड, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल तक फैला हुआ था। पुलिस के मुताबिक, इस मामले में अप्रैल में टेरहागाछ थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। इसके बाद मामले की जांच के लिए गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) ने गोपनीय सूचना और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपी की पहचान की और उसकी गिरफ्तारी के लिए कार्रवाई शुरू की। किशनगंज के एसपी संतोष कुमार ने बताया कि गिरोह का खुलासा 2 अप्रैल 2026 को हुआ था। जांच में सामने आया कि आरोपी और उसके सहयोगी कथित तौर पर फर्जी आवासीय प्रमाणपत्र, स्कूल प्रमाणपत्र समेत अन्य जाली दस्तावेज तैयार करते थे। इन्हीं दस्तावेजों के आधार पर फर्जी तरीके से आधार कार्ड तैयार कराने का आरोप है। पुलिस के अनुसार, जालसाजी के लिए अवैध सॉफ्टवेयर, क्लोन किए गए बायोमेट्रिक फिंगरप्रिंट और अन्य तकनीकी उपकरणों का इस्तेमाल किया जाता था। जांच में यह भी आरोप सामने आया है कि स्वप्नमय अधिकारी आधार नामांकन क्लाइंट सॉफ्टवेयर से जुड़े आईडी और पासवर्ड उपलब्ध कराता था। पुलिस का कहना है कि आरोपी अल्ल८ऊे२' जैसे रिमोट-एक्सेस सॉफ्टवेयर के जरिए किशनगंज और अन्य जिलों में मौजूद ऑपरेटरों, जिनमें कुछ दुकानदार भी शामिल बताए जा रहे हैं, को तकनीकी पहुंच उपलब्ध कराता था। इसके माध्यम से फर्जी दस्तावेज और आधार कार्ड तैयार करने का नेटवर्क संचालित किए जाने की आशंका है।

छठे दिन भक्ति नगरी बना गुलाबबाग, पश्चिम बंगाल और नेपाल से पहुंचे श्रद्धालु

महागणपति महोत्सव में उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब, पूर्णिया पब्लिक स्कूल के बच्चों की रंगारंग प्रस्तुति ने मोहा मन

» मदरलैंड संवाददाता

पूर्णिया। महागणपति महोत्सव के छठे दिन शनिवार को गुलाबबाग पूरी तरह भक्ति और उत्सव के रंग में रंगा नजर आया। गुलाबबाग का गणपति महोत्सव धीरे-धीरे उत्तर बिहार के बड़े मेलों में अपनी पहचान बना रहा है। इस महोत्सव की आस्था और आकर्षण सीमांचल से निकलकर पश्चिम बंगाल और पड़ोसी देश नेपाल तक पहुंच चुका है। शनिवार को पश्चिम बंगाल और नेपाल से पहुंचे दर्जनों श्रद्धालुओं ने गणपति बप्पा के दरबार में माथा टेका और पूजा-अर्चना की।स्थानीय श्रद्धालुओं में भी महोत्सव को लेकर खासा उत्साह देखा गया। सुबह और शाम बड़ी संख्या में श्रद्धालु बप्पा के दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। मेला परिसर में गूंज रही ह्यगणपति बप्पा मोरयाह्ल की मधुर धुन श्रद्धालुओं को भक्तिभाव में डुबो रही है। सूरज ढलते ही गुलाबबाग मेला ग्राउंड में श्रद्धालुओं की भीड़ बढ़ने लगी। श्रद्धालु पहले पूजा पंडाल में गणपति बप्पा के दर्शन कर रहे हैं और इसके बाद मेला परिसर में घूमकर विभिन्न दुकानों एवं मनोरंजन के साधनों का आनंद ले रहे हैं।श्रद्धालुओं की सुविधा और व्यवस्था बनाए रखने के लिए भाई ग्रुप एवं गणपति यूथ के कार्यकर्ता लगातार सक्रिय रहे। पूजा पंडाल से लेकर मेला परिसर तक कार्यकर्ता श्रद्धालुओं की सुविधा और व्यवस्था में जुटे रहे।इधर, गुलाबबाग मेला ग्राउंड में आयोजित महागणपति चतुर्थी महोत्सव के सांस्कृतिक मंच पर पूर्णिया पब्लिक स्कूल, बरसौनी के छात्र-छात्राओं ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर दर्शकों का मन मोह लिया। बच्चों की मनमोहक प्रस्तुतियों पर पूरा पंडाल तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा।कार्यक्रम का उद्घाटन महागणपति चतुर्थी महोत्सव

समिति के अध्यक्ष राजीव कुमार उर्फ पप्पू पासवान, कोषाध्यक्ष भरत भगत, स्वागताध्यक्ष राजेश कुमार झा, कार्यक्रम प्रभारी कन्हैया चौधरी, गणेश केवट, अरविंद पासवान एवं दीपक पासवान ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर समिति की ओर से विद्यालय के निदेशक राजेश कुमार सिंह एवं प्राचार्य को अंगवस्त्र और स्मृति-चिह्न भेंटकर सम्मानित किया गया।कार्यक्रम की शुरूआत स्वागत गीत से हुई। इसके बाद छात्र-छात्राओं ने झिझिया, डांडिया, भक्तिमय गीत और देशभक्ति गीतों पर शानदार नृत्य प्रस्तुत किया। बच्चों की प्रस्तुतियों ने पूरे पंडाल को भक्ति और राष्ट्रभक्ति के रंग में रंग दिया। संगीत निदेशक गणेश केवट एवं सरफराज ने भी विशेष गीत प्रस्तुत कर कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए। मंच संचालन वाई. रमेश ने किया।कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु, स्थानीय नागरिक, शिक्षक, अभिभावक एवं विद्यालय परिवार के सदस्य मौजूद रहे। महागणपति महोत्सव के कारण गुलाबबाग में दिनभर धार्मिक आस्था और शाम होते ही सांस्कृतिक उल्लास का माहौल बना रहा।

संक्षिप्त समाचार

बाढ़ पीड़ित दिव्यांगजनों के बीच बंटी सूखा राशन

मदरलैण्ड संवाददाता, कटिहार। प्राणपुर प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत दक्षिणी लालगंज पंचायत के रोशना बाजार निवासी समाजसेवी जय प्रकाश साह एवं ओम प्रकाश साह उर्फ डफली ने अपने निजी राशि से सामुदायिक किचन बंद होने के बाद बाढ़ प्रभावित जरूरतमंद परिवारों के बीच सूखा राशन का वितरण किया। दोनों भाइयों ने खास तौर पर बाढ़ से प्रभावित दिव्यांगों और वृद्धजनों तक राहत सामग्री पहुंचाई।

बाढ़ पीड़ितों को राहत की आस

मदरलैण्ड संवाददाता, कटिहार। घरों में घुसा बाढ़ का पानी, सिर छुपाने की चिंता और सरकारी राहत की उम्मीद। कुमारीपुर पंचायत के बाढ़ प्रभावित ग्रामीणों की यह पीड़ा शुक्रवार को पंचायत भवन परिसर में साफ दिखाई दी। सुबह से ही बड़ी संख्या में ग्रामीण पॉलिथिन और जीआर (गृह क्षति अनुग्रह राशि) की मांग को लेकर पंचायत भवन पहुंचते रहे। ग्रामीणों का कहना था कि बाढ़ का पानी अब भी घरों में है, लेकिन कई परिवारों को पॉलिथिन तक उपलब्ध नहीं हो सकी है। वहीं, कई प्रभावित परिवार जीआर राशि से भी वंचित हैं। ग्रामीणों ने बताया कि बाढ़ से घर-गृहस्थी पूरी तरह प्रभावित है। ऐसे में पॉलिथिन के अभाव में बारिश और बाढ़ के बीच रहना मुश्किल हो रहा है।

अग्नि पीड़ित परिवारों को मिली आपदा राहत

मदरलैण्ड संवाददाता, कटिहार। दक्षिणी कांटाकोस पंचायत के पुल के समीप नया टोला गांव में शुक्रवार दोपहर हुई अगलगी में पांच परिवारों के घर जलकर राख हो गए। घटना में नसीमा खातून, समशेदा खातून, खेरुण निशा, जाहिरा खातून और मस्तरा खातून के परिवार प्रभावित हुए। घटना की सूचना मिलते ही अंचल प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए शनिवार को सभी पीड़ित परिवारों को आपदा राहत उपलब्ध कराई। मनिहारी के अंचलाधिकारी चंदन कुमार ने शनिवार को दक्षिणी कांटाकोस पंचायत के मुखिया शरीफ फूल उर्फ धोनी तथा ग्रामीणों की मौजूदगी में पांचों पीड़ित परिवारों को12-12हजार रुपये की आपदा राहत राशि का चेक प्रदान किया।

निजी नर्सिंग होम में कम्पाउंडर द्वारा ऑपरेशन के आरोप पर,स्वास्थ्य विभाग गंभीर

मदरलैण्ड संवाददाता, कटिहार। सालमारी थाना क्षेत्र के एक निजी नर्सिंग होम में कथित तौर पर कम्पाउंडरों द्वारा मरीज का ऑपरेशन किए जाने की खबर प्रकाश में आने के बाद अधिकारियों ने मामले को गंभीरता से लिया है जिसके बाद स्वास्थ्य विभाग महकमे में हलचल तेज हो गई। वायरल विडियो को गंभीरता से लेते हुए सिविल सर्जन कटिहार ने जांच के लिए टीम गठित करने की बात कही है। वहीं क्षेत्र वासियों ने मामले पर कहा है कि निजी नर्सिंग होम में मरीजों के इलाज और ऑपरेशन को लेकर स्वास्थ्य विभाग को नियमित रूप से निगरानी करनी चाहिए ताकि क्षेत्र में संचालित निजी अस्पतालों, नर्सिंग होम और क्लीनिकों की जांच कर यह सुनिश्चित किया जाए कि वहां योग्य चिकित्सकों और प्रशिक्षित स्वास्थ्यकर्मियों द्वारा ही मरीजों का उपचार किया जा रहा है। सिविल सर्जन ने कहा है कि मामले की जांच के लिए टीम गठित की जाएगी। वहीं उक्त मामले को लेकर एसडीएम राजू कुमार ने कहा कि वायरल वीडियो के संबंध में जानकारी मिली है। पूरे मामले की जांच कराई जाएगी।

पुलिस का शिकंजा9आरोपितों के घर इश्तिहार

मदरलैण्ड संवाददाता, कटिहार। हत्या के मामले में फरार चल रहे आरोपितों पर बारसोई पुलिस ने शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। बारसोई थाना कांड संख्या120/2026 में नामजद नौ आरोपितों के विरुद्ध न्यायालय की प्रक्रिया के तहत छह घरों पर इश्तिहार चस्पा किया गया है। पुलिस की इस कार्रवाई के बाद आरोपितों पर गिरफ्तारी का दबाव और बढ़ गया है। पुलिस के अनुसार कांड में मो. नौशाद आलम, मो. नवाज शरीफ उर्फ आफरी, नावेद उर्फ मो. नावेद आलम, मो. शमीम उर्फ मो. शमीम अख्तर, मो. सोहेल उर्फ मो. सोहेल अख्तर, अफसर उर्फ मो. अफसर आलम, मो. असकन्दर, परवेज उर्फ मो. परवेज आलम तथा तमन्ना बेगम उर्फ बीबी तमन्ना बेगम नामजद हैं। पुलिस दस्तावेज में सभी का पता बेलवाडांगी, थाना बारसोई जिला कटिहार दर्ज है। इश्तिहार के बाद भी नहीं आए तो अगला कदम कुर्की। वही कांड के इंचार्ज रंजन कुमार ने बताया कि आरोपितों की उपस्थिति सुनिश्चित कराने के लिए उनके घरों पर इश्तिहार चस्पा किया गया है इसके बावजूद यदि आरोपित निर्धारित प्रक्रिया के तहत उपस्थित नहीं होते है तो न्यायालय के आदेशानुसार कुर्की जब्ती की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस की इस कार्रवाई से स्पष्ट है कि मामले में फरार आरोपितों को लेकर अब कार्रवाई अगले चरण में पहुंच गई है। पुलिस द्वारा आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए भी आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

कबीर मठ की भूमि व परंपरा की रक्षा का लिया संकल्प

रायपुर रानीपतरा में साधु-संतों व भक्तों की बैठक, मठ के विरुद्ध कथित गतिविधियों पर जताई चिंता

» मदरलैंड संवाददाता

पूर्णिया। सद्गुरु कबीर मठ, रायपुर रानीपतरा, मटिया के सत्संग हॉल में रविवार को कबीरपंथी साधु-संतों, साधकों एवं भक्तों की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता मठ के न्यासी महंत जयस्वरूप साहब ने की। बैठक में मठ की आध्यात्मिक परंपरा, भूमि एवं संपत्ति की सुरक्षा तथा भविष्य की व्यवस्था को लेकर चर्चा की गई।बैठक में उपस्थित साधु-संतों एवं भक्तों ने मठ के विरुद्ध बीते दिनों कथित रूप से की गई गतिविधियों पर चिंता जताई। उन्होंने मठ की गरिमा, परंपरा एवं संपत्ति की रक्षा के लिए आवश्यक वैधानिक पहल किए जाने की बात कही। उपस्थित लोगों ने इस दिशा में नेतृत्व करने के लिए महंत जयस्वरूप साहब से आग्रह किया।महंत जयस्वरूप साहब ने संत कबीर के संदेश का स्मरण कराते हुए सभी जीवों की एकता एवं सद्भाव पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि यहां उपस्थित सभी लोग उनके लिए गुरु के समान हैं। सभी के मार्गदर्शन एवं सहयोग से सद्गुरु कबीर मठ अपनी क्षमता के अनुसार समाज एवं कबीरपंथ की सेवा कर रहा है और आगे भी करता रहेगा।स्वामी वीरेंद्र दास ने कहा कि सद्गुरु कबीर मठ, रायपुर मटिया अत्यंत प्राचीन मठ है। उनके अनुसार, जयस्वरूप साहेब लंबे समय से न्यासी महंत के रूप में मठ की व्यवस्था संभाल रहे हैं तथा बिहार राज्य धार्मिक न्यास बोर्ड द्वारा उन्हें न्यासी महंत घोषित किया गया है। उन्होंने बताया कि मठ में प्रतिदिन सत्संग, भजन एवं ध्यान-उपासना आयोजित होती है।उन्होंने मठ की भूमि को लेकर कुछ लोगों पर निजी हित में उपयोग करने के प्रयास का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि भूमि से संबंधित दस्तावेज, रजिस्ट्री, दाखिल-खारिज एवं एग्रीमेंट के प्रयासों की जानकारी सामने आती रही है। उन्होंने पूर्व के एक मामले का उल्लेख करते हुए कहा कि फकीर दास एवं कीर्तन दास द्वारा बासगीत पर्चा बनाकर मठ परिसर में रहने का प्रयास किया गया था, जिन्हें अनुमंडल पदाधिकारी के आदेश पर सरकारी मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में हटाया गया।स्वामी वीरेंद्र दास ने कहा कि मठ किसी एक व्यक्ति की संपत्ति नहीं, बल्कि समाज की सार्वजनिक आध्यात्मिक धरोहर है। उन्होंने मठ एवं विद्यालय को लेकर भ्रम की स्थिति उत्पन्न किए जाने का भी आरोप लगाया। साथ ही कहा कि मठ की भूमि, परंपरा एवं आध्यात्मिक स्वरूप को सुरक्षित रखना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।बैठक में संत गौरव साहब, संत जयदेव स्वरूप साहेब, संत प्रकाश स्वरूप साहेब, ब्रह्मचारी दिलीप साहब, रवि साहब, अरुण साहब, प्रदीप साहब, शुभलाल साहब, दिगंबर गोस्वामी, चंदन ऋषिदेव, प्रो. तीर्थानंद मेहता, राजेश जी, सुरेश यादव, मंटू यादव, अरुण जी, संतोष कुमार साह एवं लीलानंद यादव सहित अन्य साधु-संत एवं भक्त मौजूद थे। सभी ने मठ की आध्यात्मिक परंपरा को अक्षुण्ण रखने तथा उसके विकास एवं संवर्धन के लिए एकजुट होकर कार्य करने का संकल्प लिया।

समारोह में डांस कराने के बहाने बच्ची को ले गया, दुष्कर्म का आरोप; मुख्य आरोपी गिरफ्तार

» मदरलैंड संवाददाता

पूर्णिया। मुफस्सिल थाना क्षेत्र के बेलौरी वार्ड 43 में शुक्रवार देर रात एक बच्ची के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया। घटना की जानकारी शनिवार सुबह पुलिस को मिली। सूचना मिलते ही मुफस्सिल पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मामले के मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।आरोपी के घर में उसके बहन के बेटे के जन्मोत्सव को लेकर समारोह चल रहा था। इसी दौरान आरोपी बच्ची को डांस करने के बहाने घर से कुछ दूरी पर ले गया। आरोप है कि सुनसान स्थान का फायदा उठाकर उसने बच्ची के साथ दुष्कर्म किया। घटना के बाद बच्ची काफी देर तक वापस नहीं लौटी तो परिजन उसकी तलाश में जुट गए।करीब दो घंटे बाद बच्ची की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। वहां बच्ची घायल अवस्था में मिली। इसके बाद स्थानीय पूर्व मुखिया एवं ग्रामीणों के सहयोग से बच्ची को देर रात ही अस्पताल में भर्ती कराया गया।शनिवार सुबह घटना की जानकारी मिलते ही मुफस्सिल पुलिस ने छापेमारी कर मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। घटना की गंभीरता को देखते हुए मुफस्सिल थानाध्यक्ष विवेक कुमार, एसडीपीओ-1 अभिनव पाराशर तथा एफएसएल की टीम घटनास्थल पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की।एफएसएल टीम ने घटनास्थल से आवश्यक साक्ष्य जुटाए हैं, जिन्हें पुलिस ने सुरक्षित रखा है। मामले में वैज्ञानिक एवं फॉरेंसिक तरीके से भी जांच की जा रही है।एसडीपीओ-1 अभिनव पाराशर ने बताया कि मामले के मुख्य आरोपी की गिरफ्तारी हो चुकी है। घटनास्थल से मिले साक्ष्यों को सुरक्षित रखा गया है और एफएसएल टीम से जांच कराई गई है। उन्होंने कहा कि जांच के दौरान यदि किसी अन्य व्यक्ति की संलिप्तता सामने आती है तो उसके खिलाफ भी कार्रवाई करते हुए गिरफ्तारी की जाएगी।

पीएम मोदी के जन्मदिन पर भाजयुमो ने लगाया रक्तदान शिविर

» मदरलैंड संवाददाता

पूर्णिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर चल रहे 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो), पूर्णिया की ओर से राजकीय मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल परिसर में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। भाजयुमो जिलाध्यक्ष सुमित सिंह के नेतृत्व में आयोजित शिविर का उद्घाटन सदर विधायक विजय खेमका एवं भाजपा जिलाध्यक्ष संजीव कुमार सिंह ने किया।शिविर में विधान पार्षद अनिल कुमार ठाकुर एवं महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष संगीता वर्मन की मौजूदगी में नीतू सिंह, सोनिका पाहुजा और पूजा चौधरी सहित बड़ी संख्या में युवाओं ने रक्तदान किया। युवा मोर्चा के राजा सिंह, जैकी शर्मा, मंजीत कुमार, युवराज मेहता, मिथुन दास, प्रीतम दास, आभाष दरबे, आर्यन यादव, नरेश पासवान, सुमित यादव, सनी कुमार, सोनू निगम एवं जिलाध्यक्ष सुमित सिंह समेत कई कार्यकर्ताओं ने भी रक्तदान किया। शिविर में नए रक्तदाताओं ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया।इस मौके पर सदर विधायक विजय खेमका ने कहा कि रक्तदान महादान है। एक व्यक्ति का रक्तदान किसी जरूरतमंद मरीज का जीवन बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। वहीं भाजपा जिलाध्यक्ष संजीव कुमार सिंह ने कहा कि रक्तदान मानव सेवा का महत्वपूर्ण माध्यम है। कार्यकताओं और युवाओं द्वारा किया गया रक्तदान जरूरतमंद मरीजों के उपचार में उपयोगी साबित होगा।भाजयुमो जिलाध्यक्ष सुमित सिंह ने कहा कि युवाओं को सामाजिक सेवा से जोड़ना युवा मोर्चा का उद्देश्य है। रक्तदान जैसे सेवा कार्यों के माध्यम से युवाओं में समाज के प्रति जिम्मेदारी और संवेदनशीलता का भाव मजबूत होता है। उन्होंने युवाओं से नियमित रूप से रक्तदान करने की अपील की।कार्यक्रम के दौरान उपस्थित कार्यकताओं एवं युवाओं ने समाजहित में निरंतर सेवा करने का संकल्प लिया।

कटिहार में डकैती की बड़ी साजिश नाकाम, हथियार-स्मैक के साथ6 गिरफ्तार

» मदरलैंड संवाददाता

कटिहार। कटिहार जिले की मनिहारी थाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक बड़ी डकैती की योजना को विफल कर दिया है। पुलिस ने मौके से छह शातिर अपराधियों को रंगे हाथों गिरफ्तार किया है जबकि एक विधि-विरुद्ध बालक को भी निरुद्ध किया गया है।गिरफ्तार अपराधियों के पास से अवैध हथियार, कारतूस, मादक पदार्थ, मोबाइल और नकदी बरामद की गई है।

एसडीपीओ सद्दाम हुसैन ने क्या कहा:-

मामले की जानकारी देते हुए डीएसपी सद्दाम हुसैन ने बताया मनिहारी थाना पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि महियारपुर स्थित एक ईंट भट्ठे के पीछे कुछ अपराधी एकत्र होकर किसी बड़ी डकैती की वारदात को अंजाम देने की फिराक में हैं।सूचना सत्यापन के बाद पुलिस टीम ने तुरंत कार्रवाई करते हुए बताए गए स्थल की घेराबंदी की। पुलिस की गाड़ी और जवानों को देखते ही वहां मौजूद अपराधी भागने की कोशिश करने लगे जिन्हें पुलिस बलों ने खदेड़कर दबोच लिया।तलाशी के दौरान पुलिस ने उनके पास से एक देसी पिस्टल, मैगजीन में लोड एक जिंदा गोली, 9.6 ग्राम स्मैक, पांच मोबाइल फोन, रू2,311 नकद और दो मोटरसाइकिलें बरामद की है।

गिरफ्तार आरोपियों में ये:-

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मो. तनवीर, मो.मुशरलीम,पवन कुमार चौधरी,विकास कुमार,अंकित कुमार, प्रीतम कुमार के रूप में हुई है।

पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है इसके साथ ही गिरफ्तार आरोपियों के आपराधिक इतिहास को खंगाला जा रहा है।

22 वर्षीय नवविवाहिता की संदिग्ध परिस्थिति में मौत, पति गिरफ्तार

» मदरलैंड संवाददाता

- मायके वालों ने 50 हजार रुपए के लिए प्रताड़ित करने और गला दबाकर हत्या का लगाया आरोप
- पुलिस ने पति को किया गिरफ्तार, फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल से जुटाए साक्ष्य; पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार

सुपौल। पिपरा थाना क्षेत्र के थुमहा पंचायत स्थित वार्ड नं0-09 में शनिवार को 22 वर्षीय नवविवाहिता की संदिग्ध परिस्थिति में मौत हो गई। मृतका की पहचान थुमहा निवासी संदीप कुमार साह की पत्नी रूपम कुमारी के रूप में हुई है। मौत से एक रात पहले रूपम ने अपने पिता को फोन कर ससुराल में कथित मारपीट और 50 हजार रुपए मांगने की बात बताई थी। पिता ने अगले दिन बेटी के ससुराल पहुंचने की बात कही थी, लेकिन उससे पहले ही रूपम की मौत की सूचना मिल गई। घटना के बाद मायके वालों ने पति समेत ससुराल पक्ष पर हत्या का आरोप लगाया है। पुलिस ने मृतका के पति संदीप कुमार को गिरफ्तार कर लिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार रूपम कुमारी की शादी करीब 14 माह पहले थुमहा निवासी राजकुमार साह के पुत्र संदीप कुमार साह के साथ हिंदू रीति-रिवाज से हुई थी। रूपम त्रिवेणीगंज अनुमंडल क्षेत्र के जदिया थाना अंतर्गत हीरा पट्टी वार्ड नं0-09 निवासी चंद्रेश्वर साह एवं सुलेखा देवी की पुत्री थी। मायके वालों के अनुसार शादी के करीब पांच छः महीने तक दोनों परिवारों के बीच सब कुछ सामान्य रहा। इसके बाद रूपम को कथित तौर पर 50 हजार रुपए की मांग को लेकर पति एवं ससुराल के अन्य सदस्यों द्वारा प्रताड़ित किया जाने लगा। मायके वालों ने कई बार समझाने-बुझाने की बात भी कही है।

मृतका के पिता चंद्रेश्वर साह के अनुसार शुक्रवार देर रात रूपम ने फोन कर ससुराल में मारपीट होने की बात बताई थी और 50 हजार रुपए की मांग की जानकारी दी थी। उसने अपनी परेशानी पिता को बताई थी। पिता ने अगले दिन ससुराल आकर बात करने का भरोसा दिया था। शनिवार को जब मायके वालों को रूपम की मौत की सूचना मिली तो परिवार में कोहराम मच गया। परिजन थुमहा पहुंचे। पिता का आरोप है कि वहां उनकी बेटी का शव घर के पलंग पर पड़ा था और उसके गले पर निशान दिखाई दे रहा था।

मायके वालों ने गला दबाकर हत्या का लगाया आरोप

मृतका के पिता ने आरोप लगाया कि उनकी बेटी की उसके पति संदीप कुमार, ससुर राजकुमार साह एवं सास ने मिलकर गला दबाकर हत्या की है। पिता का यह भी आरोप है कि घटना को आत्महत्या का रूप देने की कोशिश की गई। हालांकि, मौत की वास्तविक वजह क्या है, यह पुलिस जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। पुलिस ने मामले में मृतका के मायके वालों के आरोप को दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

घटना की सूचना मिलते ही पिपरा पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लिया। मामले की गंभीरता को देखते हुए चलंत फोरेंसिक टीम को भी घटनास्थल पर बुलाया गया। टीम ने मौके से आवश्यक नमूने एवं साक्ष्य जुटाए। इसके बाद पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया।

थानाध्यक्ष किशोर कुमार ने बताया कि मृतका के परिजनों की ओर से लिखित आवेदन दिया गया है। आवेदन के आधार पर मृतका के पति संदीप कुमार को गिरफ्तार कर लिया गया है। मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर अन्य लोगों की भूमिका की भी पड़ताल करेगी। फिलहाल नवविवाहिता की मौत हत्या है या आत्महत्या, यह जांच का विषय है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और पुलिस जांच के बाद ही मौत के कारण का खुलासा होगा।

पिछड़ा वर्ग कन्या आवासीय प्लस टू उच्च विद्यालय, रामनगर का जिला कल्याण पदाधिकारी , जिला परियोजना प्रबंधक, सुपौल द्वारा निरीक्षण किया गया

» मदरलैंड संवाददाता

सुपौल। पिपरा प्रखंड के रामनगर पंचायत स्थित पिछड़ा एवं अति पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग द्वारा संचालित अन्य पिछड़ा वर्ग कन्या आवासीय प्लस टू उच्च विद्यालय, रामनगर का जिला कल्याण पदाधिकारी (इड & एडउ), सुपौल, जिला परियोजना प्रबंधक, सुपौल तथा विद्यालय नोडल पदाधिकारी द्वारा संयुक्त रूप से निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण का उद्देश्य विद्यालय में अध्ययनरत छात्राओं को उपलब्ध कराई जा रही शैक्षणिक, आवासीय एवं मूलभूत सुविधाओं की गुणवत्ता का जायजा लेना तथा व्यवस्थाओं को और अधिक सुदृढ़ करना रहा। इस दौरान विद्यालय में पठन-पाठन की स्थिति, छात्रावास व्यवस्था, स्वच्छता, भोजन, पेयजल, सुरक्षा, अनुशासन एवं छात्राओं को उपलब्ध अन्य सुविधाओं का अवलोकन किया गया।

पदाधिकारियों ने विद्यालय के प्रधानाचार्य एवं शिक्षक-शिक्षिकाओं से विद्यालय की शैक्षणिक गतिविधियों तथा छात्राओं की प्रगति के संबंध में जानकारी प्राप्त की। साथ ही छात्राओं से संवाद कर उनकी आवश्यकताओं, समस्याओं एवं सुझावों की जानकारी ली गई। छात्राओं को नियमित रूप से अध्ययन करने, अनुशासन बनाए रखने तथा उपलब्ध संसाधनों का समुचित उपयोग करते हुए अपने शैक्षणिक लक्ष्य की ओर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया गया।

निरीक्षण के दौरान बीपीएम जीविका, प्रधानाचार्य, शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं अन्य उपस्थित रहे।

शौच के लिए निकली महिला तीन दिन से लापता, सौरा नदी में एसडीआरएफ ने चलाया सर्च अभियान

» मदरलैंड संवाददाता

पूर्णिया। मुफस्सिल थाना क्षेत्र के बेलौरी स्थित श्रीराम टोला से शौच के लिए निकली 52 वर्षीय महिला तीन दिनों से लापता है। परिजनों और स्थानीय लोगों द्वारा काफी खोजबीन के बाद भी महिला का कोई सुराग नहीं मिला। नदी में डूबने की आशंका को देखते हुए रविवार सुबह एसडीआरएफ की टीम ने सौरा नदी में सर्च अभियान शुरू किया।नगर निगम वार्ड संख्या 42 के श्रीराम टोला, बेलौरी निवासी दिनेश ऋषि की पत्नी भूलो देवी (52) 17 सितंबर को शौच के लिए सौरा नदी किनारे गई थीं। इसके बाद वह घर वापस नहीं लौटीं। परिजनों ने आसपास के इलाकों, गांवों और रिश्तेदारों के यहां उनकी तलाश की, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिली।महिला के देवर शंकर ऋषि ने बताया कि 17 सितंबर को उनकी भाभी शौच के लिए नदी किनारे गई थीं। इसके बाद से उनका कोई पता नहीं है। काफी खोजबीन के बाद नदी में डूबने की आशंका जताई गई।घटना की जानकारी वार्ड पार्षद प्रतिनिधि चंदन भगत के माध्यम से एसडीआरएफ टीम को दी गई। सूचना मिलने पर रविवार सुबह टीम मौके पर पहुंची और सौरा नदी में महिला की तलाश शुरू की।एसडीआरएफ के हवलदार तारकेश्वर चौधरी ने बताया कि महिला के नदी में डूबने की सूचना मिलने के बाद टीम मौके पर पहुंची है। नदी में लगातार सर्च अभियान चलाया जा रहा है। फिलहाल महिला की तलाश जारी है।

कुलपति ने किया निरीक्षण

» मदरलैंड संवाददाता

कटिहार। पूर्णिया विश्वविद्यालय के द्वारा चल रहे सेमेस्टर 6 की परीक्षा जो 19 सितंबर से 24 सितंबर चलेगी पहले दिन ही माननीय कुलपति महोदय ने कटिहार के डीएस कॉलेज निरीक्षण करते हुए के बी झा कॉलेज निरीक्षण किया इस मौके पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के प्रांत सह मंत्री विनय सिंह,विभाग सह संयोजक विक्रांत सिंह, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य कमल ठाकुर, जिला संयोजक रोहन प्रसाद, नगर सह मंत्री रवि सिंह विशाल सिंह ने माननीय कुलपति महोदय को अवगत करवाया की छात्राएं केवल महाविद्यालय परीक्षा में ही दिखाई देते हैं। 75% जब तक लागू नहीं होगा तब तक छात्र महाविद्यालय से नहीं जुड़ेंगे , एबीवीपी कार्यकर्ताओं ने माननीय कुलपति से महाविद्यालय में बॉटनी सोशियोलॉजी और कॉमर्स में शिक्षक नहीं होने से छात्रों को पठन पाठन में काफी परेशानी हो रही है कॉलेज के पीछे खाली गड्ढे को भराकर परीक्षा भवन बनाने की मांग की महाविद्यालय में एक परीक्षा भवन नहीं होने के कारण परीक्षाओं लेने में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है, पुस्तकालय में सीबीसीएस की पुस्तकें नहीं होने से छात्रों को सेमेस्टर की पढ़ाई करने में दिक्कत हो रही है कार्यकर्ताओं ने कहा कि जब से महाविद्यालय में प्राचार्य में डॉ संजय सिंह आए हैं महाविद्यालय वह सभी मांगों को धीरे-धीरे कर पूरा कर रहे हैं। छात्रों को इसका लाभ मिल रहा है जैसे महाविद्यालय में वर्षों से रंग पुताई नहीं हुआ था जज्जर भवन की स्थिति को सही करना, सभी क्लास को सही करना , सभी बैंच डेस्क बैठने को सही करना,कई वर्षों से जर्जर पड़े मानस भवन का जनउधर, वर्षों से बंद पर जनरेटर को चालू करवाना कॉलेज में अभी विकास का कार्य जारी है जिसे माननीय कुलपति महोदय को अवगत कराया गया कुलपति ने प्राचार्य के कार्य को देख कर बहुत ही खुश हुए।

कतर से हमास को मिल रही थी फंडिंग को लेकर इजराइली पीएम नेतन्याहू फंसे

विपक्ष ने सुरक्षा विफलताओं की जांच के लिए जांच आयोग बनाने की मांग की

यरूशलम,, एजेंसी। इजराइल के पीएम बेंजामिन नेतन्याहू पर कतर और हमास से जुड़े फंडिंग के मामले को लेकर सवाल उठ रहे हैं। एक रिपोर्ट कहा किया गया है कि 7 अक्टूबर 2023 के हमले से पहले इजराइली खुफिया एजेंसियों ने पीएम नेतन्याहू को कतर से हमास के सैन्य संगठन तक पहुंच रहे पैसों को लेकर कई बार चेतावनी दी थी। रिपोर्ट के मुताबिक खुफिया आकलन में यह रकम हमास के सैन्य संगठन के कुल बजट की करीब आधी तक बताई गई थी। रिपोर्ट के सामने आने के बाद विपक्षी नेताओं ने पीएम नेतन्याहू पर निशाना साधा। उनका कहना है कि अगर सुरक्षा एजेंसियों की ओर से ऐसी जानकारी दी गई थी, तो इस मामले की गंभीरता से जांच होनी चाहिए।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एक जांच रिपोर्ट में कहा गया है कि पीएम बेंजामिन नेतन्याहू को कतर से हमास के सैन्य संगठन तक पहुंच रहे पैसों की जानकारी कई बार दी गई थी। इजरायली खुफिया एजेंसियों ने आकलन किया था कि यह पैसा हमास के सैन्य संगठन के बजट का बड़ा हिस्सा था। रिपोर्ट में मिस्त्र की ओर से दी गई चेतावनी का भी जिक्र है। दावा किया गया है कि मिस्त्र ने भी नेतन्याहू को बताया था कि कतर से आने वाली रकम हमास के सैन्य संगठन तक पहुंच रही है। इसके अलावा इजराइली खुफिया एजेंसियों को एक अलग और गुप्त रास्ते की जानकारी मिली थी। इसके जरिए कतर से जुड़ी रकम सीधे हमास की सशस्त्र इकाइयों तक पहुंचाई जा रही थी। इस बीच नेतन्याहू के कार्यालय ने इन दावों को खारिज किया है। कार्यालय का कहना है कि इन दावों को पहले भी

गलत साबित किया जा चुका है। इजराइल के सुरक्षा प्रमुखों ने कतर की आर्थिक मदद का समर्थन किया था। यह मदद मानवीय जरूरतों के लिए थी। इसका उद्देश्य गाजा में शांति और स्थिरता बनाए रखने में मदद करना था। कतर ने भी रिपोर्ट में किए गए दावों को पूरी तरह खारिज किया है। कतर के अंतरराष्ट्रीय मीडिया कार्यालय ने कहा कि उसने कभी हमास को पैसा नहीं दिया। उसके मुताबिक कतर की मदद इजराइल और अंतरराष्ट्रीय संगठनों के साथ तय व्यवस्था के तहत फिलिस्तीनी नागरिकों तक पहुंचाई गई। कतर ने कहा कि अगर किसी दूसरे तरीके से कोई पैसा हमास तक पहुंचा भी है, तो उसका कतर से कोई संबंध नहीं है। कतर ने इजराइल के राजनीतिक नेताओं पर भी निशाना साधा। उसने कहा कि चुनाव से पहले गल्फ देश को बलि का बकरा बनाने की कोशिश की जा रही है। रिपोर्ट के सामने आने के बाद नेतन्याहू सरकार पर विपक्ष का दबाव बढ़ा है। याशर पार्टी के प्रमुख गादी आइजेनकोट ने कहा कि इन खुलासों से 7 अक्टूबर के हमले से जुड़ी घटनाओं की जांच की जरूरत और बढ़ गई है। उन्होंने 7 अक्टूबर की सुरक्षा विफलताओं की जांच के लिए जांच आयोग बनाने की मांग की है।

कई फ्लाइट्स रद्द, एयरस्पेस बंद और ट्रैवल में भी आ सकती है परेशानी

मिडिल ईस्ट में तनाव के बीच अमेरिका ने अपने नागरिकों के लिए किया अलर्ट जारी

वाशिंगटन,, एजेंसी। मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के बीच अमेरिका ने अपने नागरिकों के लिए अलर्ट जारी किया है। अमेरिकी विदेश विभाग ने कहा है कि इस समय पूरे क्षेत्र में सुरक्षा की स्थिति जटिल है। हालात बिगड़ सकते हैं। ऐसे में मिडिल ईस्ट में मौजूद अमेरिकी नागरिकों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है। अमेरिका ने कहा है कि क्षेत्र में तनाव के चलते कई फ्लाइट्स रद्द हो सकती हैं। एयरस्पेस बंद हो सकते हैं। इसके अलावा ट्रैवल में भी परेशानी आ सकती है। अमेरिकी नागरिकों से कहा है कि वे एयरपोर्ट और एयरलाइंस से जुड़े ताजा अपडेट्स पर नजर रखें। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिकी विदेश विभाग ने मिडिल ईस्ट से बाहर मौजूद अपने नागरिकों को चेतावनी दी है कि उन्हें इस क्षेत्र की यात्रा करने या यहां से होकर यात्रा करने पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। अमेरिका का कहना है कि जो लोग मिडिल ईस्ट की यात्रा करते हैं, उन्हें हालात पर लगातार नजर रखनी चाहिए। खासकर उड़ानों और एयरपोर्ट के संचालन की जानकारी लेते रहना जरूरी है।

अमेरिका के मुताबिक हूती सऊदी अरब पर हमले कर रहा है। इसमें नागरिक हवाई अड्डे भी निशाने पर रहे हैं। अमेरिका ने कहा है कि यह सैन्य संघर्ष तेजी से बढ़ सकता है। इसी वजह से पूरे क्षेत्र में सुरक्षा को लेकर चिंता है। अमेरिकी नागरिकों को किसी भी संभावित खतरे को हल्के में नहीं लेने की सलाह दी गई है। अमेरिका ने अपने राजनयिक ठिकानों को लेकर भी चेतावनी दी है। अमेरिकी विदेश विभाग के मुताबिक मिडिल ईस्ट के बाहर भी कुछ अमेरिकी राजनयिक ठिकानों को निशाना बनाया गया है।

अमेरिका का कहना है कि ईरान और उसके समर्थक समूह विदेशों में अमेरिकी हितों को निशाना बना सकते हैं। इसमें अमेरिकी नागरिकों और अमेरिकी संस्थानों से जुड़े स्थान भी शामिल हो सकते हैं। अमेरिकी कारोबार और दूसरी संस्थाओं को भी संभावित खतरे की बात कही गई है। अमेरिकी विदेश विभाग ने कहा है कि क्षेत्र की स्थिति लगातार बदल सकती है। इसलिए नागरिकों को यात्रा से पहले ताजा जानकारी हासिल करनी चाहिए। मिडिल ईस्ट में तनाव के बीच अमेरिका का यह अलर्ट ऐसे समय आया है, जब क्षेत्र में सैन्य गतिविधियों और संभावित हमलों को लेकर चिंता बनी हुई है।

संक्षिप्त समाचार

रूसी कारोबारी ने ट्रंप के बेटे की शादी पर लाखों डॉलर किये खर्च, डेमोक्रेट्स ने जताई चिंता

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बेटे डोनाल्ड ट्रंप जूनियर की मई में बहामास में हुई शादी से जुड़े समारोहों में रूसी कारोबारी उमर क्रेमलेव द्वारा सैकड़ों हजार डॉलर खर्च किए जाने का मामला सामने आया है। रिपोर्टों के मुताबिक क्रेमलेव ने निजी द्वीप किराये पर लेने और आतिशबाजी सहित शादी के बाद आयोजित दो समारोहों का खर्च उठाया था। क्रेमलेव इंटरनेशनल बॉक्सिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष हैं और उनके रूस सरकार तथा राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से संबंधों को लेकर भी रिपोर्टें सामने आई हैं। इस खुलासे के बाद अमेरिकी कांग्रेस के डेमोक्रेट सदस्यों ने मामले की जांच शुरू की है। हाउस ओवरसाइट कमेटी के डेमोक्रेट सदस्य रॉबर्ट गार्सिया ने ट्रंप जूनियर और व्हाइट हाउस से इस आर्थिक लेन-देन तथा क्रेमलेव के साथ संबंधों की जानकारी मांगी है। ट्रंप जूनियर की पत्नी बेटिना ने इसे शादी का उपहार बताया है. कहा है क्रेमलेव ने शादी के बाद के समारोहों में योगदान दिया था। राष्ट्रपति ट्रंप ने भी किसी गलत काम से इनकार किया है। 18 सितंबर को ट्रंप ने कहा कि उनके बेटे ने रूसी कारोबारी को खर्च की रकम वापस कर दी है। डेमोक्रेट्स का कहना है, राष्ट्रपति के परिवार को विदेशी कारोबारी से इतनी बड़ी आर्थिक सहायता मिलने से विदेशी प्रभाव और पारदर्शिता को लेकर सवाल उठते हैं। अमेरिका में इस मामले की जांच शुरू हो गई है।

एनवीडिया प्रमुख ने 2030 तक दुनिया खत्म होने की आशंकाओं को किया खारिज

वाशिंगटन,, एजेंसी। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) को लेकर बहस तेज हो गई है कि क्या आने वाले सालों में यह तकनीक मानवता के लिए खतरा बन सकती है। एंथ्रोपिक के शोधकर्ता के बयान के बाद चर्चा और बढ़ी, जिसमें उन्होंने आशंका जताई थी कि एआई इस दशक के आखिर तक इंसानों के अस्तित्व के लिए गंभीर खतरा बन सकता है। अब इस बहस के बीच एनवीडिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी जेन्सन हुआंग ने 2030 तक दुनिया खत्म होने की आशंकाओं को खारिज कर दिया है।

एक साक्षात्कार में उनसे पूछा गया कि क्या एआई मानव अस्तित्व के लिए किसी बड़ी तबाही का कारण बन सकता है। उन्होंने ऐसी संभावना को शून्य बताया। उनका कहना था कि एआई से दुनिया खत्म होने जैसी भविष्यवाणियों के पीछे ठोस वैज्ञानिक प्रमाण नहीं हैं। उन्होंने यह भी कहा कि ऐसी आशंकाओं को बढ़ा-चढ़ाकर पेश करने से लोगों में डर पैदा होता है। उन्होंने एआई के विकास पर अत्यधिक प्रतिबंध लगाने के विचार का भी विरोध किया। उनका कहना है कि तकनीकी विकास की गति को जरूरत से ज्यादा धीमा करने से आर्थिक विकास और नई खोजों पर असर पड़ सकता है। उनके मुताबिक देशों और कंपनियों के बीच तकनीकी प्रतिस्पर्धा बढ़ रही है और ऐसे में एआई अनुसंधान को आगे बढ़ाना जरूरी है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि तेज विकास का अर्थ सुरक्षा मानकों से समझौता करना नहीं है। उनका कहना है कि किसी भी एआई प्रणाली को इस्तेमाल के लिए उपलब्ध कराने से पहले उसकी सुरक्षा, सटीकता और विश्वसनीयता की पर्याप्त जांच जरूरी है। मजबूत गुणवत्ता मानकों के साथ एआई का तेज विकास और सुरक्षा दोनों साथ-साथ संभव हैं। एआई को लेकर तकनीकी क्षेत्र में फिलहाल अलग-अलग मत सामने आ रहे हैं। कुछ शोधकर्ता और विशेषज्ञ उन्नत एआई प्रणालियों से जुड़े संभावित जोखिमों को लेकर कड़े सुरक्षा उपायों और नियमन की मांग कर रहे हैं। दूसरी ओर उद्योग के कुछ प्रमुख लोग अत्यधिक नियमन को तकनीकी नवाचार में बाधा मानते हैं। एनवीडिया एआई के लिए जरूरी उन्नत कंप्यूटिंग चिप और हार्डवेयर की प्रमुख कंपनियों में शामिल है। इसलिए बयान को एआई के भविष्य को लेकर चल रही व्यापक बहस के संदर्भ में अहम माना जा रहा है। हालांकि 2030 तक एआई का वास्तविक स्वरूप क्या होगा, यह अभी निश्चित नहीं है। फिलहाल विशेषज्ञों के बीच बहस तकनीकी प्रगति, सुरक्षा, नियमन और मानव नियंत्रण जैसे मुद्दों पर केंद्रित है।

सऊदी अरब पर फिर हमले से अमेरिका दहशत में, हूती ने दी पाक-तुर्किये को भी चेतावनी

वाशिंगटन,, एजेंसी। अमेरिका-ईरान जंग ऐसे मोड़ पर आ चुकी है, जहां इसका अंत नजर नहीं आ रहा है और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के इजराइल के साथ तेहरान के खिलाफ बिगुल फूंकने के सपने हकीकत से दूर हैं। ईरान ने होर्मुज बंद कर वैश्विक ऊर्जा संकट पैदा कर दिया है और जब दुनिया ने लाल सागर के बाब-अल-मंदेब स्ट्रेट से तेल और गैस जैसे जरूरी सामान लाना शुरू किया, तो यमन में सक्रिय हूती विद्रोहियों ने वहां भी तांडव मचा दिया, यहां तक कि दुनिया को करीब 5फीसदी तेल की आपूर्ति करने वाली सऊदी अरब की ईस्ट-वेस्ट पाइपलाइन पर भी हमला कर दिया। शनिवार को हूती विद्रोहियों द्वारा सऊदी अरब पर फिर से हमले के बाद अमेरिका भी दहशत में आ गया और अमेरिकी सरकार ने अपने नागरिकों के लिए सुरक्षा अलर्ट जारी करते हुए उन्हें सतर्क रहने को कहा है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान और तुर्किये को भी हूतियों ने सीधे तौर पर चेतावनी दी है कि किसी भी तरह के सैन्य एक्शन का अंजाम भुगतना पड़ेगा। इस चेतावनी से पाकिस्तान की चिंताएं बढ़ गईं और आनन-फानन में गृह मंत्री मोहसिन नकवी को ईरान जा रहे हैं, ताकि खुद को किसी तरह बचाया जा सके। ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघई ने पुष्टि की कि पाकिस्तान के गृह मंत्री मोहसिन नकवी रविवार को तेहरान आएंगे। हालांकि उन्होंने स्पष्ट किया कि यह यात्रा पूरी तरह द्विपक्षीय मुद्दों पर केंद्रित होगी, लेकिन मौजूदा हालात को देखते हुए इसके अलग मायने भी निकाले जा रहे हैं, क्योंकि ईरान और पाकिस्तान के बीच संबंधों में पिछले कुछ महीनों में काफी मजबूती आई है।

तुर्की में रविवार से शुरू हुए सिवहिरसिर एयर शो में अपने कौशल का प्रदर्शन करते हुए जहाज।

छह महीनों में पहली बार टूटा सन्नाटा, होर्मुज से दो हफ्तों में हजारों कार्गो जहाज निकले

- एक अरब बैरल से ज्यादा कच्चा तेल दुनिया के कोनों-कोनों तक बिना रुकावट पहुंचा

तेहरान,, एजेंसी। दुनिया भर के ऊर्जा बाजारों में कच्चे तेल की आपूर्ति को लेकर हाहाकार मचा है, दुनिया के सबसे रणनीतिक समुद्री मार्ग होर्मुज से बड़ी खुशखबरी मिली है। पिछले छह महीनों में पहली बार यहां सन्नाटा टूटा और कच्चे तेल, भारी कार्गो और एलएनजी जहाजों की अब तक की सबसे बड़ी आवाजाही हुई। अमेरिकी सेना के सेंट्रल कमांड ने बयान जारी कर बताया कि पिछले दो हफ्तों में कड़ी सुरक्षा के बीच दो हजार से ज्यादा कार्गो जहाज सुरक्षित तरीके से इस रास्ते से गुजरे हैं। इन जहाजों के जरिए पिछले कुछ महीनों में एक अरब बैरल से भी ज्यादा कच्चा तेल दुनिया के कोनों-कोनों तक बिना किसी रुकावट के पहुंचा।

यह खबर ठीक उस घटना के एक दिन बाद सामने आई है जब ईरान ने होर्मुज से गुजरने की कोशिश कर रहे टोगो का झंडा लगे एक तेल टैंकर ट्रेंड पर हमला कर दिया था यह आरोप लगाते हुए कि जहाज बिना इजाजत अवैध तरीके से होर्मुज पार करने की कोशिश कर रहा था। अमेरिकी सेंट्रल कमांड के प्रमुख एडमिरल ब्रैड कूपर ने बताया कि अमेरिकी नौसेना और उनके सहयोगी देशों ने एक मजबूत सुरक्षा रणनीति बनाई है, जिसके तहत बड़े व्यापारिक जहाजों को सुरक्षित एस्कॉर्ट दिया जा रहा है। अमेरिकी सेना ने इस बात की भी पुष्टि की है कि होर्मुज के मुख्य समुद्री रास्तों को बिछाई गई समुद्री बारूदी सुरंगों से पूरी तरह साफ कर दिया है, जिससे जहाजों की आवाजाही अब बिल्कुल सुरक्षित हो गई है। इसके साथ ही अमेरिका ने यह भी दावा किया कि सख्त आर्थिक प्रतिबंधों की वजह से ईरान अपने कच्चे तेल का एक बैरल भी बाहर निर्यात नहीं कर पाया है यानी एक तरफ जहां दुनिया भर के कार्गो जहाज आसानी से तेल लेकर निकल रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ पाबंदियों के कारण ईरान का तेल व्यापार पूरी तरह से ठप पड़ा है। कूपर ने बताया कि वे सभी पार्टनर देशों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं और गल्फ देशों की एयर डिफेंस सिस्टम को मजबूत किया गया है। इसके अलावा एक बिल्कुल नई कोलिशन अटैक ड्रोन यूनिट बनाई गई है, जो हवा से समुद्र में होने वाली हर हलचल पर नजर रखेगी, ताकि किसी भी हमले का तुरंत जवाब दिया जा सके और होर्मुज और आसपास के सभी समुद्री इलाकों को खुला और सुरक्षित रखा जा सके।

बीएलए ने दो हफ्ते में पाकिस्तानी सेना और उससे जुड़े समूहों को बनाया निशाना

- 43 पाक सैनिकों और राज्य समर्थित समूहों के सदस्यों को मारने का किया दावा

इस्लामाबाद,, एजेंसी। पाकिस्तान के बलूचिस्तान में सुरक्षा बलों और बलूच लिबरेशन आर्मी के बीच संघर्ष जारी है। बलूच लिबरेशन आर्मी ने सितंबर के दूसरे सप्ताह में बलूचिस्तान के कई इलाकों में पाकिस्तानी सेना और उससे जुड़े स्थानीय समूहों को निशाना बनाकर सिलसिलेवार हमले करने का दावा किया है। संगठन के प्रवक्ता जीयंद बलूच के मुताबिक सात से 13 सितंबर के बीच 13 अभियानों में 43 पाकिस्तानी सैनिकों और राज्य समर्थित समूहों के सदस्यों को मारे जाने का दावा किया है। इन दावों की पुष्टि नहीं हुई है। बलूच लिबरेशन आर्मी के मुताबिक उसके लड़ाकों ने बसिमा, खरान, पंजगुर, चागई, तुंप, सुराब, किला अब्दुल्ला, लसबेला, जिवानी और मशकेल समेत कई इलाकों में हमले किए। संगठन का दावा है कि इन कार्रवाइयों में सैन्य काफिलों, चौकियों, निगरानी उपकरणों और सुरक्षा बलों से जुड़े वाहनों को निशाना बनाया गया। कुछ घटनाओं में पुलों और खनन परियोजनाओं से जुड़े बुनियादी ढांचे को भी नुकसान पहुंचाने का दावा किया गया है। संगठन के मुताबिक 7 सितंबर को बसिमा में चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे के मार्ग पर कई घंटे तक आवाजाही बाधित रही। इसके बाद अलग-अलग दिनों में सैन्य काफिलों और रसद वाहनों पर हमलों का दावा किया गया। 10 सितंबर को चागई में व्यापारिक मार्ग को बाधित करने और तुंप में एक सैन्य निगरानी ड्रोन को गिराने की बात कही गई। 11 सितंबर को सुराब में दो अलग-अलग मुठभेड़ों में सैनिकों के मारे जाने का दावा किया गया। 12 सितंबर को लसबेला में बम निरोधक दस्ते के काफिले पर हमले और 13 सितंबर को किला अब्दुल्ला में एक स्थानीय सशस्त्र समूह के ठिकाने पर कार्रवाई का भी दावा किया गया। बलूच लिबरेशन आर्मी लंबे समय से पाकिस्तान सरकार और सुरक्षा एजेंसियों पर बलूचिस्तान के प्राकृतिक संसाधनों के दोहन और आबादी के अधिकारों की अनदेखी का आरोप लगाती रही है।

अस्थि-विसर्जन करने भारत नहीं आएंगे परिवार, कनाडा सरकार ने हिंदुओं को दी जगह

14500 रुपए से करना होगा स्लॉट बुक, फूल, माला या दीपक छोड़ने की रहेगी मनाही

ओट्टावा,, एजेंसी। कनाडा सरकार ने ब्रिटिश कोलंबिया के सरे शहर में एक अस्थि-विसर्जन के लिए आधिकारिक जगह बनाई है। इस नई सुविधा से हिंदू समुदाय के लोगों को अंतिम संस्कार की रस्मों को पूरा करने के लिए भारत नहीं जाना पड़ेगा। अब वे अपने दिवंगत प्रियजनों की अस्थियां कनाडा में ही विसर्जित कर सकेंगे। सरे की मेयर ने बताया कि यह प्रोजेक्ट हिंदू समुदाय की मांग को देखते हुए शुरू किया है।

उन्होंने कहा कि कई परिवारों के लिए किसी प्रियजन की राख को बहते पानी में बहाना धार्मिक और व्यक्तिगत रूप से अहम प्रथा है। उन्होंने कहा कि यह प्रोजेक्ट एक सुरक्षित और सम्मानजनक स्थान प्रदान करता है, जहां परिवार अपने प्रियजनों को याद करने और उनके लिए गहराई से सार्थक परंपराओं का सम्मान करने के लिए एक साथ आ सकते हैं। सरे प्रशासन ने 21 सितम्बर से इस जगह के लिए ऑनलाइन रिजर्वेशन सिस्टम शुरू किया है। जो परिवार इस सुविधा का इस्तेमाल करना चाहते हैं, उन्हें शहर की आधिकारिक वेबसाइट पर अपनी पसंद का स्लॉट बुक करना होगा। इसके लिए उन्हें शुल्क अदा करना होगा, जो हर बुकिंग के लिए 237 कनाडाई डॉलर यानी 14500 भारतीय रुपए होगा। शुरू में इसे एक साल के पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर शुरू किया गया है।

इस सुविधा को प्राइवेसी, सुरक्षा और सीमित एक्सेस के साथ डिजाइन किया है और एक बार में सिर्फ एक परिवार ही जगह का इस्तेमाल कर सकेगा। परिवारों की मदद और नदी में पर्यावरण प्रदूषण को रोकने के लिए सिटी प्रशासन का एक कर्मचारी वहां मौजूद रहेगा। इस जगह पर केवल अस्थियां विसर्जित करने की अनुमति होगी। लोगों को घाट पर या नदी में कोई भी चीज जैसे फूल, माला या दीपक छोड़ने की मनाही रहेगी।

बता दें इसके पहले कनाडा के हिंदुओं और सिखों को अपने प्रियजनों की अस्थियों को भारत लाना पड़ता था, क्योंकि कनाडाई नदियों में अस्थि विसर्जन पर रोक थी। साल 2024 में शहर प्रशासन ने फ्रेजर नदी के किनारे ऐसी जगहों की तलाश शुरू की, जहां अस्थि विसर्जन की रस्म की जा सके। पर्यावरण संबंधी समीक्षा और लोगों की राय जानने के बाद 130 स्ट्रीट के उत्तरी छोर पर मौजूद सुंदर घाट को इसके लिए चुना गया। अब यही अस्थियां विसर्जित की जाएंगी।

न्यूयार्क में भारतीय मूल के कपल की छोटी सी लापरवाही ने ले ली जान

- मेट्रो स्टेशन पर किस करते समय गिरा युवक, युवती बचाने कूदी, ट्रेन ने कुचला

न्यूयार्क,, एजेंसी। एक कपल मेट्रो स्टेशन मिला दोनों गले मिलते हैं और कैमरे में किस करते नजर आते हैं। इस दौरान लड़के का बैलेंस बिगड़ जाता है वो लड़खड़ाते हुए मेट्रो की पटरी पर गिर जाता है। लड़की भी उसे बचाने ट्रैक पर कूद जाती है। दोनों ऊपर चढ़ने की कोशिश कर ही रहे होते हैं कि तभी ट्रेन आ जाती है। मेट्रो के ड्राइवर ने ये सीन देखा, उसने ब्रेक लगाने की कोशिश की लेकिन बहुत देर चुकी थी। इस खौफनाक हादसे का एक वीडियो सामने आया है, जिसे देखकर हर किसी की रूह कांप गई। ये दर्दनाक हादसा अमेरिका के न्यू यॉर्क शहर का है

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक लोअर मैनहट्टन के एक सबवो स्टेशन पर भारतीय मूल के कपल की एक छोटी सी लापरवाही ने उनकी जान ले ली। मलाईका चित्रे (24) और नवम कौल (24) ट्रेन आने से कुछ मिनट पहले प्लेटफॉर्म पर एक-दूसरे को गले लगा रहे थे और किस कर रहे थे। अचानक नवम का संतुलन बिगड़ा और वह ट्रेन की पटरी पर जा गिरा। दोस्त की जान खतरे में देख मलाईका भी पटरी पर कूद गई. लेकिन इससे पहले कि वह नवम को खींचकर ऊपर ला पातीं, सामने से तेज रफ्तार ट्रेन आ गई और दोनों के ऊपर से निकल गई।

रिपोर्ट के मुताबिक हादसे के वक्त ट्रेन स्टेशन में दाखिल हो रही थी। ट्रेन चला रही महिला ऑपरेटर ने अधिकारियों को बताया कि जैसे ही ट्रेन प्लेटफॉर्म के पास पहुंची, उसे पटरियों पर दो लोग बैठे हुए दिखाई दिए। ट्रेन ऑपरेटर के हाथ-पांव फूल गए और उसने तुरंत इमरजेंसी ब्रेक दबा दिए। ट्रेन को रोकने की हर मुमकिन कोशिश की, लेकिन तेज रफ्तार ट्रेन को कुछ ही मीटर की दूरी पर रोक पाना नामुमकिन था। रिपोर्ट में ये दिल दहला देने वाला खुलासा भी हुआ है कि जब ट्रेन बिल्कुल करीब आ चुकी थी, तब भी मलाईका हार मानने को तैयार नहीं थी। वो नवम को खींचकर अपनी ओर लाने की कोशिश कर रही थी। वायरल हो रहे वीडियो में भी दिख रहा है कि ट्रेन आने से कुछ पल पहले दोनों पटरियों पर थे।

आतंकियों को पनाह देने वाला खुद आतंक की आग में जल रहा, बिगड़ी सुरक्षा स्थिति

जनता ही नहीं पुलिस, सेना और अन्य सुरक्षा बल भी आतंकी हमलों का कर रहे सामना

कोहट,, एजेंसी। खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के कोहट में पुलिस लाइंस परिसर की एक मस्जिद को निशाना बनाकर किए गए आत्मघाती हमले ने पाकिस्तान की बिगड़ती सुरक्षा स्थिति को उजागर कर दिया है। शुक्रवार को हुए इस हमले में कम से कम 21 लोगों की मौत हो गई थी, जिनमें 15 पुलिसकर्मी शामिल हैं। 100 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। हमले के बाद सुरक्षा बलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ भी हुई जिसमें आतंकी मारे गए।

शुरूआती जानकारी के मुताबिक विस्फोटकों से लदी एक गाड़ी को ओल्ड पुलिस लाइंस के पास स्थित मस्जिद की ओर ले जाकर विस्फोट किया गया। इसके बाद हथियारबंद हमलावरों ने पुलिस परिसर में घुसने की कोशिश की। कई घंटों तक चले सुरक्षा अभियान के बाद पुलिस और सुरक्षा बलों ने आठ आतंकियों को मार गिराने का दावा किया। रेस्क्यू 1122 के प्रवक्ता बिलाल अहमद फैजी ने शुरूआती चरण में बताया था कि बचाव दल ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया। विस्फोट के बाद घायलों को निकालने और मलबे से लोगों को बाहर निकालने का अभियान चलाया गया। हमले की जिम्मेदारी

को लेकर शुरूआती घंटों में स्थिति स्पष्ट नहीं थी, हालांकि बाद की रिपोर्टों में हाफिज गुल बहादुर से जुड़े एक संगठन द्वारा जिम्मेदारी लेने की बात सामने आई।

पाकिस्तान इंस्टीट्यूट फॉर कॉन्फ्लिक्ट एंड सिक्योरिटी स्टडीज के मुताबिक अगस्त 2026 में देश में 199 आतंकी हमले दर्ज किए गए, जो जुलाई के 144 हमलों से 38 फीसदी ज्यादा थे। हालांकि अगस्त में हिंसा से होने वाली मानवीय क्षति जुलाई की तुलना में कम रही।

कोहट हमले में भी पुलिस परिसर को निशाना बनाया जाना सुरक्षा व्यवस्था के लिए गंभीर चिंता का विषय है। पाकिस्तान में आतंकवाद का बढ़ता खतरा केवल आम नागरिकों तक सीमित नहीं है। पुलिस, सेना और अन्य सुरक्षा बल भी लगातार हमलों का सामना कर रहे हैं। जुलाई में ही पाकिस्तान इंस्टीट्यूट फॉर कॉन्फ्लिक्ट एंड सिक्योरिटी स्टडीज ने सुरक्षा बलों के 112 जवानों की मौत दर्ज की थी, जो जनवरी 2023 के बाद किसी एक महीने में सबसे ज्यादा आंकड़ों में शामिल था। कोहट का हमला इस बात का संकेत है कि पाकिस्तान के सामने आंतरिक सुरक्षा की चुनौती कितनी गंभीर हो चुकी है। आतंकी घटनाओं के बीच सरकार और सुरक्षा एजेंसियों पर हमलावर नेटवर्क को रोकने, संवेदनशील इलाकों की सुरक्षा मजबूत करने और नागरिकों को सुरक्षित रखने का दबाव बढ़ रहा है।

newsdesk@motherlandvoice.org
editor@motherlandvoice.org

सागर पिक्चर्स एंटरटेनमेंट ने श्रीमद् भागवतम् पार्ट वन : विष्णुरता का पहला टीजर पोस्टर जारी किया

अमृतसर : सागर पिक्चर्स एंटरटेनमेंट ने श्रीमद् भागवतम् पार्ट वनः विष्णुरता का पहला टीजर पोस्टर जारी किया है, जो इसकी महत्वाकांक्षी सात-भाग वाली थिएट्रिकल गाथा की पहली फिल्म है।

विष्णुरता,जिसका अर्थ है 'वह जिसकी रक्षा विष्णु करते हैं,' फिल्म की आध्यात्मिक और सिनेमाई यात्रा की नींव रखता है। यह प्रभावशाली पहला पोस्टर फिल्म की दुनिया की एक झलक प्रस्तुत करता है, जिसमें दिव्य संरक्षण को इसकी दृश्यात्मक कल्पना के केंद्र में रखा गया है। उस प्रोडक्शन हाउस से, जिसने ऐतिहासिक टेलीविजन महागाथा रामायण (1987) का निर्माण किया था, एक नई सिनेमाई प्रस्तुति सामने आ रही है, जो भागवतम् महापुराण पर आधारित है–भारत के सबसे पूजनीय पवित्र ग्रंथों में से एक, जिसे दुनिया भर में करोड़ों लोग पढ़ते हैं। भगवान श्री कृष्ण, परम दिव्य स्वरूप, को केंद्र में रखते हुए भागवतम्

भक्ति, धर्म और मानव तथा परमात्मा के शाश्वत संबंधों से जुड़े एक विस्तृत आध्यात्मिक संसार को प्रस्तुत करता है।फिल्म के बारे में बात करते हुए, सह-निर्देशक आकाश सागर चोपड़ा और अमृत सागर चोपड़ा ने कहा, -'फिल्म के सह-निर्देशक होने के साथ-साथ हम दोनों भाई भी हैं और हम भागवतम् की कहानियों के साथ बड़े हुए हैं। करोड़ों भारतीयों के लिए, हमारा मानना है कि ये कहानियां केवल आध्यात्मिक ज्ञान के रूप में नहीं, बल्कि हमारी सभ्यतागत स्मृति के एक हिस्से के रूप में भी मौजूद हैं। हमारे दादाजी रामायण को पर्दे पर लेकर आए और यह एक ऐसी निर्णायक माध्यम बन गई, जिसके जरिए एक पूरी पीढ़ी ने इस महाकाव्य का अनुभव किया। लेकिन हम उनके किए हुए काम को दोहरा नहीं सकते और न ही ऐसा करने का प्रयास करेंगे। हर पीढ़ी को अपनी स्वयं की सिनेमाई भाषा खोजनी होती है, जो उसके समय के माध्यम और संभावनाओं से आकार लेती है।

बॉमा कोनेक्सपो इंडिया 2026 में एनबीसी बेयरिंग्स ने कंस्ट्रक्शन इक्विपमेंट के लिए नई प्रोडक्ट रेंज पेश की

फरीदाबाद। नेशनल इंजीनियरिंग इंडस्ट्रीज लिमिटेड (एनईआई) के प्रमुख ब्रांड और मल्टी-बिलियन-डॉलर सीकेए बिरला ग्रुप का हिस्सा, एनबीसी बेयरिंग्स ने आज बॉमा कोनेक्सपो इंडिया 2026 में कंस्ट्रक्शन और ऑफ-हाईवे इक्विपमेंट के लिए बेयरिंग्स की एक नई रेंज पेश की। इस पहल के साथ कंपनी ने भारत के तेजी से विकसित हो रहे इंडस्ट्रियल सेक्टर में अपनी मौजूदगी को और मजबूत किया है। इन उत्पादों और समाधानों को इनवोल्यूट पावरगियर प्राइवेट लिमिटेड के डायरेक्टर श्री आलोक गोयल ने पेश किया। यह तेजी से बढ़ रहे कंस्ट्रक्शन इक्विपमेंट और माइनिंग उद्योगों के लिए बेयरिंग से जुड़े क्षेत्रों में कंपनी के पोर्टफोलियो के विस्तार की दिशा में एक अहम कदम है। नेशनल इंजीनियरिंग इंडस्ट्रीज लिमिटेड के हेड ऑफ मार्केटिंग एंड प्रोडक्ट मैनेजमेंट, संजय गुप्ता ने कहा, ह्लकंस्ट्रक्शन इक्विपमेंट सेक्टर हमारे लिए एक महत्वपूर्ण ग्रोथ एरिया है। इस नई रेंज के साथ हम अलग-अलग एप्लिकेशंस के लिए अपनी सेवाएं उपलब्ध कराने की क्षमता का विस्तार कर रहे हैं। साथ ही, इसमें हमारी इंजीनियरिंग, मैन्युफैक्चरिंग और प्रोडक्ट डेवलपमेंट की क्षमताओं को एक साथ लाया गया है। हम इक्विपमेंट मैन्युफैक्चरर्स के साथ काम करने में महत्वपूर्ण अवसर देखते हैं, क्योंकि वे हाई-क्वालिटी और स्थानीय स्तर पर डेवलप किए गए ऐसे सॉल्यूशंस की तलाश कर रहे हैं, जो लगातार बढ़ती तकनीकी जरूरतों को पूरा कर सकें।ह्व नई प्रोडक्ट रेंज कंस्ट्रक्शन मशीनरी में महत्वपूर्ण आवेदन की जरूरतों को पूरा करने के लिए पेश की गई है, जहाँ कंपोनेंट्स को भारी लोड, लगातार संचालन और चुनौतीपूर्ण साइट कंडीशंस का सामना करने में सक्षम होना आवश्यक है। यह लॉन्च एनबीसी बेयरिंग्स की प्रोडक्ट पेशकश के विस्तार को दर्शाता है, क्योंकि कंपनी कंस्ट्रक्शन इक्विपमेंट इकोसिस्टम पर अपना फोकस बढ़ा रही है।

संक्षिप्त समाचार

नियुक्ति के एक महीने बाद अलका मूंदड़ा का आईओसी के स्वतंत्र निदेशक पद से इस्तीफा

नई दिल्ली , एजेंसी । सार्वजनिक क्षेत्र की प्रमुख पेट्रोलियम कंपनी इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी) में अपनी नियुक्ति के महज एक महीने बाद ही अलका मूंदड़ा ने स्वतंत्र निदेशक के पद से इस्तीफा दे दिया है । उन्होंने अपने बेटे की पेट्रोल पंप डीलरशिप को शेयर बाजार के सूचीबद्धता नियमों (सेबी के एलओडीआर विनियमों) के तहत स्वतंत्रता मानदंडों का उल्लंघन बताया है । आईओसी को दी गई जानकारी के अनुसार, मूंदड़ा के बेटे माधव मूंदड़ा 2020 से राजस्थान के उदयपुर में एक आईओसी खुदरा बिक्री केंद्र स्वर्ण गंगा केएसके संचालित कर रहे हैं । मूंदड़ा ने पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय को लिखे पत्र में कहा कि यह व्यवस्था वित्तीय संबंधों से जुड़े स्वतंत्रता मानदंडों के विपरीत है । हालांकि, उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि उनका बेटा ह्लमेरी ओर से किसी भी भागीदारी या हस्तक्षेप के बिना स्वतंत्र रूप से अपना व्यवसाय संचालित करता हैह्व और उन्हें विश्वास था कि उनकी निष्पक्षता अप्रभावित रहेगी । फिर भी, कॉरपोरेट प्रशासन के उच्चतम मानकों को बनाए रखने के लिए उन्होंने पद पर बने रहना अनुचित समझा । मूंदड़ा ने 15 अगस्त को स्वतंत्र निदेशक का पद संभाला था और उनका इस्तीफा 18 सितंबर से प्रभावी हो गया है । उन्होंने इस फैसले को पूरी तरह स्वैच्छिक और औचित्य तथा पारदर्शिता के सिद्धांतों से प्रेरित बताया है ।

इस सप्ताह 170 से अधिक कंपनियां देंगी डिविडेंड

नई दिल्ली , एजेंसी । शेयर बाजार के निवेशकों के लिए 21 से 25 सितंबर का सप्ताह बेहद खास रहने वाला है । इस दौरान 170 से भी अधिक कंपनियां अपने शेयरधारकों को लाभांश (डिविडेंड) का तोहफा देने जा रही हैं । इनमें कुछ दिग्गज कंपनियां मोटा डिविडेंड देने का ऐलान कर चुकी हैं, जिससे निवेशकों में उत्साह है । डिविडेंड देने वाली कंपनियों की लंबी लिस्ट में महाराष्ट्र स्कूटर्स 160 रुपये, बजाज होल्डिंग्स एंड इन्वेस्टमेंट 65 रुपये और सदर्न गैस 60 रुपये प्रति शेयर तक का लाभांश दे रही हैं । यह सप्ताह फाइनल और स्पेशल, दोनों तरह के डिविडेंड के लिए महत्वपूर्ण होगा । बाजार के विशेषज्ञों के अनुसार डिविडेंड का लाभ लेने के लिए निवेशकों को एक्स-डिविडेंड डेट से कम से कम एक कारोबारी दिन पहले शेयर खरीदने होंगे, ताकि रिकॉर्ड डेट तक वे डीमैट खाते में आ सकें । हालांकि, सिर्फ ज्यादा डिविडेंड देखकर किसी शेयर में जल्दबाजी में निवेश करने से बचना चाहिए । निवेशकों को कंपनी की वित्तीय स्थिति और डिविडेंड के बाद शेयर की कीमत पर संभावित प्रभाव का भी विश्लेषण करना चाहिए ।

ताज होटल दुनिया के 30वें सर्वश्रेष्ठ होटल में शुमार

नई दिल्ली , एजेंसी । सपनों की नगरी मुंबई का प्रतिष्ठित ताज होटल एक बार फिर वैश्विक पटल पर सुर्खियों में है । दुनिया के सर्वश्रेष्ठ 50 होटलों की 2026 की सूची में इसे 30वां स्थान मिला है, जो पिछले साल के 38वें स्थान से एक महत्वपूर्ण सुधार है । यह उपलब्धि मुंबई की पहचान बन चुके इस 123 साल पुराने ऐतिहासिक होटल के लगातार बढ़ते वैश्विक आकर्षण को दर्शाती है, जिसे आगरा के ताजमहल की तरह ही दुनिया भर में पहचान मिली है । यह सिर्फ एक होटल नहीं, बल्कि एक विरासत है जिसकी वास्तुकला और इतिहास इसे बेहद खास बनाते हैं । अपनी बेजोड़ वास्तुकला के लिए मशहूर इस होटल के डिजाइन में राजपूत, मोरिश और ओरिएंटल शैलियों का अद्भुत मिश्रण दिखता है । इसके गुंबद में एफिल टावर में प्रयुक्त होने वाले स्टील जैसा ही मजबूत स्टील लगा है । 123 साल पुराना होने के बावजूद इसकी भव्यता और चमक आज भी बरकरार है । यह मुंबई की पहली ऐसी इमारत थी, जिसमें बिजली, लिफ्ट, तुर्की बाथ और अमेरिकन पंखों जैसी आधुनिक सुविधाएँ उपलब्ध थीं । यही वजह है कि मुंबई आने वाला हर शख्स इस ऐतिहासिक स्थल को देखे और इसके सामने तस्वीर खिंचवाए बिना नहीं रह पाता, जो इसके निरंतर बढ़ते प्रदर्शन और वैश्विक लोकप्रियता का प्रमाण है ।

ईंधन की कीमतों में स्थिरता बरकरार, पेट्रोल-डीजल के दाम में नहीं हुआ बदलाव

नई दिल्ली , एजेंसी । रविवार 20 सितंबर को देश भर में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में स्थिरता बनी हुई है, जिससे उपभोक्ताओं को थोड़ी राहत मिली है । ज्यादातर बड़े शहरों में ईंधन के दाम अपरिवर्तित रहे । इस वक्त देश में पेट्रोल की औसत कीमत 111.21 रुपये प्रति लीटर है, जबकि डीजल 97.83 रुपये प्रति लीटर पर बिक रहा है । राजधानी दिल्ली में जहां कीमतें अपेक्षाकृत कम हैं, वहीं हैदराबाद जैसे शहरों में ये सर्वाधिक दर्ज की गई हैं । प्रमुख शहरों में मुंबई में पेट्रोल 111.31 रुपये और डीजल 97.97 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर है । दिल्ली में पेट्रोल 102.12 रुपये प्रति लीटर और डीजल 95.20 रुपये प्रति लीटर पर उपलब्ध है, जो अन्य बड़े शहरों के मुकाबले कम है । वहीं, हैदराबाद में पेट्रोल 115.71 रुपये और डीजल 103.84 रुपये प्रति लीटर के साथ कीमतें सर्वाधिक दर्ज की गई हैं । बेंगलुरु में भी पेट्रोल 110.82 रुपये और डीजल 98.77 रुपये प्रति लीटर पर बना हुआ है ।

मारुति सुजुकी ने ऑटो ग्रीन मिशन की शुरूआत की, ऑटोमैटिक एस -सीएनजी स्विफ्ट,डिजायर और बलेनो पेश की

करनाल। मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड (मारुति सुजुकी), स्वच्छ और हरित मोबिलिटी की अग्रणी कंपनी, ने लोकप्रिय स्विफ्ट , डिजायर और बलेनो के ऑटोमैटिक एस -सीएनजी मॉडल पेश करते हुए ह्यऑटो ग्रीन मिशनह्ल की शुरूआत की है। यह नई रेंज, नए दौर के उन ग्राहकों को ध्यान में रखकर तैयार की गई, जो किसी भी तरह का समझौता नहीं करना चाहते यह गाड़ियाँ ऑटोमैटिक ड्राइविंग की सुविधा के साथ बेहतरीन ईंधन दक्षता प्रदान करती है। इनमें से डिजायर ऑटोमैटिक एस -सीएनजी 36.47 किमी/किग्रा* की ईंधन दक्षता के साथ अब भारत की सबसे अधिक ईंधन-कुशल सेडान # बन गई है।मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड में मार्केटिंग एंड सेल्स के सीनियर एग्जीक्यूटिव ऑफिसर, श्री पार्थो बनर्जी ने नई ऑटोमैटिक एस -सीएनजी रेंज पेश करते हुए कहा,'मारुति सुजुकी ने हमेशा अपने ग्राहकों की बात सुनी है। भारत के शहर

तेजी से बढ़ रहे हैं, और नई पीढ़ी के ग्राहक चाहते हैं कि उन्हें ऑटोमैटिक कार की सुविधा मिले, लेकिन ट्रैफिक में माइलेज और परफॉर्मेंस से समझौता न करना पड़े। ऑटो ग्रीन मिशन के तहत, हमारी नई ऑटोमैटिक एस -सीएनजी रेंज आज के ऐसे ही ग्राहकों के लिए बनी है, जो दोनों चीजें एक साथ चाहते हैं। स्विफ्ट , डिजायर और बलेनो देश की सबसे ज्यादा बिकने वाली कारों में शामिल हैं। ऑटोमैटिक एस -सीएनजी मॉडल की एंट्री से ग्राहकों की खुशी और बढ़ेगी, और ये पहले से लोकप्रिय कारें अब और भी दिल जीतेंगी।'

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ ने वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही में दर्ज किया 99.31% का शानदार क्लेम सेटलमेंट रेशियो, उद्योग में सबसे आगे

शिमला। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस ने वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही के लिए 99.31% का क्लेम सेटलमेंट रेशियो घोषित किया है, जो आधिकारिक आकड़ों (फॉर्म छ-39 और छ-40) के आधार पर भारत की शीर्ष जीवन बीमा कंपनियों में सबसे अधिक है। इस तिमाही के दौरान, कंपनी ने रू414.08 करोड़ मूल्य के व्यक्तिगत मृत्यु दावों का निपटान किया। विशेष रूप से, वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही में प्रमुख जीवन बीमाकताओं में कंपनी का प्रति दावा औसत मूल्य लगभग रू15 लाख था, जो सबसे अधिक है। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस के चीफ - अंडरराइटिंग एंड रिटेल क्लेम्स, श्री सारंगगोखलेनेकहा: 'आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ में, हम अपने ग्राहकों

ICICI PRUDENTIAL LIFE INSURANCE
Ke Saath Zimmedari Lagey Pyaari
Trusted by over 20 crore Indians in 25 YEARS

और उनके परिवारों के लिए क्लेम प्रक्रिया को सरल, सुगम और समय पर पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही में, हमारा क्लेम सेटलमेंट रेशियो इंडस्ट्री में सबसे अधिक 99.31% रहा। इसके साथ ही, बिना जांच वाले मामलों में आखिरी दस्तावेज मिलने की तारीख से क्लेम सेटल करने का हमारा औसत समय सिर्फ 1 दिन का रहा। इसके अलावा, हमने मृत्यु दावों के रूप में रू414.08 करोड़ का भुगतान किया। हमारी 'कस्टमर-फर्स्ट' सोच और डिजिटलीकरण पर मजबूत फोकस हमें क्लेम को तेजी से निपटाने में सक्षम बनाता है, जिससे परिवारों को उस समय वित्तीय राहत मिल सके जब उन्हें इसकी सबसे ज्यादा जरूरत होती है। क्लेम करने वाले लोग हमारे मोबाइल ऐप, व्हाट्सएप, चैटबॉट और वेबसाइट के माध्यम से आसानी से क्लेम दर्ज और ट्रैक कर सकते हैं। अपनी 'क्लेम फॉर श्योर' पहल के तहत, हमने पात्र क्लेम के लिए एक ही दिन के भीतर लगभग रू75 करोड़ का भुगतान किया है। हम अपनी डिजिटल प्रक्रियाओं को लगातार मजबूत कर रहे हैं, ताकि जरूरत के समय परिवारों को समय पर सहायता मिल सके।'

लागत से कम दाम पर बिकवाली से मंदी की चपेट में तेल-तिलहन बाजार

पैसे की तंगी से आयातकों को घाटा, लागत से कम दाम पर बिके सोयाबीन-पाम तेल

नई दिल्ली , एजेंसी। बीते सप्ताह कांडला बंदरगाह पर आयातकों द्वारा पैसे की तंगी और कमजोर मांग के चलते लागत से नीचे दाम पर की गई बिकवाली से लगभग सभी तेल-तिलहन कीमतों में भारी गिरावट दर्ज की गई। मूंगफली तेल की निरंतर मांग के बीच उसके दाम स्थिर रहे। कांडला बंदरगाह पर आयातकों को पैसे की तंगी के चलते लागत से नीचे दाम पर तेल बेचने को मजबूर होना पड़ा, जिससे बीते सप्ताह लगभग सभी तेल-तिलहन की कीमतों में भारी गिरावट आई। सूत्रों के अनुसार, आयातित सोयाबीन तेल अपनी वास्तविक लागत (127 रुपये) से लगभग 10-11 रुपये प्रति किलो नीचे (116.50 रुपये) बिक रहा है, यहां तक कि ब्राजील और अर्जेंटीना जैसे प्रमुख उत्पादक देशों से भी सस्ता मिल रहा है। इसी तरह, कच्चे पाम तेल को रिफाइंड कर पामोलीन बनाने की लागत (150 रुपये) भी बिक्री मूल्य (145 रुपये) से अधिक बैठ रही है, जिससे पाम तेल में भी गिरावट देखी गई। ऊंचे दाम के कारण सरसों खप नहीं पा रहा और मंडियों में बिनौला की नई फसल की आवक ने भी सरसों और बिनौला तेल कीमतों में गिरावट दर्ज कराई। हालांकि, बाजार में निरंतर मांग के चलते मूंगफली तेल-तिलहन के दाम इस गिरावट से अछूते रहे और स्थिर बने हुए हैं। बीते सप्ताह सरसों दाना 150 रुपये की गिरावट के साथ 8,150-8,200 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों तेल दादरी 350 रुपये की गिरावट के साथ 16,450 रुपये प्रति क्विंटल तथा सरसों पक्की एवं कच्ची घानी तेल क्रमशः 50-50 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 2,685-2,785 रुपये और 2,685-2,835 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। सोयाबीन दाना और सोयाबीन लूज का थोक भाव क्रमशः 250-250 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 6,050-6,100 रुपये और 5,900-6,000 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। इसी प्रकार आयातकों की लागत से नीचे दाम पर बिकवाली की वजह से दिल्ली में सोयाबीन तेल 200 रुपये की गिरावट के साथ 15,300 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन इंदौर तेल 200 रुपये की गिरावट के साथ 15,100 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। दूसरी ओर, सोयाबीन डीगम तेल 300 रुपये गिरावट के साथ 11,650 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

सेमीकंडक्टर महाशक्ति बन रहा भारत, खतरे को लेकर मंत्री ने चेताया

- चिप डिजाइन और विनिर्माण दोनों में अपनी क्षमताओं का कर रहा विस्तार

नई दिल्ली , एजेंसी। भारत वैश्विक सेमीकंडक्टर आपूर्ति श्रृंखला में एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में उभर रहा है, जो चिप डिजाइन और विनिर्माण दोनों में अपनी क्षमताओं का विस्तार कर रहा है। केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने आगाह किया है कि भारत की इस बढ़ती क्षमता को वैश्विक चिप उद्योग के स्थापित खिलाड़ी खतरे के रूप में देख सकते हैं। उन्होंने देश को संभावित साइबर हमलों, भू-राजनीतिक जोखिमों और अन्य व्यवधानों के प्रति लगातार सतर्क रहने की सलाह दी। मंत्री ने जोर दिया कि भारत अब चिप डिजाइन और विनिर्माण कर सकता है, जिससे कई स्थापित कंपनियों के हित प्रभावित होंगे। भारत केवल चिप असेंबली तक सीमित न रहकर संपूर्ण सेमीकंडक्टर पारिस्थितिकी तंत्र झ्र डिजाइन, विनिर्माण, उपकरण, सामग्री, पैकेजिंग, आरएंडडी और मानव संसाधन झ्र विकसित करने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। वैष्णव ने उद्योग को साइबर हमलों और अन्य व्यवधानों के लिए तैयार रहने की सलाह दी, क्योंकि दुनिया भारत को विश्वसनीय भागीदार के रूप में देख रही है। इस दिशा में, मंत्रिमंडल ने 1.27 लाख करोड़ रुपये के ह्यसेमीकॉन 2.0ह्ल को मंजूरी दी है, जो चिप डिजाइन से लेकर प्रतिभा विकास तक पूरे क्षेत्र को बढ़ावा देगा। सरकार के अनुसार, पहले चरण में 1.64 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश वाली 12 परियोजनाओं को मंजूरी मिली है, जिनमें से माइक्रोन, केन्स और सीजी सेमी सहित पांच ने वाणिज्यिक उत्पादन शुरू किया है। हाल ही में सेमीकॉन इंडिया कार्यक्रम में एप्लाइड मैटेरियल्स (5 अरब डॉलर), लैम रिसर्च (10,000 करोड़ रुपये) और टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे दिग्गजों ने बड़े निवेश की घोषणा की है। यह पहल भारत को वैश्विक सेमीकंडक्टर बाजार में महत्वपूर्ण स्थान दिलाएगी।

त्योहारी मौसम में एफएमसीजी उत्पादों की कीमतों में बढ़ोतरी टली

- लागत बढ़ने के बावजूद दिवाली तक उपभोक्ता उत्पादों के दाम स्थिर रखने की रणनीति

नई दिल्ली , एजेंसी। देश की प्रमुख एफएमसीजी (रोजमर्रा के उपभोग का सामान बनाने वाली) कंपनियां त्योहारी सीजन में उत्पादों की कीमतों में बड़ी बढ़ोतरी से बचेंगी। लागत पर बढ़ते दबाव के बावजूद उनका मुख्य ध्यान फिलहाल उपभोक्ता मांग और बिक्री बनाए रखने पर है। उद्योग से जुड़े वरिष्ठ अधिकारियों के अनुसार कंपनियों ने जून तिमाही में ही कच्चे माल की बढ़ी कीमतों के प्रभाव को कम करने के लिए चुनिंदा उत्पादों के दाम में करीब दो से पांच प्रतिशत तक की बढ़ोतरी कर दी थी। चीनी, खाद्य तेल, कॉफी और पैकेजिंग सामग्री सहित विभिन्न कच्चे मालों की लागत में वृद्धि, वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान और भू-राजनीतिक तनाव ने कंपनियों पर दबाव बढ़ा रखा है। हालांकि, कंपनियां परिचालन दक्षता और लागत नियंत्रण जैसे उपायों से इस अतिरिक्त बोझ का बड़ा हिस्सा खुद वहन कर रही हैं, जिससे उनके मुनाफे पर दबाव बना है। आईटीसी व डाबर जैसी कंपनियों ने लागत प्रबंधन और पोर्टफोलियो समायोजन से कीमतों को स्थिर रखने का प्रयास करने की बात कही। पारले के अनुसार, शहरी व ग्रामीण दोनों बाजारों में मांग उत्साहजनक है, जिसे कंपनियां त्योहारी मौसम में बनाए रखना चाहती हैं। दिवाली तक बड़ी बढ़ोतरी की संभावना कम है। यदि लागत दबाव बना रहा, तो वित्त वर्ष की दूसरी छमाही में कीमतों में संशोधन संभव है।

1 अक्टूबर से एलपीजी सब्सिडी के लिए बायोमेट्रिक आधार ऑथेंटिकेशन अनिवार्य

- फर्जी कनेक्शनों पर लगेगी लगाम; बिना प्रमाणीकरण बाजार भाव पर मिलेगा सिलेंडर

नई दिल्ली , एजेंसी। घरेलू रसोई गैस उपभोक्ताओं के लिए एक अहम खबर है। केंद्र सरकार ने 1 अक्टूबर से सब्सिडी वाले एलपीजी सिलेंडर बुक करने के लिए बायोमेट्रिक आधार ऑथेंटिकेशन को अनिवार्य कर दिया है। इ इस फैसले का मकसद सब्सिडी का लाभ केवल पात्र परिवारों तक पहुंचाना और फर्जी कनेक्शनों पर लगाम लगाना है। जिन ग्राहकों ने पहले ही यह प्रक्रिया पूरी कर ली है, उन्हें कुछ भी करने की जरूरत नहीं होगी। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के अनुसार, 19 सितंबर तक लगभग 90 फीसदी (27.43 करोड़) घरेलू एलपीजी ग्राहकों ने अपना बायोमेट्रिक आधार प्रमाणीकरण पूरा कर लिया है। जिन ग्राहकों ने अभी तक यह प्रक्रिया पूरी नहीं की है, उन्हें 1 अक्टूबर के बाद सब्सिडी वाले दाम पर सिलेंडर लेने में परेशानी हो सकती है और उन्हें बाजार भाव पर सिलेंडर खरीदना पड़ सकता है। सरकार का यह कदम सब्सिडी के भारी वित्तीय बोझ को सही दिशा में ले जाने और धोखाधड़ी रोकने के लिए आवश्यक है, क्योंकि कई बार फर्जी कनेक्शनों के कारण वास्तविक लाभार्थियों तक सब्सिडी का लाभ नहीं पहुंच पाता। सरकार ने इस प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए कई विकल्प दिए हैं। ग्राहक डिलीवरी बॉय के मोबाइल या बायोमेट्रिक स्कैनर के जरिए घर पर ही फिंगरप्रिंट या फेस-आईडी ऑथेंटिकेशन करा सकते हैं। इसके अलावा, संबंधित गैस एजेंसी के कार्यालय में जाकर बायोमेट्रिक काउंटर से अपनी ई-केवाईसी पूरी की जा सकती है। ग्राहक अपने मोबाइल पर संबंधित ऑयल मार्केटिंग कंपनियों के आधिकारिक ऐप्स के माध्यम से भी फेस-ऑथेंटिकेशन कर सकते हैं। किसी भी सहायता या पूछताछ के लिए सरकार के टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबर 1800 2333 555 पर संपर्क किया जा सकता है।

शेयर बाजार में जोखिम कम कर कमाई का नया रास्ता- एग्रेसिव हाइब्रिड फंड

इक्विटी में ग्रोथ और डेट में स्थिरता चाहने वालों के लिए खास रणनीति

नई दिल्ली , एजेंसी। शेयर बाजार में सीधे निवेश जहां उच्च रिटर्न की संभावना देता है, वहीं बाजार गिरने पर बड़े नुकसान का जोखिम भी रहता है। ऐसे में जो निवेशक इक्विटी की ग्रोथ का मौका चाहते हैं, लेकिन पूरी तरह से जोखिम लेने से बचना चाहते हैं, उनके लिए एग्रेसिव हाइब्रिड फंड एक आकर्षक विकल्प बनकर उभरे हैं। ये फंड इक्विटी और डेट निवेश का संतुलित मिश्रण पेश करते हैं, जिससे निवेशकों को बाजार की तेजी का लाभ उठाने के साथ-साथ कुछ हद तक स्थिरता भी मिलती है। जानकार बताते हैं कि सेबी के नियमों के अनुसार इन फंडों को अपनी कुल संपत्ति का 65 से 80 फीसदी हिस्सा इक्विटी और संबंधित

निवेशों में लगाना अनिवार्य है। शेष 20 से 35 फीसदी राशि डेट और मनी मार्केट इंस्ट्रूमेंट्स में निवेश की जाती है। इक्विटी का बड़ा हिस्सा बाजार की तेजी में बेहतर रिटर्न दिला सकता है, जबकि डेट घटक गिरावट के असर को कुछ हद तक कम करने में मदद करता है। हालांकि, इक्विटी के अधिक अनुपात के कारण इसे पूरी तरह से सुरक्षित निवेश नहीं माना जा सकता। उनके अनुसार एग्रेसिव हाइब्रिड फंड उन निवेशकों के लिए उपयुक्त हैं जो इक्विटी में पैसा लगाकर विकास चाहते हैं, लेकिन अपनी पूरी पूंजी शेयरों में लगाने का जोखिम नहीं उठाना चाहते। यह लंबी अवधि के निवेशकों और नए निवेशकों के लिए भी एक अच्छा विकल्प हो सकता है, जो खुद स्टॉक चुनने के बजाय पेशेवर फंड मैनेजर के माध्यम से निवेश करना चाहते हैं। मध्यम से अधिक जोखिम लेने की क्षमता वाले निवेशक इस श्रेणी पर विचार कर सकते हैं। हालांकि, निवेशकों को यह समझना जरूरी है कि एग्रेसिव हाइब्रिड फंड कम जोखिम वाले या पूंजी-सुरक्षित निवेश नहीं हैं। इक्विटी का बड़ा हिस्सा होने के कारण बाजार में तेज गिरावट आने पर इनके रिटर्न पर भी असर पड़ सकता है। निवेश से पहले फंड के इक्विटी और डेट पोर्टफोलियो की गुणवत्ता, फंड मैनेजर का अनुभव और खर्च अनुपात का सावधानीपूर्वक मूल्यांकन करना चाहिए। केवल पिछले प्रदर्शन को देखकर निर्णय लेने से बचना चाहिए और हमेशा अपने निवेश लक्ष्यों तथा जोखिम उठाने की क्षमता को प्राथमिकता देनी चाहिए।

newsdesk@motherlandvoice.org
editor@motherlandvoice.org

मदरलैण्ड वॉइस | 11
नई दिल्ली, सोमवार, 21 सितम्बर 2026

आंकड़ों में वैभव सूर्यवंशी से भी खतरनाक हैं अभिषेक शर्मा, गेंदबाजों को देते हैं तबाही

नई दिल्ली , एजेंसी। भारत बनाम अफगानिस्तान तीन मैचों की टी-20 सीरीज के समापन के बाद, एक खिलाड़ी जिसका नाम हर तरफ गूंज रहा है, वह हैं अभिषेक शर्मा। उन्होंने सीरीज के तीसरे और आखिरी मैच में सिर्फ 30 गेंदों में शतक जड़कर इतिहास के सुनहरे अक्षरों में अपना नाम दर्ज कराया और पहले मुकाबले में भी 82 रनों की दमदार पारी खेली थी। अभिषेक ने पूरी सीरीज में शानदार प्रदर्शन किया और प्लेयर ऑफ द सीरीज का अवार्ड भी अपने नाम किया। हालांकि, जब भारतीय टीम जिम्बाब्वे दौरे पर थी, तब 15 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी ने प्लेयर ऑफ द सीरीज का खिताब जीता था। दोनों खिलाड़ियों ने अपनी-अपनी सीरीज में दमदार प्रदर्शन किया, लेकिन जब उनके आंकड़ों की गहराई से तुलना की जाती है, तो अभिषेक शर्मा वैभव सूर्यवंशी से भी कहीं अधिक खतरनाक और प्रभावी नजर आते हैं।

दोनों खिलाड़ी अपनी-अपनी सीरीज में प्लेयर ऑफ द सीरीज रहे, लेकिन उनके आंकड़ों में बहुत बड़ा फर्क देखा गया। जो काम वैभव सूर्यवंशी जिम्बाब्वे की सीरीज में नहीं कर पाए थे, अभिषेक शर्मा ने भारतीय सरजमीं पर दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में कर दिखाया। जहां वैभव सूर्यवंशी जिम्बाब्वे में अपने तीन मैचों में 200 के स्ट्राइक रेट को पार नहीं कर पाए थे और उनका स्ट्राइक रेट 196.10 रहा था, वहीं अभिषेक शर्मा ने अफगानिस्तान के खिलाफ 269.41 के अद्भुत स्ट्राइक रेट से रन बनाए, जो अपने आप में एक असाधारण आंकड़ा है।

इसी तरह, उस सीरीज में वैभव सूर्यवंशी तीन पारियों में 200 रनों का आंकड़ा पार नहीं कर पाए थे, लेकिन अभिषेक शर्मा ने उतनी ही पारियों में 200 से ज्यादा रन (कुल 229 रन) बना दिए। अभिषेक शर्मा ने 76.33 की कमाल की औसत के साथ रन बनाए, जबकि जिम्बाब्वे सीरीज में वैभव सूर्यवंशी की औसत 50.33 की रही थी। बाउंड्री की बात करें तो वैभव सूर्यवंशी ने उस सीरीज में सिर्फ 15 चौके और 9 छक्के लगाए थे, वहीं अभिषेक शर्मा ने अफगानिस्तान के खिलाफ सीरीज में 18 चौके और 22 छक्के जड़ दिए हैं। इन दोनों सीरीजों में दोनों बल्लेबाजों की तुलना करने पर साफ जाहिर होता है कि जब अभिषेक शर्मा अपने रौद्र रूप यानी फुल फॉर्म में होते हैं, तो वे वैभव सूर्यवंशी से भी कहीं ज्यादा विस्फोटक और गेंदबाजों के लिए विध्वंसक साबित होते हैं। उनके आंकड़े स्पष्ट रूप से दशार्ते हैं कि वह किस हद तक खतरनाक और दमदार प्रदर्शन करने की क्षमता रखते हैं।

ऑस्ट्रेलिया के ब्रेंडन डॉगेट का भारत दौरे पर फोकस: टेस्ट टीम में जगह बनाना

चेन्नई , एजेंसी। ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज ब्रेंडन डॉगेट अगले साल भारत में होने वाली प्रतिष्ठित बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के लिए ऑस्ट्रेलिया की सीनियर टेस्ट टीम में अपनी जगह पक्की करने की उम्मीद के साथ भारत ए के खिलाफ आगामी सीरीज में अपना जलवा बिखेरने के लिए तैयार हैं। चेन्नई में चल रही ऑस्ट्रेलिया ए टीम के साथ भारत ए के खिलाफ चार दिवसीय मैचों की सीरीज उनके लिए राष्ट्रीय टीम में वापसी का एक महत्वपूर्ण मंच है। फरवरी में लगी हैमस्ट्रिंग चोट से उबरकर क्रिकेट में वापसी कर रहे डॉगेट, जो पिछले घरेलू सत्र में ऑस्ट्रेलिया के लिए दो टेस्ट मैच खेल चुके हैं, इस दौरे को अपनी फिटनेस और फॉर्म साबित करने के अवसर के रूप में देख रहे हैं।

चेन्नई में बिग बैश लीग (बीबीएल) के एक कार्यक्रम में बोलते हुए, डॉगेट ने कहा, मुझे उम्मीद है कि मैं बॉर्डर-गावस्कर टेस्ट सीरीज का हिस्सा बन पाऊंगा। मेरा मानना है कि एक ऑस्ट्रेलियाई के तौर पर यह सबसे बड़ी सीरीज में से एक है। मैंने भारत में टेस्ट क्रिकेट देखते हुए ही बड़ा हुआ हूं। उन्होंने आगे कहा कि भारत में खेलना वास्तव में बहुत मेहनत और ऑस्ट्रेलिया तथा इंग्लैंड में मिलने वाली चुनौतियों से बिल्कुल अलग है। अपनी फिटनेस पर बात करते हुए डॉगेट ने पुष्टि की कि उनका शरीर अभी तक ठीक चल रहा है और वह इंडिया ए के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन करने और कुछ टेस्ट क्रिकेट खेलने का इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने बताया, मैं शायद पिछले दो महीनों से पूरी तरह फिट होकर दौड़ रहा हूं। सब कुछ अच्छा लग रहा है और नियंत्रण में है। घर पर सर्दी बिताने के बाद, यहां के हालात बहुत अलग होने वाले हैं। हमने गर्मी से थोड़ा तालमेल बिठाने का काम किया है। हालांकि, शरीर पर काम का बोझ भी पड़ रहा है।

ऑस्ट्रेलिया का तेज गेंदबाजी आक्रमण जबरदस्त है, जिसमें पैट कमिंस, मिशेल स्टार्क, जोश हेजलवुड और स्कॉट बोलैंड जैसे दिग्गज गेंदबाज शामिल हैं। डॉगेट ने स्वीकार किया कि इस ग्रुप में जगह बनाने के लिए धैर्य और लगातार अच्छा प्रदर्शन करने की जरूरत होती है। उन्होंने विश्वास जताया, ये सभी लोग अपने करियर में किसी न किसी समय टॉप लेवल पर पहुंचने के लिए काफी अच्छे हैं। मुझे नहीं लगता कि ऑस्ट्रेलिया में तेज गेंदबाजी की गहराई के बारे में चिंता करने की कोई जरूरत है। उम्मीद है, मेरे लिए मौके आएंगे। मुझे बस फिट और तैयार रहना है, और जब मौका मिले तो परफॉर्म करना है। बाकी सब अपने आप हो जाएगा। ऑस्ट्रेलिया के लिए खेलना मेरा बहुत बड़ा सपना है।

संक्षिप्त समाचार

शेफाली महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय में सबसे अधिक छक्के लगाने वाली भारतीय खिलाड़ी बनी

आइची–नागोया, एजेंसी। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की आक्रामक सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा ने बांग्लादेश के खिलाफ एशियाई खेलों के सेमीफाइनल मुकाबले में 49 गेंदों पर लगाये तेज शतक से कई रिकार्ड बनाये हैं। अब शेफाली भारतीय टीम की ओर से महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय में सबसे अधिक छक्के लगाने वाली खिलाड़ी भी बन गयी है। शेफाली ने अपनी ही साथी सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना का रिकॉर्ड तोड़ा, मंधाना के नाम इस प्रारुप में 100 छक्के थे। बांग्लादेश के खिलाफ अपनी आक्रामक पारी के दौरान छठा छक्का लगाते ही शेफाली ने यह उपलब्धि हासिल की और अब उनके नाम महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय में 104 छक्के दर्ज हो गए हैं। इस कीर्तिमान के साथ, शेफाली वर्मा भारत के लिए इस प्रारुप में सबसे अधिक छक्के लगाने वाली पहली खिलाड़ी बन गई हैं। वही मंधाना 100 छक्के लगाकर दूसरे स्थान पर हैं, जबकि कप्तान हरमनप्रीत कौर 92 छक्कों के साथ तीसरे स्थान पर हैं। वहीं ऋचा घोष के नाम 49 और जेमिमा रोड्रिग्स के नाम 27 छक्के हैं। वहीं अंतर्राष्ट्रीय टी20 क्रिकेट में सर्वाधिक छक्के जड़ने वाली बल्लेबाजों की सूची में भी शेफाली अब चौथे स्थान पर पहुंच गई हैं। इस सूची में संयुक्त रूप से 134–134 छक्कों के साथ वेस्टइंडीज की डिएंड्रा डॉटिन और न्यूजीलैंड की सोफी डिवाइन नंबर एक पर कायम हैं। वहीं श्रीलंका की कप्तान चमारी अथापट्टू 120 छक्कों के साथ तीसरे स्थान पर हैं।

एशियाई खेलों में भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने इंडोनेशिया को 13-1 से हराया

आइची–नागोया, एजेंसी। एशियाई खेलों में भारतीय हॉकी के लिए रविवार का दिन सुपर संडे जैसा रहा। देश की पुरुष हॉकी टीम ने अपने पहले मुकाबले में मेजबान इंडोनेशिया को 13–1 से एकतरफा अंदाज में हराकर अपने अभियान का धमाकेदार आगाज किया। वहीं, इससे पहले दिन की शुरूआत में महिला टीम ने भी उज्बेकिस्तान को 19–0 के विशाल अंतर से हराकर खुशी को दुगना कर दिया। दोनों ही जीतों ने टूनार्मेंट में भारत की स्वर्ण पदक जीतने की प्रबल दावेदारी को और मजबूत किया है। पुरुष टीम का यह प्रदर्शन उसकी आक्रामकता और रणनीति का स्पष्ट प्रमाण था। मैच के पहले मिनट से ही भारतीय खिलाड़ियों ने से दबदबा बनाए रखा। इंडोनेशियाई टीम को गेंद पर नियंत्रण के लिए लगातार संघर्ष करना पड़ा, जबकि भारत ने लगातार हमले किए और विरोधी टीम के डिफेंस को भेदने में कोई कसर नहीं छोड़ी। पूल ए में भारत के लिए यह जीत सिर्फ दो अंक ही नहीं लाई, बल्कि गोल अंतर में भी महत्वपूर्ण बढ़त दिलाई, जो कि टूनार्मेंट के आगे के चरणों में बेहद अहम साबित हो सकता है। भारतीय टीम ने मैच के हर क्वार्टर में गोल दागे, जिससे यह स्पष्ट हो गया कि उनकी आक्रमण पंक्ति पूरी तरह से लय में है। कप्तान हरमनप्रीत सिंह सहित कई खिलाड़ियों ने गोल स्कोरिंग शीट पर अपना नाम दर्ज कराया, जो टीम की सामूहिक शक्ति को दशार्ता है। खासकर, मैच के आखिरी क्वार्टर में भारतीय खिलाड़ियों ने तीन तेज–तर्रार गोल कर इंडोनेशियाई टीम की रही–सही उम्मीदों पर भी पानी फेर दिया। यह दिखाता है कि टीम अंत तक अपनी तीव्रता बनाए रखने में सक्षम है। एकमात्र गोल जो इंडोनेशिया ने दागा, वह भारतीय डिफेंस की गलती से हुआ था, जिससे यह भी पता चलता है कि टीम को अभी भी कुछ क्षेत्रों में सुधार की गुंजाइश है, हालांकि इतनी बड़ी जीत में यह बात गौण हो जाती है। दूसरी ओर, भारतीय महिला हॉकी टीम ने भी उज्बेकिस्तान पर अपनी 19–0 की जीत के साथ किसी को कोई रियायत नहीं बरती। यह जीत महिला टीम के आत्मविश्वास को बढ़ाने वाली है और यह दशार्ती है कि वे भी पदक के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। दोनों टीमों द्वारा दिखाए गए इस शानदार प्रदर्शन ने भारतीय हॉकी प्रेमियों के बीच उत्साह की एक नई लहर पैदा कर दी है। एशियाई खेलों में हॉकी में भारत का इतिहास समृद्ध रहा है और इस तरह की शुरूआत निश्चित रूप से उस गौरव को फिर से हासिल करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। हालांकि यह केवल शुरूआत है, और टूनार्मेंट में आगे चलकर भारत को जापान, पाकिस्तान और कोरिया जैसी मजबूत टीमों का सामना करना होगा। लेकिन इंडोनेशिया और उज्बेकिस्तान जैसी टीमों के खिलाफ मिली ये विशाल जीतें भारतीय टीमों को आगामी चुनौतियों का सामना करने के लिए आवश्यक गति और आत्मविश्वास प्रदान करती हैं।

मंधाना टी20 अंतराष्ट्रीय में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली महिला खिलाड़ी बनीं

सूजी बैट्स का रिकार्ड तोड़ा

आइची-नागोया , एजेंसी। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की अनुभवी खिलाड़ी स्मृति मंधाना ने रविवार को बांग्लादेश के खिलाफ एशियाई खेलों के सेमीफाइनल मुकाबले में अपनी 37 रनों की छोटी सी पारी खेलने के बाद भी इतिहास रच दिया। मंधाना ने अपने इस पारी के साथ ही महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे अधिक रन बनाने वाली न्यूजीलैंड की दिग्गज सूजी बैट्स को पीछे छोड़ दिया है। मंधाना के अब 178 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 30.69 के औसत से सबसे ज्यादा 4788 रन हो हो गए हैं। उन्होंने अब तक दो शतक और 36 अर्धशतकीय पारियां खेली हैं। इससे पहले, यह रिकॉर्ड न्यूजीलैंड की पूर्व ऑलराउंडर सूजी बैट्स के पास था, जिन्होंने 186 मैचों में 4758 रन बनाए थे। बैट्स का औसत 28.83 था और उनके खाते में एक शतक व 28 अर्धशतक दर्ज थे। जून 2026 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहने वाली बैट्स का यह रिकॉर्ड तोड़कर मंधाना ने अपने नाम कर महिला क्रिकेट के इतिहास में एक नया अध्याय जोड़ दिया है। मंधाना ने तीसरे ओवर की पांचवीं गेंद पर शानदार चौका लगाकर सूजी बैट्स का रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिया। महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सर्वाधिक रन बनाने वाली खिलाड़ियों की सूची में, मंधाना अब शीर्ष पर हैं। इस लिस्ट में भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर तीसरे स्थान पर हैं, जिनके नाम 209 मैचों में 4327 रन हैं, जिसमें एक शतक और 18 अर्धशतक शामिल हैं। वहीं श्रीलंका की चमारी अटापट्टू और न्यूजीलैंड की सोफी डिवाइन भी इस टॉप-5 सूची का हिस्सा हैं, जिसमें भारत और न्यूजीलैंड की दो-दो तथा श्रीलंका की एक खिलाड़ी शामिल है।

डेनमार्क की राजधानी कोपनहेगन में विश्व एथलेटिक्स रोड रनिंग चैम्पियनशिप में जीत के बाद उत्साहित पदक विजेता महिला खिलाड़ी

एशियाई खेलों का दूसरा सेमीफाइनल : शेफाली के शतक से भारत ने बांग्लादेश को 196 रनों का लक्ष्य दिया

आइची-नागोया , एजेंसी। सलामी बल्लेबाज शैफाली वर्मा के तेज शतक से भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने यहां जारी एशियाई खेलों के दूसरे सेमीफाइनल में निर्धारित 20 ओवरों में चार विकेट के नुकसान पर 195 रन बनाए। इस प्रकार बांग्लादेश को जीत के लिए 196 रनों का कठिन लक्ष्य मिला है। इस मुकाबले में भारतीय टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए बांग्लादेश के गेंदबाजों को कोई अवसर नहीं दिया। शेफाली ने केवल 49 गेंदों का सामना करते हुए नाबाद 100 रनों की तूफानी पारी खेली। उनकी इस आतिशी बल्लेबाजी में तीन बेहतरीन चौके और नौ छक्के शामिल थे। यह उनके टी20 अंतर्राष्ट्रीय करियर का पहला शतक है।

टॉस जीतकर बल्लेबाजी का फैसला करने वाली भारतीय टीम की शुरूआत काफी जबरदस्त रही। पावरप्ले के छह ओवरों में ही टीम ने 72 रन बटोरे, हालांकि इस दौरान एक विकेट खोया। सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने तेजतर्रार अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए 19 गेंदों में पांच चौकों और दो छक्कों की मदद से 37 रनों की शानदार पारी खेली। उन्हें बांग्लादेश की नाहिदा अख्तर ने आउट किया। अपनी इस पारी के साथ ही मंधाना ने महिला टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में एक नया विश्व रिकॉर्ड भी कायम किया। वह अब 4788 रन बनाकर इस प्रारूप में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी बन गई हैं, उन्होंने न्यूजीलैंड की पूर्व दिग्गज ऑलराउंडर सूजी बेट्स (4758 रन) के लंबे समय से चले आ रहे रिकॉर्ड को सफलतापूर्वक पीछे छोड़ दिया।

कप्तान हरमनप्रीत कौर ने शेफाली वर्मा के साथ मिलकर तीसरे विकेट के लिए 94 रनों की एक बेहद महत्वपूर्ण साझेदारी निभाई। हरमनप्रीत ने 33 गेंदों में छह चौकों के जरिए 40 रनों का अहम योगदान दिया।

एशियाई खेल 2026 : भारत को मनु भाकर, ईशा सिंह और राही सहित सभी निशानेबाजों से पदकों की उम्मीद

आइची-नागोया, एजेंसी। भारत को जापान के आइची-नागोया में शुरू हुए एशियाई खेलों की निशानेबाजी स्पर्धा में मनु भाकर, ईशा सिंह और राही सरनोबत सहित कई अन्य खिलाड़ियों से पदकों की उम्मीद है। निशानेबाजी में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है। एशियाई खेलों में भारत के 30 निशानेबाज विभिन्न स्पधाओं में भाग ले रहे हैं। ऐसे में इनसे देश को काफी पदकों की उम्मीद है। भारतीय दल में युवाओं के साथ ही अनुभवी खिलाड़ी भी शामिल हैं। को राइफल, पिस्टल और शॉटगन, तीनों इवेंट्स में पदक का मजबूत दावेदार माना जा रहा है।

पिस्टल इवेंट्स में भारत की उम्मीदें युवा निशानेबाज मनु भाकर पर लगी हैं।वह 10 मीटर एयर पिस्टल और 25 मीटर पिस्टल दोनों में चुनौती पेश करेंगी। उनके साथ ईशा सिंह भी 10 मीटर एयर पिस्टल और 25 मीटर पिस्टल में दिखेंगी। वहीं अनुभवी राही सरनोबत 25 मीटर पिस्टल में मनु और ईशा का साथ देंगी। इसके अतिरिक्त, सुरुचि सिंह और अनीश जैसे निशानेबाज भी अपनी-अपनी पिस्टल स्पधाओं में पदक की दौड़ में होंगे।

राइफल स्पर्धा में ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर, रुद्राक्ष बी. पाटिल और इलावेनिल वलारिवन भारतीय चुनौती को और मजबूत करेंगे। रुद्राक्ष, जिन्हें बड़े चैंपियनशिप का अच्छा अनुभव है, 10 मीटर एयर राइफल और 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन दोनों मुकाबलों में उतरेंगे। वहीं इलावेनिल वलारिवन चैंपियन, 10 मीटर एयर राइफल में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी। आशी चौकसे और तिलोत्तमा सेन जैसी युवा प्रतिभाएं भी राइफल टीम का अहम हिस्सा हैं।

शॉटगन दल में भी अनुभवी और युवा निशानेबाजों का अच्छा तालमेल है। पुरुषों की ट्रैप स्पर्धा कायनन चेनाई पर निगाहें होंगी। महिला ट्रैप में नीरू पर नजरें रहेंगी। अनंतजीत सिंह नारुका, भी स्कीट और मिक्स्ड टीम इवेंट में पदक दावेदार हैं।

एशियाई खेलों के पहले सेमीफाइनल में श्रीलंका ने पाकिस्तान को हराकर फाइनल में जगह बनायी

चमारी अटापट्टू ने बनाये 83 रन

हांग्जो , एजेंसी। चमारी अटापट्टू के नाबाद 83 रनों की पारी से श्रीलंका ने एशियाई खेलों के महिला क्रिकेट के पहले सेमीफाइनल में पाकिस्तान को 8 विकेट से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। श्रीलंका के खिलाफ पाक टीम इस मैच में टिक नहीं पायी और उसे करारी हार का सामना करना पड़ा। इस मैच में श्रीलंकाई टीम की जीत में कप्तान चमारी अटापट्टू की अर्धशतकीय पारी की सबसे बड़ी भूमिका रही। जिसके कारण ही लंकाई टीम पाकिस्तान से मिले 178 रनों के लक्ष्य को आसानी से हासिल कर पायी। फाइनल में श्रीलंका का मुकाबला दूसरे सेमीफाइनल की विजेता भारतीय टीम ने होगा, वहीं, पाकिस्तान की टीम को अब कांस्य पदक के लिए बांग्लादेश से खेलना होगा। इस मैच में श्रीलंका ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का निर्णय लिया। पाकिस्तान की शुरूआत बेहद निराशाजनक रही और उसकी पहली ही गेंद पर गुल फिरोजा बिना खाता खोले बोल्ड हो गईं। इसके बाद सायरा जाबिन ने 17 रन बनाए, लेकिन उन्हें भी कप्तान अटापट्टू ने छठे ओवर में आउट कर पवेलियन भेज दिया। शुरूआती झटकों के बावजूद, शवाल जुल्फिकार और आयशा जफर ने शानदार साझेदारी निभाते हुए पाकिस्तान की पारी को संभाला। आयशा जफर ने बेहतरीन 71 रनों की पारी खेली, जबकि शवाल जुल्फिकार ने भी 54 रनों का महत्वपूर्ण योगदान दिया। दोनों के बीच शतकीय साझेदारी हुई, जिससे पाकिस्तान ने निर्धारित 20 ओवर में 177 रन ही बनाये। इसके बाद 178 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंकाई टीम को सलामी बल्लेबाज इमेशा दुलानी और चमारी अटापट्टू ने अच्छी शुरूआत दी।

युवराज सिंह के छह छक्कों की बराबरी में लगे 14 साल, कीरोन पोलार्ड ने दोहराया था कारनामा

नई दिल्ली , एजेंसी। टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में लगातार छह गेंदों पर छह छक्के लगाने का रिकॉर्ड जब युवराज सिंह ने बनाया था, तब शायद ही किसी ने सोचा होगा कि कोई दूसरा बल्लेबाज इसकी बराबरी कर पाएगा। युवराज ने वर्ष 2007 में इंग्लैंड के खिलाफ एक ओवर की छह गेंदों पर छह छक्के लगाकर क्रिकेट जगत में इतिहास रचा था। उनके इस कारनामे की बराबरी करने में दूसरे खिलाड़ी को करीब 14 साल का लंबा इंतजार करना पड़ा था। वेस्टइंडीज के हरफनमौला खिलाड़ी कीरोन पोलार्ड ने वर्ष 2021 में यह उपलब्धि हासिल कर युवराज के रिकॉर्ड की बराबरी की। युवराज सिंह ने यह ऐतिहासिक कारनामा पहले टी20 विश्व कप के दौरान किया था। इंग्लैंड के खिलाफ मुकाबले से पहले युवराज शानदार फॉर्म में नहीं थे। टूनार्मेंट में इससे पहले खेले गए तीन मुकाबलों में उनके बल्ले से महज छह रन निकले थे। स्कॉटलैंड के खिलाफ उन्हें बल्लेबाजी का मौका नहीं मिला था, जबकि पाकिस्तान के खिलाफ वह एक और न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच रन बनाकर आउट हुए थे।

इंग्लैंड के खिलाफ मुकाबले में युवराज ने हालांकि आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी शुरू की। एंड्रयू फ्लिंटॉफ के साथ मैदान पर उनकी कहासुनी भी हुई। इसके बाद युवराज ने अपना गुस्सा इंग्लैंड के तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड पर निकाला। पारी के 19वें ओवर में युवराज ने ब्रॉड की लगातार छह गेंदों पर छह छक्के जड़ दिए। इस तरह वह टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में एक ओवर में छह छक्के लगाने वाले दुनिया के पहले बल्लेबाज बने। इस रिकॉर्ड की बराबरी करने के लिए 14 साल बाद कीरोन पोलार्ड सामने आए। वर्ष 2021 में श्रीलंका के खिलाफ पोलार्ड ने भी लगातार छह गेंदों पर छह छक्के लगाए और युवराज के ऐतिहासिक कारनामे की बराबरी कर ली। चूंकि एक ओवर में छह ही गेंदें होती हैं, इसलिए इस रिकॉर्ड को तोड़ना संभव नहीं है, बल्कि इसकी बराबरी ही की जा सकती है।

इसके बाद इस सूची में नेपाल के दीपेंद्र सिंह ऐरी और समोआ के डेरियस विसर का नाम वर्ष 2024 में जुड़ा। वर्ष 2025 में बुल्गारिया के मनन बशीर ने यह उपलब्धि हासिल की। वर्ष 2026 में नेपाल के कुशल भुर्टेल भी एक ओवर में छह छक्के लगाने वाले बल्लेबाजों की सूची में शामिल हो गए। इस तरह टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अब तक युवराज सिंह, कीरोन पोलार्ड, दीपेंद्र सिंह ऐरी, डेरियस विसर, मनन बशीर और कुशल भुर्टेल एक ओवर में छह छक्के लगाने का कारनामा कर चुके हैं। युवराज का 2007 का कारनामा इस सूची में पहला था और उसके बाद दुनिया के अन्य बल्लेबाजों ने उनके प्रदर्शन की बराबरी की।

शिवम दुबे ने खोले बचपन के राज, रसोइये और पिता ने पहचाना टैलेंट

नई दिल्ली , एजेंसी। भारतीय टीम के स्टार ऑलराउंडर शिवम दुबे ने दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम में अपने बचपन और क्रिकेटर बनने के सफर के दिलचस्प राज खोले। 2024 और 2026 में लगातार दो बार भारतीय क्रिकेट टीम के साथ टी-20 वर्ल्ड कप जीतने वाले शिवम ने बताया कि कैसे उनके घरेलू रसोइये और बाद में उनक पिता ने उनके अंदर के क्रिकेटर को पहचाना। शिवम ने याद करते हुए बताया कि उनके क्रिकेटिंग सफर की शुरूआत उनके रसोइये की बदौलत हुई, जिसने उनके लंबे छक्के देखकर बॉल फेंकने से इनकार कर दिया था। शिवम दुबे ने कहा, मेरे कुक ने दो-तीन बार मुझे बॉलिंग कराई है। फिर उसने मुझे बॉलिंग करनी बंद कर दी। मैंने फिर पापा को बोला कि मेरे साथ ये नहीं खेलता है। फिर पापा ने कुक को डांटा। कुक ने बताया कि ये बहुत दूर-दूर मारता है मैं थक जाता हूं तो फिर खाना कैसे बनाऊंगा। फिर पापा ने बोला कि मेरे सामने बॉलिंग कराओ उसे। मैंने भी पापा के सामने जोर से मारा, पता नहीं पापा ने मुझमें ऐसा क्या पहचाना कि उन्होंने तभी मुझे क्रिकेटर बनाने की ठान ली थी। शिवम ने आगे बताया कि जब वह 22 साल के हुए तब भी उन्हें यकीन नहीं था कि वह क्रिकेटर बनेंगे, लेकिन उनके पापा को पांच साल की उम्र से ही लगा था कि वह क्रिकेटर बनेंगे। शिवम के ऑलराउंडर बनने की कहानी भी दिलचस्प है। बकौल शिवम वह इसलिए ऑलराउंडर बने ताकि अगर बैटिंग में नहीं चल पाए तो बॉलिंग से विकेट निकालकर टीम में अपनी जगह पक्की रख सकें।

अफगानिस्तान के खिलाफ दूसरे टी-20 में खराब फील्डिंग के कारण हुई सोशल मीडिया ट्रोलिंग पर शिवम ने बेबाकी से कहा कि कोई भी फील्डर जानबूझकर गेंद या कैच नहीं छोड़ता। सभी पूरी कोशिश करते हैं कि गेंद को रोका जाए, लेकिन कभी-कभी ऐसा नहीं हो पाता है। ड्रेसिंग रूम के माहौल को शिवम दुबे ने खुशनुमा बताया और रोहित शर्मा व विराट कोहली को बड़े भाई करार दिया। उन्होंने कहा कि दोनों से कभी डर नहीं लगा बल्कि बड़े भाई या दोस्त की फीलिंग आई। शिवम ने अपने सफल इंटरनेशनल करियर के पीछे इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) को क्रेडिट दिया और आईपीएल में बढ़िया करने के लिए महेंद्र सिंह धोनी की तारीफ की। इतना ही नहीं, उन्होंने गौतम गंभीर को मैदान पर गंभीर, लेकिन ग्राउंड के बाहर मस्तीखोर कहने से भी वह नहीं हिचकिचाए, जिससे भारतीय क्रिकेट के भीतर के सौहार्दपूर्ण माहौल का पता चलता है।

50 की उम्र में भी संभाली टीम की कप्तानी, इन दिग्गजों ने उम्र को बनाया महज आंकड़ा

नई दिल्ली , एजेंसी। क्रिकेट के डेढ़ सौ साल से अधिक लंबे इतिहास में कप्तानी हमेशा चुनौतीपूर्ण जिम्मेदारी रही है। खासकर तब, जब खिलाड़ी उम्र के उस पड़ाव पर पहुंच चुका हो, जहां आमतौर पर क्रिकेटर संन्यास लेने के बारे में सोचने लगते हैं। हालांकि टेस्ट क्रिकेट में कुछ ऐसे दिग्गज भी हुए, जिन्होंने बढ़ती उम्र को अपनी राह में बाधा नहीं बनने दिया। इन खिलाड़ियों ने 40 और 50 वर्ष की उम्र में भी अपनी राष्ट्रीय टीमों की कप्तानी की और इतिहास में खास जगह बनाई। इस सूची में सबसे पहला और सबसे उल्लेखनीय नाम इंग्लैंड के महान क्रिकेटर डब्ल्यू. जी. ग्रेस का आता है। 1 जून 1899 को नॉटिंघम में इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेले गए टेस्ट मैच में ग्रेस ने इंग्लैंड की कप्तानी की थी। उस समय उनकी उम्र 50 साल 320 दिन थी। इस उम्र में कप्तानी करने वाले वह टेस्ट क्रिकेट इतिहास के सबसे उम्रदराज कप्तान बने। उनका यह रिकॉर्ड आज भी कायम है। ग्रेस का यह मुकाबला टेस्ट इतिहास का 60वां मैच था।

इसके करीब पांच दशक बाद इंग्लैंड के ही गबी एलन ने भी अपनी उम्र और अनुभव का परिचय दिया। 27 मार्च 1948 को किंग्स्टन में वेस्टइंडीज के खिलाफ खेले गए टेस्ट मैच में एलन ने इंग्लैंड की कप्तानी की। उस समय उनकी उम्र 45 साल 245 दिन थी। द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद के दौर में उन्होंने अपने अनुभव के जरिए टीम का नेतृत्व किया। यह टेस्ट क्रिकेट इतिहास का 298वां मुकाबला था। इससे एक साल पहले इंग्लैंड के महान बल्लेबाज वॉली हैमंड ने भी बढ़ती उम्र में टीम की कमान संभाली थी। 21 मार्च 1947 को क्राइस्टचर्च में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेले गए टेस्ट में हैमंड 43 साल 279 दिन की उम्र में कप्तान बने। यह टेस्ट इतिहास का 284वां मुकाबला था। अपनी बल्लेबाजी और कप्तानी के लिए मशहूर हैमंड ने लंबे समय तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपना प्रभाव बनाए रखा।

आलसी लड़कियों के लिए झटपट वाली मेकअप टिप्स

बीबी क्रीम का इस्तेमाल करें : यदि आपकी सुबह आलसाई हुई होती है, तो प्रॉपर व परफ़ेक्ट बेस पाना दूर का सपना है। इसके साथ अगर आपकी स्किन क्लीयर नहीं है, तब आप टिंटेड मॉइस्चराइज़र या किसी बीबी क्रीम पर भरोसा कर सकती हैं। इन दोनों प्रॉडक्ट्स को नॉर्मल मॉइस्चराइज़र की तरह ही लगाया जा सकता है।

मस्कारा लगाएं : पांडा या पफ़ी आइज़, इसे आप मस्कारा के साथ तैयार कर सकती हैं। मस्कारा आपकी आंखों को बड़ी और पूरी तरह से खुली दिखाने में मदद करता है, जिससे आप उनींदेपन या हैंगओवर के प्रभाव को कम कर सकती हैं। जिस दिन आप सबसे अधिक लेज़ीनेस फ़ील कर रही हों, तो सिर्फ़ जेट ब्लैक मस्कारा लगाएं और अगर आप में थोड़ी-सी भी एनर्जी बची हो, तो कलर्ड आइलाइनर भी आज़मा सकती हैं। अगर लगता है कि यह इन दिनों के

लिए ज़्यादा हो रहा है, तो बस लोअर लैश लाइन पर मस्कारा लगाएं।

काजल से अपनी आंखों को भरें : कोई दूसरे मेकअप प्रॉडक्ट्स तो नहीं, लेकिन काजल आपके लुक में इंस्टेंट बदलाव लाने का काम करता है। अगर आपको आइलाइनर लगाने का मन नहीं है और परफ़ेक्ट विंग्ड लाइनर लगाना हैवी मेकअप लुक दे रहा है, तो अपनी लोअर वॉटर लाइन को काजल से भरें और आप तैयार हैं।

बोल्ड व ब्राइट लिप्स चुनें : जब आप प्रॉपर मेकअप करने के मूड में ना हों, तो अपने होंठों पर बोल्ड लिपस्टिक शेड लगाकर अपने थके हुए चेहरे से ध्यान हटा सकती हैं। बरगंडी, मैजेंटा और डीप रेड शेड्स हर स्किन टोन पर सूट करते हैं।

एक जगह बैठकर करें तितली आसन

भागदौड़ भरी इस जिंदगी में स्वस्थ रहने के लिए हेल्दी डाइट के साथ योग भी जरूरी है। अगर आप नियमित तौर पर योग करते हैं तो कई बीमारियों से दूर रह सकते हैं।योग से न केवल व्यक्ति का तनाव दूर होता है, बल्कि मन और मस्तिष्क को भी शांति मिलती है योग बहुत ही लाभकारी है।योग न केवल हमारे दिमाग, मस्तिष्क को ही ताकत पहुंचाता है बल्कि हमारी आत्मा को भी शुद्ध करता है।

क्या है तितली आसन

तितली आसन दो शब्दों तितली और आसन से मिलकर बना है।इसका शाब्दिक अर्थ तितली की मुद्रा में बैठना है।इस योग की मुद्रा बद्धकोणासन के समान है।इसलिए कई बार इसे बद्धकोणासन भी समझ लिया जाता है, लेकिन बद्धकोणासन और तितली आसन में बहुत अंतर है।इस मुद्रा में तितली की भांति पैरों को ऊपर-नीचे हिलाते हैं, जबकि बद्धकोणासन में पैरों को जमीन पर रखना होता है।

कैसे करें तितली आसन

- एक योगा मैट लेकर सूर्य की ओर मुखकर आराम मुद्रा में बैठ जाएं।
- इसके बाद अपने दोनों पैरों को आगे की तरफ फैलाएं।
- अब पैरों को मोड़कर घुटनों एवं तलवों को एक दूसरे से मिलाएं।
- आप चाहे तो इस योग को करने के लिए दंडासन मुद्रा में भी बैठ सकते हैं।
- अब आराम मुद्रा में बैठकर अपने हाथों से जांघों को ज़मीन से लगाएं।
- अब दोनों हाथों से पैर के तलवों को पकड़ लें।
- फिर आंख बंदकर तितली की भांति अपने पैरों को हिलाएं।
- इस मुद्रा को कुछ मिनट के लिए करें।

तितली आसन के जबरदस्त लाभ

तनाव दूर करता है, तितली आसन आपकी पीठ के दर्द को ठीक करता है।इसके अलावा यह आपकी मसल्स का तनाव दूर करता है, इसके अभ्यास से ओवरी में ब्लड फ्लो बढ़ाता है, जिससे पीरियड्स नियमित हो जाते हैं और आपको ज्यादा फर्टाइल बनाता है।

आपके प्रजनन अंगों को फायदा पहुंचाता है

नियमित तौर पर तितली आसन करने से सभी प्रजनन अंगों में ब्लड सर्कुलेशन बढ़ा देता है, जिससे आप ज्यादा फर्टाइल बनती हैं।यही नहीं, इससे पीरियड्स भी नियमित हो जाते हैं।

गर्भवती महिलाओं के लिए सहायक है

तितली आसन को अंग्रेजी में बटरफ्लाई पोज कहा जाता है।यह गर्भवती महिलाओं के लिए बहुत फायदेमंद है।यह आपके पेट और एब्डोमेन में होने वाले दर्द हो मिटाता है।यही नहीं, आपके हिप्स, थाइस और पेल्विक एरिया की एक्सरसाइज हो जाती है, जिससे डिलीवरी आसानी से होती है।

संगीत और सेहत की संगत

संगीत की ताक़त कितनी है और कहां तक है, अगर संगीत में थोड़ी-बहुत दिलचस्पी है, तो आपको ज़रूर पता होगा. इतिहास की मानें तो तानसेन जब राग मेघ मल्हार गाते थे, तो बारिश होती थी और राग दीपक से दीप जल जाते थे. संगीत की सकारात्मकता हमारी सेहत को भी फ़ायदा पहुंचाती है, और शायद इसीलिए हवा, पानी, नदी, समुद्र, पक्षी और हम इंसानों के भीतर क़ुदरतन संगीत भरी हुई है.

तय है संगीत सुनने का समय

वैदिक संगीत पाठों में यह निर्देश दिया गया है कि सुबह, दोपहर और शाम के लिए कौन-सा राग उपयुक्त है. दोपहर के बाद वात अपने शिखर पर पहुंच जाता है, तब अधिक शांत संगीत सुनना चाहिए, यह शरीर की थकावट को दूर कर सकता है और मस्तिष्क के तनाव को कम करता है. यदि उचित रूप से इन्हें सुना जाए तो कई रोगों से बचा जा सकता है.

दस मिनट का संगीत और पाएं सेहतमंद शरीर

यदि आप अपने रक्तचाप को कम करना चाहते हैं, तो हल्के, मंद शास्त्रीय संगीत को सुनना अच्छा होता. कई तरह के शारीरिक दोषों को स्वरों से संतुलित और असंतुलित किया जाता है. यदि आप सोने की कोशिश करते हैं, पर आपका मस्तिष्क अभी भी चिंतन कर रहा है और नींद नहीं आ रही है, तो आप संगीत सुनकर इस परेशानी को दूर कर सकते हैं. संगीत को अपनी दिनचर्या में शामिल करके कुछ हद तक आम परेशानियों को दूर किया जा सकता है.

संगीत सुनने का सही तरीक़ा?

संगीत सुनने के लिए अपनी आंखें बंद करके शांत बैठ जाएं और अपना ध्यान संगीत की तरफ़ लगाएं. अगर आपका मन भटके तो इसे आराम से संगीत पर ले आएं. वही संगीत सुनें, जो आपकी प्रकृति से मेल खाता हो. यह पाश्चात्य शास्त्रीय संगीत, पारंपरिक भारतीय राग और वर्तमान समय का संगीत भी हो सकता है. यदि संगीत सुनने से आप ख़ुद को ख़ुश, हल्का और एनर्जेटिक महसूस कर रहे हैं, तो समझ जाएं कि संगीत अपना काम कर रहा है.

हेल्दी और फिट रहने के लिए रोज खाएं नट्स

ड्राई फ्रूट्स खाने के अपने फायदे हैं. नट्स का रोजाना सेवन शरीर के लिए अच्छा है क्योंकि ये आवश्यक पोषक तत्वों से भरे होते हैं और तुरंत ऊर्जा प्रदान करते हैं. सर्दियों में नट्स शरीर को गर्म रखने में मदद करते हैं. ये ओमेगा-3 फैटी एसिड, विटामिन और खनिजों से भरे हुए हैं. लेकिन इनके इतने फायदों के बाद भी आपके लिए यह जानना जरूरी है कि इनमें से रोजाना कौन से नट्स खाए जाएं जो आपको हेल्दी और फिट रखें. हम आपको बता रहे हैं रोज चलते-फिर- ते चबाने लायक बेस्ट पांच नट्स के बारे में, जो आपकी सेहत को सबसे अधिक फायदा पहुंचाएंगे.

पिंगल फल (Hazelnuts)

पिंगल फल (Hazelnuts) इसे पहाड़ी बादाम भी कहते हैं, लेकिन इसे अखरोट (Walnut) समझने की भूल न करें. ये विटामिन ई, हेल्दी फैट और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होते हैं. इसके साथ ही ये मैग्नीशियम और तांबा जैसे आवश्यक खनिजों का एक अच्छा स्रोत भी हैं.

अखरोट (Walnuts)

अखरोट (Walnut) शरीर में कोलेस्ट्रॉल का लेवल कंट्रोल करने और हार्ट को हेल्दी रखने में असरदार होता है. उन्हें आंत में अच्छे बैक्टीरिया की संख्या बढ़ाने और दिमाग के ऑक्सीडेटिव तनाव को कम करने के लिए भी जाना जाता है.

काजू (Cashews)

आमतौर पर काजू (Cashews) सबसे अधिक खाए जाने वाले नट्स में से एक है. ये ओमेगा-3 फैटी एसिड, विटामिन और स्वस्थ वसा से समृद्ध हैं और अक्सर कई तरह के मीठे व्यंजनों के स्वाद को बढ़ाने के लिए इस्तेमाल में लाया जाता है.

बादाम (Almonds)

लोग अक्सर बादाम (Almond) को रात भर भिगोकर रखते हैं और अगली सुबह उन्हें खाने से पहले छील लेते हैं. ऐसा इसलिए है क्योंकि इसके छिलके जरूरी पोषक तत्वों के अवशोषण रोकते हैं. बादाम का सेवन करना सेहत के लिए अच्छा है क्योंकि ये फाइबर, विटामिन ई, प्रोटीन और असंतृप्त वसा का एक समृद्ध स्रोत हैं.

पिस्ता (Pistachios)

पिस्ता खाने में स्वादिष्ट होता है और सेहत को इसके कई फायदे हैं. ये एंटीऑक्सिडेंट से भरे होते हैं जो प्रतिरक्षा को बढ़ाने और विभिन्न हृदय रोगों को रोकने में मदद करते हैं.

कच्चे नारियल के ढेरों सेहत लाभ

नारियल एक ऐसा फल है जो पूजा में जितना महत्वपूर्ण और शुभ माना जाता है, उतना ही सेहत के लिए भी फायदेमंद है। इतना ज्यादा फायदेमंद कि जानकर आपको हैरानी होगी। विटामिन और मिनरल से भरपूर होने के कारण नारियल एक सुपरफूड है जो आपकी सेहत समस्याओं को दूर करने में मददगार है। इसमें ऐसे कई पोषक तत्व हैं जो आपकी सेहत और सौंदर्य दोनों के लिए फायदेमंद साबित होते हैं।

- **गर्मी को खत्म करता है –** शरीर या पेट में बढ़ रही गर्मी को कम करने के लिए नारियल खाना फायदेमंद होता है। आप चाहें तो इसके लिए नारियल पानी या नारियल क्रश भी ले सकते हैं जो गजब का असर दिखाएगा।
- **भरपूर नींद –** तनाव भरी जिंदगी में नींद नहीं आने की समस्या आजकल आम होती जा रही है। अगर आप भी अनिद्रा की समस्या से परेशान हैं तो रात को खाना खाने के आधे घंटे बाद नारियल का एक टुकड़ा जरूर खाएं। फिर देखिए कैसे नींद आती है।
- **पाचन होगा बेहतर –** फाइबर से भरपूर कच्चा नारियल आपके पाचन तंत्र को बेहतर कर कब्ज जैसी समस्या को खत्म करेगा, जिससे पेट अच्छी तरह साफ होगा।
- **वजन होगा कम –** रोजाना कच्चे नारियल का सेवन न केवल आपकी भूख को कंट्रोल कर मेटाबॉलिज्म को बेहतर करेगा, बल्कि शरीर में जमे अतिरिक्त वसा को भी जलाने में मदद करेगा।
- **दिल रहेगा दुरुस्त –** नारियल सैचुरेटेड फैट से भरपूर है, इसलिए अगर आप रोजाना नारियल का एक टुकड़ा खाते हैं, तो यह अच्छा कोलेस्ट्रॉल को बनाए रखेगा और बुरे कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल करेगा कंट्रोल में रहेगा।

इस समय भूलकर भी न पीएं पानी

खाना खाने के दौरान पानी पीने पाचन क्रिया पर असर पड़ता है। ऐसा करने से पाचन शक्ति कमजोर हो जाती है और शरीर में मोटापा बढ़ने लगता है। ज्यादा पानी पीने के कारण पेट में गैस्ट्रिक जूस बनने लगता है। इसके कारण पेट में गैस और अपच जैसी समस्या होने लगती है। साथ ही सीने में जलन की भी शिकायत हो सकती है।

खाने के तुरंत बाद पानी पीने से नुकसान

- आयुर्वेद के अनुसार खाना खाने के तुरंत बाद पानी पीना घातक हो सकता है।
- तुरंत बाद पानी पीने से खाना सही तरह से पच नहीं पाता है। जिसकी वजह से वह खाना अमाशय में इकट्ठा होने लगता है।
- अमाशय में खाना इकट्ठा होने के कारण व्यक्ति को गैस और एसिडिटी जैसी तमाम समस्याओं का सामना करना पड़ता है।
- खाना खाते वक्त पानी पीने से बॉडी में इंसुलिन का लेवल बढ़ने लगता है, जो डायबिटीज मरीजों के लिए घातक है।

रखें इन बातों का ध्यान

- खाना खाने के एक घंटे पहले या बाद तक पानी नहीं पीना चाहिए।
- स्पाइसी खाना खाने के दौरान जरा सा भी पानी न पिएं।
- खाने को अच्छे से चबा-चबाकर खाएं। इससे खाने का पाचन अच्छी तरह होगा।

...तो ग्रीन-टी का असर हो जाएगा दोगुना

नींबू : विटामिन-सी से भरपूर नींबू में एंटी-ऑक्सीडेंट गुण भी शामिल होते हैं। ग्रीन-टी में इसकी स्वाद अनुसार इसकी कुछ बूंदें मिलाकर पीने से इसका दोगुना फायदा मिलता है। इससे इम्यू-निटी बढ़ने में मदद मिलती है। सर्दी, खांसी, मौसमी बीमारियों से बचाव रहने के साथ अन्य गंभीर बीमारियों की चपेट में आने का खतरा कम रहता है। डायबि-टीज, ब्लड प्रेशर कंट्रोल रहता है। साथ ही पेट, कमर व जांघ आदि पर जमा एक्सट्रा चर्बी कम होकर शरीर शेप में आता है।

दालचीनी : सुनने में शायद आपको अजीब लगेगा मगर आप ग्रीन-टी में दालचीनी मिलाकर सेवन कर सकते हैं। इसमें विटामिन, फाइबर, आयरन, एंटी-ऑक्सी-डेंट, एंटी-वायरल गुण होते हैं। ऐसे में इसका सेवन करने से पाचन शक्ति मजबूत होकर वजन कंट्रोल में रहता है। इसके साथ ही इम्यूनिटी स्ट्रांग होने से बीमारियों की चपेट में आने का खतरा कम रहता है।

शहद : शहद पोषक तत्वों के साथ एंटी-ऑक्सीजेंट, एंटी-बैक्टीरियल, एंटी-वायरल आदि गुणों से भरपूर होता है। ऐसे में इसे ग्रीन-टी में मिलाकर पीने से नेचुरल शुगर मिलने के साथ इम्यूनिटी बढ़ने में मदद मिलेगी। शरीर में मौजूद गंदगी बाहर निकलने के साथ मौसमी बीमारियों से बचाव रहेगा। शरीर स्वस्थ रहने के साथ स्किन पर ग्लो आने में मदद मिलेगी।

अदरक : अदरक का रस ग्रीन-टी में मिलाकर पीना फायदेमंद होता है। इसमें मौजूद एंटी-ऑक्सीडेंट गुण तनाव कम करके दिमाग को शांत करने में मदद करते हैं। ऐसे में मूड सही रहता है। साथ ही बॉडी डिटॉक्स होने में मदद मिलती है। इसके अलावा सिर व शरीर के अन्य हिस्सों में दर्द की शिकायत से आराम मिलता है।

प्याज के छिलकों में छिपा सेहत और सौन्दर्य

बैड कोलेस्ट्राल कम करने में मदद करता है

इसके लिए आपको प्याज के छिलकों को पूरी रात पानी में भिगोकर रखना है और सुबह इस पानी को पीना है। इसका स्वाद आपको जरूर अच्छा नहीं लगेगा, इसलिए आप चाहें तो इसमें शहद या चीनी मिलाकर भी पी सकते हैं। रोजाना इसके सेवन से आपको कुछ दिनों में फर्क जरूर नजर आएगा है।

त्वचा की एलर्जी से राहत दिलाएगा

यदि आपको त्वचा में किसी चीज से एलर्जी है तो आप ऊपर बताई गई विधि से ही प्याज के छिलकों का पानी बनाएं अब इस पानी से रोजाना अपनी त्वचा साफ करें।

बालों को बनाऐ खूबसूरत

आप बालों को चमकदार बनाने के लिए कई तरह के कंडी-शनर इस्तेमाल करती हैं, तो अब से आप प्याज के छिलकों का पानी भी इस्तेमाल कर सकती हैं। इससे आपके बाल मुलायम और चमकदार हो जाएंगे।

चेहरे के दाग-धब्बे हटाएं

चेहरे के दाग-धब्बे से निजात पाने के लिए आप प्याज के रसयुक्त छिलके का इस्तेमाल करें। इसके लिए आप प्याज के छिलके में हल्दी मिलाकर दाग-धब्बे वाली जगह पर लगाएं। जल्द ही आपको फर्क दिखेगा।

मासिक धर्म की समस्याओं में हरा धनिया फायदेमंद

धनिया लगभग सभी घरों में पाया जाता है। कुछ लोग हरे धनिये का उपयोग करते हैं तो कुछ हरे और सूखे दोनों का। हरी धनिया का उपयोग चटनी या सब्जी में किया जाता है। धनिया पत्ता सिरप पीने से पेशाब की जलन, प्यास, आंखों में जलन, दस्त और गैस होती है और मन प्रसन्न रहता है। आइए जानते हैं हरे धनिये के और भी फायदे।

आँखों के लिए फायदेमंद

धनिया आंखों के लिए बहुत फायदेमंद होता है। थोड़े से धनिये को पीसकर, पानी में उबालें, ठंडा करें, इसे एक मोटे कपड़े से छान लें और इसे एक बोतल में भर दें। इसकी दो बूंद आंखों में डालने से जलन, दर्द और आंखों से पानी आना जैसी समस्याएं दूर होती हैं। अपने भोजन में हरे धनिये के नियमित उपयोग से आँखों की ज्योति बढ़ती है। क्योंकि हरा धनिया विटामिन ए से भरपूर होता है जो आंखों के लिए बहुत आवश्यक है।

मासिक धर्म में फायदेमंद

यदि मासिक धर्म का रक्तस्राव सामान्य से अधिक हो तो आधा लीटर पानी में 6 ग्राम धनिया को थोड़ी सी चीनी के साथ उबालें और थोड़ा ठंडा होने पर इस पानी को पिएं, लाभ होगा। वहीं, धनिया महिलाओं में होने वाली सभी मासिक धर्म समस्याओं को दूर करता है।

मधुमेह में लाभकारी

धनिया मधुमेह को नष्ट करने के लिए भी कहा जाता है। यह मधुमेह से पीड़ित लोगों के लिए वरदान है। इसका नियमित सेवन रक्त में इंसुलिन की मात्रा को नियंत्रित करता है।

अगर तरक्की करना चाहते हैं तो घर में लगाएं ये पौधे

वास्तु के अनुसार, घर में कुछ विशेष पेड़-पौधों का होना शुभ होता है। ये पेड़-पौधे घर की तरक्की में सहायक होते हैं। ये पेड़-पौधे घर की नकारात्मक ऊर्जा को दूर करते हैं। इनके प्रभाव से घर में आमदनी बढ़ती है और सुख-समृद्धि का आगमन होता है। आइए जानते हैं वास्तु के अनुसार घर में कौनसे पेड़-पौधे शुभ होते हैं।

केले के पेड़ को ईशान कोण में लगाने से धन-धान्य में वृद्धि होती है। इसके पास यदि तुलसी का पौधा लगाया जाए, तो भगवान विष्णु के साथ-साथ देवी लक्ष्मी की कृपा भी बनी रहती है। केले में भगवान विष्णु और तुलसी में देवी लक्ष्मी का वास माना जाता है।

अशोक के पेड़ को हम सजावट के लिए लगाते हैं, लेकिन घर में इसे स्थान देने से प्रसन्नता प्राप्त होती रहती है और शोक दूर होता है। यह घर के सदस्यों के बीच प्रेम और सौहार्द्र को बढ़ाता है।

फेंगुशुई के अनुसार, घर के आसपास बांस का पौधा या घर के अंदर उसका बोन्साई रूप लगाने से समृद्धि और तरक्की होती है। इसके साथ ही घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।

घर में हल्दी का पौधा लगाना भी शुभ होता है। यह पौधा गुणकारी और चमत्कारी होता है। घर में आंवले का पेड़ लगाने और रोजाना उसकी पूजा करने से सारी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। आंवले के पेड़ को घर की उत्तर या पूर्व दिशा में लगाना लाभकारी है।

हिंदू धर्म में तुलसी के पौधे का खास महत्व है। तुलसी के पौधे को एक तरह से लक्ष्मी का रूप माना गया है। घर में यदि किसी भी तरह की नकारात्मक ऊर्जा है, तो तुलसी का पौधा उसे नष्ट करता है। बेलपत्र का पौधा भगवान शिव को बेहद पसंद है, माना जाता है कि इस पर स्वयं भगवान शिव का वास होता है।

आज की रेसिपी

अमृतसरी छोले भटूरे

सामग्री :

- 1 कप काबुली चने (रात भर भिगाए हुए), 1 टीस्पून चाय पत्ती, सूखा आवंला, 1 तेजपता, 1 दालचीनी, 2 इलाइची, 1 टी स्पून जीरा, 1 बड़ी इलाइची, 1 टी स्पून हल्दी पाउडर, 1 टी स्पून लाल मिर्च पाउडर, 1 टी स्पून धनिया पाउडर, 1 टी स्पून जीरा पाउडर, 3 लौंग, 5 काली मिर्च, 1 कप पानी, 2 टमाटर , टुकड़ों में कटे, 1 गुच्छा हरा धनिया, 2 प्याज, टुकड़ों में कटा हुआ, लहसुन, अदरक, नमक स्वादानुसार

भटूरे के लिए सामग्री

- 1 टी स्पून यीस्ट, 1/2 टी स्पून चीनी, 1/2 टी स्पून नमक, 2 कप मैदा

विधि :

- छोले को सबसे पहले कुकर में चाय पत्ती सूखे आवंला डालकर उबाल लें. अब एक कड़ाही में तेल डालकर गर्म करें. तेल गर्म होने पर इसमें तेजपत्ता, दालचीनी, जीरा, काली मिर्च लौंग डालें. अब इसमें लहसुन, अदरक डालें. इसके बाद प्याज डालकर गोल्डन ब्राउन होने तक भूनें. अब इसमें हल्दी, लाल मिर्च, धनिया, जीरा पाउडर नमक डालकर अच्छे से मिलाएं. अब इस मिश्रण में पानी मिलाते हुए इसमें उबले हुए छोले (छोले में से चायपत्ती अलग कर दें) कटा हुआ टमाटर डालें. इसे अच्छे से मिलाने के बाद 10 मिनट तक पकने दें. अब हरा धनिया डालकर सर्व करें.

भटूरे बनाने के लिए

- एक बाउल में यीस्ट डालें इसमें थोड़ी चीनी पानी मिलाएं. एक बड़े बर्तन में मैदा लें उसमें नमक डालें यीस्ट को मिक्स कर दें. अब इसमें हल्का सा मिक्स करके पानी मिलाएं. इसका एक नरम आटा गूंथ लें. अब इस आटे को गीले कपड़े से ढककर 3 से 4 घंटे के लिए हल्के गर्म स्थान पर छोड़ दें ताकि उसमें खमीर आ जाए. इसके बाद थोड़ा सा आटा लेकर इसे बेल लें. अब एक कड़ाही में तेल गर्म करके इन्हें फ्राई कर लें गर्मागर्म अमृतसरी छोले भटूरे सर्व करें.